सुप्रभात
रांची, गुरुवार
04.01.2024
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net पौष, कृष्ण पक्ष, अष्टमी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 172 12 मां की बर्थडे पार्टी में रौतेला ने किया जबरदस्त डांस

## न्यूज डायरी

### ईरान : डबल धमाके में 100 से अधिक की मौत

**नयी दिल्ली।** ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या की चौथी बरसी पर उनकी कब्र के पास दो विस्फोटों में करीब 100 लोग मारे गये। करमान शहर में साहेब अल-जमान मस्जिद के पास एक समारोह के दौरान हुए विस्फोटों में 170 लोग घायल हैं।

### असम में बस-ट्रक की टक्कर में 12 की मौत

**गोलाघाट/जोरहाट।** असम के गोलाघाट जिले में बुधवार को एक कोयला लदे ट्रक और एक बस की टक्कर में तीन बच्चों समेत करीब 12 लोगों की मौत हो गयी और 38 अन्य लोग घायल हो गये। गोलाघाट जिला आयुक्त पी उदय प्रवीण ने बताया कि दुर्घटना एनएच-715 पर डेरगांव के पास बालीजान में हुई। 12 मृतकों में से छह महिलाएं हैं।

### फसल चराने के विवाद में चाचा को मार डाला

**जामताड़ा।** फसल चराने को लेकर हुए विवाद में भतीजे ने चाचा की ईंट से मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी भतीजे को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला करमाटांड़ थाना क्षेत्र के हथिया पतरा गांव की है।

### जनजाति क्षेत्र में हुआ पीएम जनमन कार्यक्रम

**हरिद्वार।** जनजातीय मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) कार्यक्रम हुआ। शहीद मनोज चौहान राजकीय इंटर कालेज गैंडीखाता में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

### बर्लिन अस्पताल मामले में प्रीति कुमार ने मांगा समय

**रांची।** झारखंड के गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार की पत्नी प्रीति कुमार को बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुईं। वह केरल में छुट्टी मना रही हैं। उन्होंने अगली तारीख मांगी है। ईडी ने बर्लिन अस्पताल से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए समन भेज कर तीन जनवरी को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया था।

### शिक्षिका ज्योतिबा फुले की जयंती मनायी गयी

**खूंटी।** मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में बुधवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती महिला मुक्ति दिवस के रूप में मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्प अर्पित तथा माल्यार्पण कर किया गया।

### मोइत्रा मामले में लोकसभा महासचिव को नोटिस

**नयी दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द करने के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर बुधवार लोकसभा महासचिव को नोटिस जारी किया। संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि वह अधिकार क्षेत्र और न्यायिक समीक्षा की शक्ति सहित सभी मुद्दों की विचार करेगी।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 59,300 रु./10 ग्राम
चांदी : 75,000 रु./प्रति किलो

## सत्ताधारी गठबंधन के विधायकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जताया भरोसा, कहा

# ऑल इज वेल, हेमंत सीएम हैं और रहेंगे

- **महागठबंधन सरकार अपना कार्यकाल भी पूरा करेगी**
- **सरकार के खिलाफ कोई भी साजिश सफल नहीं होगी**

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** हेमंत सोरेन के आवास पर सत्ताधारी दलों की बैठक देर शाम खत्म हो गयी। इसके बाद कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि हेमंत सीएम हैं और वही रहेंगे। दरअसल, ईडी की कार्रवाई और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच ये बैठक काफी अहम मानी जा रही थी। बैठक के बाद विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन सीएम हैं और आगे भी वही रहेंगे। सरकार अपना कार्यकाल भी पूरा करेगी।

बैठक में लिये गये फैसले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि बैठक में 43 विधायक थे। सभी ने एक स्वर से फैसला किया कि हेमंत सोरेन सीएम हैं और आने वाले दिनों में भी वही सीएम रहेंगे। साथ ही ईडी के कदम पर भी नजरें रखी जायेगी। वहीं बड़कागांव से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने कहा, आल इज वेल।

**हर साजिश को मिल कर विफल करेंगे :** इस बैठक के बारे में सीएम हेमंत सोरेन के ऑफिस ने अपने ट्विटर पर जानकारी देते हुए लिखा सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सत्तारूढ़ दल के मंत्रियों और विधायकों की बैठक में राज्य के ताजा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री के प्रति अपना विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा उनके साथ हैं और आगे भी बने रहेंगे। किसी भी तरह की स्थिति में वे एकजुट हैं। राज्य सरकार के खिलाफ किसी भी तरह की साजिश को सफल नहीं होंगे। सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री के प्रति अपना पूरा विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा उनके साथ हैं और आगे भी बने रहेंगे। किसी भी तरह की स्थिति में वे सभी पूरी तरह एकजुट हैं।

### हेमंत के नेतृत्व में जनहित का कार्य जारी रहेगा

बैठक में सभी मंत्रियों और विधायकों ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनहित में कार्य कर रही है और यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। बैठक में राज्य की ताजा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की गयी। बैठक में शामिल होने पहुंची सांसद महुआ माजी और विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि विपक्ष की साजिश एक बार फिर नाकाम होगी। मुख्यमंत्री ने पूरे घटनाक्रम पर अपनी बात रखते हुए सभी को इससे अवगत कराया। बैठक में आलमगीर आलम, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, मिथिलेश ठाकुर, चंपई सोरेन, जोबा झाजी, बेबी देवी, स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, उमाशंकर अकेला, रामचंद्र सिंह, नलिन सोरेन, राजेश कच्छप, बैद्यनाथ राम, सत्यानंद भोक्ता आदि उपस्थित थे। सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से सूबे के सियासी हालातों और भावी रणनीति पर चर्चा के लिए बुधवार को विधायकों की यह बैठक बुलायी गयी थी।

## गांडेय सीट पर उपचुनाव की भेजी गयी अनुशंसा

### फैसला अब चुनाव आयोग के हाथ, सस्पेंस बरकरार

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** सियासी गहमागहमी के बीच गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने की अनुशंसा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने भारत निर्वाचन आयोग को कर दी है। झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे से यह सीट खाली हो गयी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग को झारखंड विधानसभा द्वारा जेएमएम विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद जारी अधिसूचना की प्रतिलिपि के साथ यह अनुशंसा भेजी है।

**फैसला अब आयोग के हाथ :** अब चुनाव आयोग तय करेगा कि इस सीट पर उपचुनाव कराया जाये या नहीं। गौरतलब है कि 31 दिसंबर 2023 को सरफराज अहमद के इस्तीफा देने के बाद विधानसभा सचिवालय ने इसे स्वीकार करते हुए उसी तारीख से गांडेय सीट रिक्त होने की अधिसूचना 1 जनवरी को जारी की थी। गांडेय विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होने पर सस्पेंस बरकरार है। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार तय समय से एक साल पहले खाली हुए विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। हालांकि यह विधानसभा गठन की तारीख या सरकार के गठन की तारीख इन दोनों में से कौन सा मान्य होगा इस पर स्पष्ट वर्णन नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में 29 दिसंबर 2019 को सरकार का गठन हुआ था, मगर पंचम विधानसभा का गठन 6 जनवरी 2020 को हुआ था। इस लिहाज से गांडेय सीट एक साल के अंदर आता है। (शेष पेज 11 पर)

## ज्ञानवापी सर्वे पर कोर्ट आज सुना सकता है फैसला

### रिपोर्ट सार्वजनिक करने, नहीं करने पर जोरदार बहस

**एजेंसी**

**वाराणसी।** ज्ञानवापी परिसर में 2 नवंबर तक हुए आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआइ) के सर्वे के बाद रिपोर्ट 18 दिसंबर को दाखिल कर दी गयी है। इन सब के बीच अब इस रिपोर्ट को पब्लिक डोमेन में लाने को लेकर कोर्ट में संघर्ष जारी है। मुस्लिम पक्ष विरोध कर रहा है कि अंदर क्या मिला और जांच में जो चीजें सामने आयी है, वह वाद- प्रतिवादी के बीच ही रहना चाहिए। वहीं हिंदू पक्ष इसे सार्वजनिक करने की मांग कर रहा है और कोर्ट में इसमें प्रार्थना पत्र भी दिया है, जिस पर गुरुवार को फैसला आ सकता है।

बुधवार को इसे लेकर वाराणसी जिला न्यायालय में ज्ञानवापी पक्ष की चारों वादिनी और वकील पहुंचे। कोर्ट में सुनवाई के दौरान एएसआई ने रिपोर्ट चार सप्ताह तक होल्ड करने की अपील की है। इस आशय का प्रार्थना पत्र एएसआई ने वाराणसी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दाखिल किया है। इस कोर्ट ने सुनवाई गुरुवार तक के लिए टाल दी। माना जा रहा है कि गुरुवार को कोर्ट अहम फैसला दे सकती है। ज्ञानवापी मामले में श्रृंगार गौरी प्रकरण के बाद वादिनी महिलाओं की तरफ से एएसआई सर्वे की मांग की गयी थी। जिस पर दो नवंबर तक आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया की टीम ने सर्वे पूरा करके 18 दिसंबर को रिपोर्ट न्यायालय में सबमिट कर दी। इसे लेकर अब रिपोर्ट सार्वजनिक की जाये या नहीं, इस पर कोर्ट में सुनवाई की जा रही है। (शेष पेज 11 पर)

## इडी की बड़ी कार्रवाई : रांची, देवघर, हजारीबाग, साहिबगंज में एक साथ रेड

# नेताओं और अधिकारियों के 12 ठिकानों पर छापेमारी, हड़कंप

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** जमीन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की संभावित कार्रवाई से निबटने की रणनीति बनाने के लिए बुलायी गयी सत्ता पक्ष के विधायकों की बैठक से पहले ही बुधवार को सुबह ही इडी की टीम ने सीएम के प्रेस सलाहकार के यहां दबिश दी। जिन अन्य लोगों के यहां छापेमारी हुई, उसमें प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी और राजनीतिक दल के नेता शामिल हैं। इडी की टीम ने अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के रांची स्थित ठिकानों, साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव के राजस्थान के ठिकानों के साथ-साथ साहिबगंज स्थित सरकारी आवास पर भी छापेमारी की। हेमंत सोरेन के करीबी माने जाने वाले आर्किटेक्ट बिनोद कुमार एवं खोडानिया ब्रदर्स के यहां भी साहिबगंज में छापेमारी हुई। वहीं पूर्व विधायक पप्पू यादव के देवघर स्थित ठिकानों पर भी इडी अधिकारियों पहुंच कर जांच पड़ताल की। साहिबगंज के डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग एवं अन्य ठिकानों पर जांच टीम पहुंची। एक टीम अभय सरावगी के कोलकाता स्थित ठिकानों पर गयी और वहां पर महत्वपूर्ण दस्तावेजों को खंगाला। हैरत की बात यह है कि इडी ने रांची में सिपाही अवधेश कुमार के यहां भी दबिश दी।

**एक साथ सभी जगह छापामारी :** बुधवार की सुबह-सुबह इडी की टीम ने रांची के आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की। साहिबगंज में कथित अवैध खनन घोटाला से जुड़े लोगों के ठिकानों पर इडी की कार्रवाई देर रात तक जारी रही। इडी की टीम देश के तीन राज्यों में छापेमारी कर रही है। इडी की इस कार्रवाई से राजनीतिक और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप है। सूत्रों के मुताबिक, धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू समेत कई लोगों के ठिकानों पर इडी की टीम ने छापेमारी कर अवैध संपत्ति खंगाल रही है। इडी के अधिकारी सुबह-सुबह रातू स्थित अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के आवास पर पहुंच गये। ग्रिड आर्किटेक्ट के मालिक विनोद सिंह के पिस्का मोड़ स्थित आवास पर रेड चला। इसके अलावा अरगोड़ा में भी इडी की टीम पहुंची। (शेष पेज 11 पर)

**मिस्त्री बुलाकर खुलवाया लॉकर :** सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद के रातू रोड स्थित आवास पर इडी अधिकारियों ने मिस्त्री बुलाकर लॉकर खुलवाया। इसके अलावा रांची के आर्किटेक्ट विनोद सिंह के पिस्का मोड़ स्थित नीचांचल कंपाउंड और रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल में कार्यरत जमादार अवधेश सिंह के घर भी ईडी ने छापेमारी की है। ईडी की छापेमारी जारी है।

**साहिबगंज डीसी के यहां से काजगात मिले :** साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव से इडी की टीम पूछताछ कर रही है। टीम के अधिकारी बुधवार को डीसी रामनिवास यादव के आवासीय कार्यालय पहुंचे। आवासीय कार्यालय में कई कागजात की जांच के बाद डीसी ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। उनसे अवैध खनन से जुड़े मामले में पूछताछ की जा रही है।

**विनोद सिंह के घर मंगाया गया प्रिंटर :** विनोद सिंह के आवास पर पहुंची इडी अधिकारियों ने जांच के दौरान घर प्रिंटर मंगवाया। कयास लगाए जा रहे हैं कि विनोद सिंह के घर से कुछ जरूरी दस्तावेज मिले हैं।

### रांची में इन लोगों के ठिकानों पर रेड

रांची में अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के रातू रोड स्थित घर पर। विनोद सिंह के पिस्का मोड़ स्थित नीलांचल कंपाउंड में भी छापा मारा गया। रातू रोड के कृष्णापुरी में रोशन सिंह के घर पर छापा मारा गया। बिरसा मुंडा जेल में कार्यरत जमादार अवधेश सिंह के घर भी केंद्रीय जांच एजेंसी ने छापेमारी की।

### साहिबगंज, कोलकाता, देवघर, राजस्थान में भी रेड

पूर्व विधायक राजकिशोर यादव उर्फ पप्पू यादव के देवघर में स्थित आवास पर छापेमारी की गयी। साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव के जयपुर स्थित दो पैतृक मकान पर भी इडी की रेड चली। साहिबगंज में खुडानिया बंधुओं के ठिकानों पर कार्रवाई की गयी। वहीं कोलकाता में जीडब्ल्यूई मारिए के पास अभय सरावगी के घर छापामारी में चल अचल संपत्ति की जांच की गयी। देर रात इडी को इन सभी लोगों के यहां से क्या मिला, इसकी आधिकारिक पुष्टि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नहीं की गयी है।

### साहिबगंज डीसी से हो रही पूछताछ

साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव से इडी की टीम पूछताछ कर रही है। टीम के अधिकारी बुधवार को डीसी रामनिवास यादव के आवासीय कार्यालय पहुंचे। आवासीय कार्यालय में कई कागजात की जांच के बाद डीसी ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। उनसे अवैध खनन से जुड़े मामले में पूछताछ की जा रही है।

### साहिबगंज डीसी के यहां मिले आठ लाख

इडी ने साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के सरकारी आवास से आठ लाख रुपयेनकद के अलावा नौ एमएम पिस्टल की 14 राउंड गोलियां भी बरामद की है। कई कागजात भी मिले हैं। डीसी यादव उन गोलियों के बारे में बताने में असमर्थ रहे। उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करा सकती है। डीसी रामनिवास यादव से पूछताछ की जा रही है।

### विनोद सिंह के घर मिले 25 लाख

छापेमारी के दौरान विनोद सिंह के घर से 25 लाख रुपये नकद और निवेश से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कन्हैया खुडानिया के ठिकाने से 30 बेनामी बैंक अकाउंट मिले हैं। सभी अकाउंटों का नंबर सीरीज में है। सभी अकाउंट से जुड़े हस्ताक्षरित चेक बुक जब्त किये गये हैं। इडी ने इन सारे खातों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। छापेमारी के दायरे में शामिल सभी लोगों के मोबाइल फोन जब्त कर लिये गये है, उसमें ह्वाट्सएप चैटिंग शामिल है। हालांकि, अबतक इडी को कितना नगद मिला है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पायी है।

# रामलला के स्वागत में गाये भजन *राम आयेंगे* पर मोदी हुए मंत्रमुग्ध

### बिहार की बेटी के भजन की जम कर की तारीफ

**एजेंसी**

**नयी दिल्ली।** पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार की बेटी स्वाति मिश्रा रामलला के स्वागत में गाये भक्ति गीत 'राम आयेंगे' की खुलकर तारीफ की। पीएम मोदी ने एक्स पर भक्ति गीत का एक वीडियो साझा किया और कहा- श्री राम लला के स्वागत के लिए स्वाति मिश्रा का यह भक्ति भजन मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम लला के स्वागत में गाये इस भजन की खूब प्रशंसा की। पीएम ने इस गीत को सोशल मीडिया पर साझा भी किया और कहा, जो भी इसे सुनता है, मंत्रमुग्ध हो जाता है।

**43 मिलियन से अधिक बार सुना गया :** बिहार के छपरा जिले की रहने वाली स्वाति मिश्रा ने तकरीबन दो महीने पहले अपने यू-ट्यूब चैनल पर मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जायेंगे... राम आयेंगे... भजन गाकर इसे शेयर किया था। (शेष पेज 11 पर)

**कौन हैं स्वाति मिश्रा :** इंटरनेट पर हर किसी के दिलों पर राज करने वाली स्वाति मिश्रा बिहार के छपरा सदर के माला गांव की रहने वाली हैं। उनकी पढ़ाई छपरा में हुई थी। बाद में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से उन्होंने क्लासिकल म्यूजिक में ट्रेनिंग ली। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सिंगिंग पर पूरा फोकस किया और मुंबई पहुंची। काफी स्ट्रगल करने के बाद उन्हें आज घर-घर में लोग जानते हैं और उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं।

## श्रमजीवी धमाके में दो और आतंकियों को मृत्युदंड

### 18 साल पहले हुए धमाके में 14 यात्रियों की गयी थी जान

**एजेंसी**

**जौनपुर।** यूपी के जौनपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार राय ने बुधवार को करीब 18 साल पहले श्रमजीवी एक्सप्रेस पर हुए आतंकवादी हमले के दो आरोपी आतंकवादियों नफीकुल विश्वास (मुर्शिदाबाद बंगाल) और हिलालुद्दीन उर्फ हिलाल (बांग्लादेश) को मृत्यदंड की सजा सुनायी। साथ ही 5-5 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया।

इसके पूर्व दो आरोपी आतंकवादियों आलमगीर उर्फ रोनी और ओबैदुर रहमान उर्फ बाबू भाई को 30 एवं 31 अगस्त 2016 को जिले के तत्कालीन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम बुधिराम यादव द्वारा फांसी की सजा सुनायी जा चुकी है। करीब दो सप्ताह पहले कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

### दो आरोपियों को हो चुकी है फांसी की सजा

श्रमजीवी एक्सप्रेस विस्फोट कांड 28 जुलाई 2005 को हुआ था। सिंगरामऊ रेलवे स्टेशन के हरिहरपुर रेलवे क्रासिंग के पास ट्रेन की जनरल बोगी में यह विस्फोट हुआ था, जिसमें 14 लोगों की मौत हुई थी और 62 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। अब करीब 18 साल बाद आरोपियों को दोषी करार देते फांसी की सजा सुनायी गयी। इस मामले में जौनपुर की अदालत में 43 गवाह भी पेश हुए। इसके पहले मामले में कोर्ट दो आरोपियों को फांसी की सजा सुना चुकी है। इसमें एक अभियुक्त पर बम बनाने और दूसरे पर पटना जंक्शन से ट्रेन में बम रखने का आरोप था। बांग्लादेशी आलमगीर उर्फ रोनी ने ट्रेन की बोगी में बम रखा था, जबकि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य ओबेदुर्रहमान ने बम बनाया था। कोर्ट ने इन दोनों को 31 अगस्त 2016 को फांसी की सजा सुनायी थी। हालांकि दोनों ने हाईकोर्ट में अपील डाल रखी है। इस धमाके में शामिल अन्य आतंकवादियों में से डॉ सईद अभी फरार चह रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है। बांग्लादेश निवासी मुहिबुल ने तिहाड़ जेल में एसीपी को बयान दिया था कि श्रमजीवी में बम रखकर विस्फोट करने का उद्देश्य हिंदुस्तान में आतंक फैलाना था। इसके साथ ही भारत के लोगों को मार कर नकली नोट चला कर जेहाद करना था।

# हाई कोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी को बनाया प्रतिवादी विधायक सरयू राय के आरोपों पर मांगा जवाब

**मैनहर्ट कंपनी को रांची में सीवरेज-ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में 21 करोड़ रुपये के घोटाले का है आरोप**

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** मैनहर्ट घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज पीई (प्रारंभिक जांच) के आलोक में एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर दायर विधायक सरयू राय की याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को हुई। मामले में कोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी के द्वारा दाखिल हस्तक्षेप याचिका (आईए) को स्वीकार करते हुए मामले में मैनहर्ट कंपनी को प्रतिवादी बनाया है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी को सरयू राय द्वारा लगाए गए आरोपों पर 3 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। बता दें कि पूर्व की सुनवाई में कोर्ट के आदेश के आलोक में एसीबी के एसपी सशरीर उपस्थित हुए थे। उनकी ओर से पीई की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की गई थी।

दरअसल, पूर्व की सुनवाई के दौरान प्रार्थी सरयू राय द्वारा कोर्ट को बताया गया था कि दिसंबर 2020 में इस मामले को लेकर एसीबी ने पीई दर्ज की थी, लेकिन अब तक इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। इस पर कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसके आलोक में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि मामले में अभी जांच चल रही है। एसीबी की ओर से बताया गया था कि इस मामले की जांच जारी रखने के संबंध में राज्य सरकार से लीगल ओपिनियन मांगा गया है। इस पर प्रार्थी के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया था की लीगल ओपिनियन मांगे जाने का मामला सरकार के पास 1 साल से अधिक समय तक लंबित है। अगस्त 2022 में ही एसीबी ने सरकार से लीगल ओपिनियन मांगा था, लेकिन अब तक उस पर कुछ नहीं हुआ है।

यह भी बता दें कि सरयू राय ने मैनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में 21 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था। इस मामले को उन्होंने झारखंड विधानसभा में उठाया था। जिसके बाद राज्य सरकार के निर्देश के बाद दिसंबर 2020 में एसीबी में पीई दर्ज की गई थी लेकिन उसकी रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने पर सरयू राय ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उनकी उसे कहा गया है की ढाई साल बीतने के बाद भी मैनहर्ट घोटाला मामले में पीई में क्या आया यह अब तक पता नहीं चला है।

**साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग मामला : अनुसंधानकर्ता को फटकार**

# बच्चों को खोजें अन्यथा साहिबगंज एसपी सशरीर उपस्थित हों: हाई कोर्ट

**हाई कोर्ट ने लापता बच्चों को ढूंढ़ने के लिए 3 सप्ताह का दिया समय**

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपी कुलदेव साह की दो क्रिमिनल अपील मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने मामले के अनुसंधानकर्ता को कड़ी फटकार लगायी है। कोर्ट ने कहा कि जब विधि विज्ञान निदेशालय एवं प्रयोगशाला, रांची से बरामद बच्चे की डीएनए रिपोर्ट 12 दिसंबर को प्राप्त हो चुकी थी। तब इस बात की पुष्टि हो गई थी कि पुलिस द्वारा बरामद किये गये बच्चे का डीएनए पीड़ित पिता से मैच नहीं किया है। यानी वह बायोलॉजिकल पुत्र नहीं है, तो फिर लापता दोनों बच्चों को खोजने की कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। कोर्ट ने अगली सुनवाई में भी अनुसंधानकर्ता को फिर से सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति एसएन प्रसाद की कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि 3 सप्ताह में लापता बच्चों को ढूंढ़ा जाये, अन्यथा साहिबगंज एसपी को कोर्ट के समक्ष का सशरीर उपस्थित होना होगा। बता दें कि विधि विज्ञान निदेशालय, रांची के डिप्टी डायरेक्टर बृज कुमार ठाकुर ने हाइकोर्ट में शपथ पत्र दाखिल किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि कोर्ट ने 8 नवंबर 2023 को विधि विज्ञान निदेशालय से बरामद बच्चे एवं उसके पिता की डीएनए रिपोर्ट मांगी थी। डीएनए रिपोर्ट में बरामद बच्चे और उसके पिता का डीएनए मैच नहीं हुआ है। जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि वह बरामद लड़का पीड़ित पिता का बायोलॉजिकल पुत्र नहीं है। खंडपीठ ने पूर्व की सुनवाई में दो गुमशुदा बच्चों में से पुलिस द्वारा बरामद किये गये एक बच्चे के डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट डायरेक्टर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री रांची से मांगी थी।

**सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड मामला**

## विधायक शशि भूषण मेहता ने मांगा समय अब 16 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

**रांची।** ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड मामले में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर रहे एवं पांकी विधायक कुशवाहा शशि भूषण मेहता सहित 6 लोगों को बरी किए जाने के रांची की निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की आंशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को हुई। मामले में न्यायमूर्ति रत्नाकर भेंगरा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने प्रतिवादियों शशि भूषण मेहता एवं अन्य के समय देने के आग्रह को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई 16 जनवरी को निर्धारित की।

मृतका सुचित्रा मिश्रा के भाई गोविंद पांडे ने अदालत द्वारा बरी किए गए शशि भूषण मेहता समेत 6 लोगों की अदालत से रिहाई के खिलाफ हाई कोर्ट में एक्विटल अपील दाखिल की है। जिस पर सुनवाई के दौरान पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने शशि भूषण मेहता समेत 6 लोगों को नोटिस जारी करने का निर्देश प्रार्थी को दिया था। बता दें कि धुर्वा में गाड़ी से कुचल कर सुचित्रा मेहता की हत्या कर दी गई थी।

**राजीव अरुण एक्का को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोन्नति**

## विनय चौबे समेत तीन आइएएस बने प्रधान सचिव

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजीव अरुण एक्का को लेवल 17 में 2.25 लाख के वेतनमान पर प्रमोशन देते हुए अपर मुख्य सचिव बनाया है। अब, वह पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव होंगे। राज्य सरकार ने इसके अलावा तीन आइएएस अफसर को प्रधान सचिव रैंक लेवल 15 में प्रमोशन दिया है। इन्हें अब 182200-224100 का वेतनमान मिलेगा। इनमें मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव राहुल पुरवार को प्रधान सचिव रैंक में प्रमोशन दी गई है। तीनों अधिकारी अपने ही विभाग में प्रधान सचिव के पद पर रहेंगे। इसके अलावा अतिरिक्त प्रभाव वाला पद भी उनके पास ही रहेगा। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

**झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अब्दुल मीर से मिले कांग्रेसी, कहा**

## झारखंड की राजनीति में एक नयी दिशा और दशा तय होगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कई वरिष्ठ नेता बुधवार को झारखण्ड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अब्दुल मीर से मिले। इस दौरान मुलाकात कर नये वर्ष की बधाई दी। साथ ही अंगवस्त्र भी भेंट किया। इनमें आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता छोटू, बोकारो से साधु शरण गोप, धनबाद से मो. जिन्ना, लोहरदग्गा से प्रदीप विश्वकर्मा, रांची से रमेश उरांव, फिरोज रिजवी मुन्ना, अभिषेक साहू, संजीत यादव, शिव शंकर उरांव, कुमुद रंजन, पप्पू सिंह, डॉ सुषमा केरकेट्टा, गोड्डा से मनोज झा सहित सैंकड़ों कार्यकता शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने कहा आज के औपचारिक मुलाकात में संगठन को लेकर प्रभारी से एक सकारात्मक बातचीत हुई है।

उन्होंने कहा वर्तमान प्रभारी मृदुभाषी, मिलनसार एवं गंभीर नेता हैं। नए वर्ष में नई उमंग और नए उत्साह के साथ कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीयता से उन्होंने मुलाकात की है। कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं ऊर्जा का संचार हुआ है। 2024 देश की राजनीति और झारखंड की राजनीति के लिए काफी महत्वपूर्ण वर्ष है। झारखंड कांग्रेस के नेताओं कार्यकर्ताओं को वर्तमान प्रभारी से काफी आशा और अपेक्षाएं हैं। नए प्रभारी के पहले दिन के दौरे एवं तौर तरीकों से यह प्रतीत होता है कि झारखंड की राजनीति में एक नई दिशा और दशा तय होगी।

**झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने सौंपा नौ सूत्री मांग पत्र**

# झारखण्ड में ओबीसी को न्याय दिलायें : मोर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बुधवार को राजकीय अतिथिशाला (मोरहाबादी) में झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें नौ सूत्री मांग पत्र सौंप कर ओबीसी समुदाय को हक और अधिकार देने की राहुल गांधी की वकालत की याद दिलाई। वह, झारखण्ड की गठबंधन सरकार समुदाय को उसका अधिकार दिलाने की गुहार लगायें।

श्री गुप्ता द्वारा सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि पिछले चुनाव में 27% आरक्षण ओबीसी को देने के आश्वासन के बाद ओबीसी समाज ने गठबंधन की सरकार को अपना समर्थन दिया था। बदले में सरकार ने 27% आरक्षण देने की जगह रोस्टर में ही हेर-फेर कर कई बार ओबीसी समाज को उसके अधिकार से वंचित किया गया है। जेपीएससी के परीक्षाओं में हेराफेरी की गई, जूनियर जज की वैकेंसी में ओबीसी की उम्र सीमा समान्य श्रेणी के बराबर कर दी गई। सात जिले में ओबीसी का आरक्षण सुनने कर दिया गया है। आरक्षियों की वैकेंसी में भी डेढ़ दर्जन जिलों में ओबीसी का आरक्षण शून्य कर दिया गया है। किन्नर समाज को ओबीसी समाज में ही आरक्षण देने का निर्णय कैबिनेट द्वारा की गई है। प्रदेश में बोर्ड एवं निगम में ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व लगभग शून्य है। श्री गुप्ता ने राज्य में जाति सर्वेक्षण करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में ओबीसी को संगठन में उचित प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई थी, लेकिन झारखण्ड में शून्य है। क्या पार्टी इस पर ध्यान देगी। श्री गुप्ता ने कांग्रेस को सौंपें मांग पत्र में ऐसे कई मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए ओबीसी को उसकी भागीदारी दिलाने की मांग की है।

**भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल को लिखा पत्र**

## गैर विधायक के सरकार बनाने का दावा पेश करने पर होगा संवैधानिक संकट

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि अगर कोई गैर विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करता है और उसका अनुरोध मान लिया जाता है, तो यह पूरे राज्य को संवैधानिक संकट में डाल देगा। पत्र में गांडेय विधानसभा में उपचुनाव से पहले नियमों का पालन करने का आग्रह किया है। उन्होंने पत्र में कहा है कि इस तरह की प्रथा स्पष्ट रूप से संवैधानिक प्रावधानों के प्रति अपमानजनक, अनुचित, अलोकतांत्रिक और अमान्य होगी। अनुच्छेद 164 और 4 केवल विधायिका के सदस्यों के मंत्री होने के सामान्य नियम के अपवाद की प्रकृति में है, जो लगातार छह महीने की छोटी अवधि तक सीमित है। इस अपवाद को अत्यंत असाधारण की स्थिति से निपटने के लिए अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाना आवश्यक है।

### अपनी राय से चुनाव आयोग को भी कराया अवगत

बाबूलाल मरांडी ने पत्र के माध्यम से चुनाव आयोग को अपनी राय से भी अवगत कराया है। उन्होंने कहा है कि यह स्पष्ट है कि एक गैर-विधायक मुख्यमंत्री को भारत के संविधान के अनुच्छेद-164 के आदेश के अनुसार, अपने कार्यालय की तारीख से 6 महीने के भीतर विधायक बनना होगा। पांचवीं झारखंड विधानसभा के लिए किसी भी विधानसभा सीट के लिए आयोजित, कोई भी व्यक्ति जो गैर विधायक है, मुख्यमंत्री व मंत्री की शपथ नहीं ले सकता, क्योंकि यह संविधान के प्रावधानों के विपरीत और पूरी तरह से अलोकतांत्रिक होगा।

**पत्नी कल्पना सोरेन के सीएम पद पर शपथ लेने पर हेमंत सोरेन ने लगाया विराम**

# झारखंड में सियासी संकट का दौर जारी, शुरू हो सकती है झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन की नयी पारी!

उदय चौहान

**रांची।** झारखंड में सियासी संकट के बीच राजनीतिक हवा गर्म है। सीएम हेमंत सोरेन के कल्पना सोरेन के चुनाव लड़ाने पर विराम लगाने के बाद कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। चर्चा है कि शिबू सोरेन फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर नयी पारी की शुरूआत करेंगे। ईडी व चुनाव आयोग के दबाव के बीच हेमंत सोरेन के पद पर बने रहने का खतरा उत्पन्न हो गया है। दरअसल, लैंड स्कैम में हेमंत सोरेन को ईडी ने सात समन भेज कर पूछताछ के लिए बुलाया है।

गौरतलब है कि झारखंड की सियासत एक बार फिर उतार चढ़ाव के दौर से गुजर रही है। जिस बात का अंदेशा था, उसकी झलक दिखने लगी है। ईडी की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज के उपायुक्त रामनिवास यादव, आर्किटेक्ट बिनोद कुमार, साहिबगंज के कनोडिया ब्रदर्स, पूर्व विधायक पप्पू यादव, डीएसपी राजेंद्र दूबे, अभय सरावगी, सिपाही अवधेश कुमार के ठिकानों पर छापेमारी से झारखंड की राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में खलबली है। इस राजनीतिक अस्थिरता के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह कहकर नयी बहस छेड़ दी है कि कल्पना सोरेन के सीएम बनने की संभावना वाली बात भाजपा की कोरी कल्पना है।

**बदल सकता है सीएम का बयान :** पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के राजनीतिक सलाहकार और आर्थिक-राजनीतिक मामलों के जानकार अयोध्या मिश्रा का मानना है कि राजनीति में बयान मैटर नहीं करता है। सीएम ने कहा था कि कल्पना सोरेन के सीएम बनने की संभावना भाजपा की कल्पना भर है लेकिन विधायकों के साथ बैठक के बाद वही बयान बदल भी सकता है। उनका मानना है कि सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि आज सीएम आवास पर सत्ताधारी दलों के विधायकों की बैठक में क्या फॉर्मूला बनता है।

### झारखंड की राजनीति के लिए यह साल उथल-पुथल भरा साबित होने वाला है...

सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि सीआरपीएफ को भी अलर्ट मोड पर रख दिया गया है, ऐसे में क्या ईडी सीएम आवास पर भी दबिश देने की तैयारी में हैं। इन सवालों और कयासों को समझने के लिए एक वरिष्ठ विधायक से बात की गयी। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन अब शिबू सोरेन को मुख्यमंत्री बनायें या किसी अन्य को, इसका अब कोई खास महत्व नहीं दिख रहा है। सच तो यह है कि झारखंड की राजनीति के लिए यह साल गंजन भरा साबित होने वाला है। अगर नई सरकार के गठन की नौबत आती है तो हेमंत सोरेन को कई शर्तों पर हामी भरनी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन की नौबत नहीं आएगी क्योंकि गठबंधन दल के पास बहुमत है। रही बात ईडी की तो वह सीएम आवास में घुसने के लिए सक्षम है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मुख्य सचिव और डीजीपी का क्या स्टैंड होता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि सबसे पहले तो सरफराज अहमद को खुलकर कहना चाहिए कि आखिर उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा क्यों दिया।

### मई में भी आया था राजनीतिक संकट

27 मई को भी झारखंड में सियासी संकट आया था। तब चुनाव आयोग क ी अनुशंसा पत्र राजभवन को प्राप्त हुआ था। इसके बाद झारखंड में राजनीतिक बैठकों का दौर शुरू हो गया था। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लाभ के पद पर होने के आरोपों पर अपनी सिफारिश राज्यपाल को भेजी थी। इसमें चुनाव आयोग ने हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की भी सिफारिश की है। हालांकि सीएम दफ्तर की ओर से कहा गया था कि इस संबंध में उन्हें कोई पत्र नहीं मिला है।

अब चर्चा इस बात को लेकर शुरू हो गई है कि अगर सीएम हेमंत सोरेन को इस्तीफा देने की नौबत आती है तो उनकी जगह कौन लेगा। क्या शिबू सोरेन की एक बार फिर ताजपोशी हो सकती है। उन्होंने कल्पना सोरेन के नाम पर ब्रेक क्यों लगाया। सवाल यह भी उठ रहा है कि ईडी का अगला कदम क्या हो सकता है। क्या झारखंड राष्ट्रपति शासन की ओर बढ़ रहा है?

इधर ईडी की ओर से भेजे गए सातवें समन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वैकल्पिक उपायों पर मंथन कर रहे हैं। चर्चा है कि जरूरत पड़ने पर वे अपनी पत्नी कल्पना सोरेन या पिता शिबू सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप सकते हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक डॉक्टर सरफराज अहमद के अचानक इस्तीफा देने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है।

**सेवाशर्त नियमावली को लेकर आंदोलनरत हैं बीआरपी-सीआरपी**

## झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने दिया समर्थन, सरकार पर बनाया दबाव

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** राज्य के बीआरपी/सीआरपी अपने लंबित समस्याओं के समाधान एवं सेवाशर्त नियमावली को लेकर काफी दिनों से संघर्षरत हैं। इस फेज में आंदोलन के दूसरा दिन भी राज्य के सभी जिलों में कार्यरत सीआरपी बीआरपी अपने दैनिक कार्यों का निर्वहन काला बिल्ला लगाकर किया। इनके समर्थन में राज्य के शिक्षक भी आने लगे हैं। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान सचिव सह प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन कुमार ने इनके आंदोलन का समर्थन किया है। उनका कहना है कि बीआरपी/सीआरपी की मांगें जायज है। सरकार इनकी जायज मांगों को शीघ्र पूरा करे। वहीं दूसरी ओर आंदोलन के दूसरे दिन बीआरपी सीआरपी अपने विभागीय कार्यों के अतिरिक्त निर्वाचन के कार्यों में भी संलग्न हैं और उनके द्वारा इसका निष्पादन किया जा रहा है, किंतु बीआरपी/सीआरपी की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है और विभाग अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। सभी बीआरपी/सीआरपी चिंतित है कि उनके द्वारा कार्य किए जाने के बावजूद भी विभाग उन्हें उपेक्षित रखे हुए हैं। 18 वर्षों की सेवा एवं मानदेय 18000 भी नहीं मिलना महंगाई के इस दौर में कितना कष्टकारी है। यह मुक्तभोगी बीआरपी/ सीआरपी से अच्छा कौन जान सकता है।

मालूम हो कि परियोजना में बीआरपी/सीआरपी को छोड़कर अन्य परियोजना कर्मी को उच्च वेतन के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं प्राप्त है। यह अत्यंत कष्टकारी, निराशाजनक एवं अफसोसजनक है की बीआरसी में सबसे अत्यंत अल्प मानदेय भोगी कर्मी बीआरपी/सीआरपी हैं। बीआरसी में कार्यरत रात्रि प्रहरी/ आदेशपाल को भी बीआरपी/ सीआरपी से ज्यादा मानदेय एवं अन्य बुनियादी सुविधा प्राप्त है। सरकार की इस दोहरी नीति से क्षुब्ध होकर बीआरपी सीआरपी अपनी सेवा शर्त नियमावली लागू करने के लिए बीते एक साल से आंदोलनरत हैं। इसी क्रम में बीआरपी/सीआरपी दो दिन पेन डाउन स्ट्राइक के बाद दो जनवरी से काला बिल्ला लगाकर कार्य कर रहे हैं, लेकिन विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। संघ द्वारा आंदोलन की समीक्षा के लिए 7 जनवरी को बैठक रखी गई है। अगर विभाग से कोई सकारात्मक पहल नहीं होती है, तब सेवाशर्त नियमावली के लिए संघ वृहद आंदोलन करने पर विचार को बाध्य होगी।

# निर्णय : पीडीएस डीलर्स की हड़ताल रहेगी जारी

**पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राज्य में राशन के वितरण का काम ठप**

**झारखंड में कुल 25400 पीडीएस डीलर**

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राज्य में राशन का वितरण ठप पड़ा है। मंगलवार को खाद्य आपूर्ति विभाग के सचिव अमिताभ कौशल के साथ पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की बैठक थी, लेकिन एसोसिएशन की मांगों पर विभाग की ओर संतोषजनक आश्वासन नहीं मिलने के कारण एसोसिएशन ने हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है।

राज्य में 25400 पीडीएस डीलर हैं, जिनके माध्यम से सरकार राशन वितरण करती है। पीडीएस डीलर्स की हड़ताल के कारण गरीबों को राशन नहीं मिल रहा है। राज्य में अंत्योदय राशन कार्ड की संख्या 892488 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 3449144 है। पीएचएच राशन कार्ड की संख्या 5211687 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 22976241 है। पीएचएच राशन कार्ड में चावल चार और एक किलो गेहूं प्रति सदस्य प्रति माह मिलता है जबकि ग्रीन राशन कार्ड में 484476 है, जिसमें परिवार की सदस्यों की संख्या 1509715 है।

रांची जिला पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञानदेव झा ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार ने 81 करोड़ जनता को पांच सालों तक पांच किलो अनाज बांटने की स्वीकृति दी है लेकिन डीलरों की सुविधाओं में कोई बढ़ोतरी नहीं की गयी है।

कोरोना काल में लाभुकों को पांच किलो मुक्त अनाज वितरण प्रति कार्ड 13 माह तक किया गया था, जिसका कमीशन अब तक नहीं मिला है। विभाग के सचिव ने कमीशन देने की बात कही है लेकिन कब यह तय नहीं है। साथ ही कमीशन की दर पिछले 10 सालों से नहीं बढ़ायी गयी है।

## आदिवासी परंपरा के अनुसार भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वागत

# जेल का जेलर बन बैठा था मैट्रिक पास सिपाही अवधेश

**जेल में मोबाइल चलाने के लिए वसूलता था कैदियों से रुपये**

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में पूर्व में एक कैदी मुंगेरी लाल का कब्जा था, जेल में उसका ही राज चलता था। अब जब जेल में इडी के द्वारा भेजे गये आरोपी हैं तो वहां एक सिपाही जेल का जेलर बन बैठा। इडी ने उसकी शिनाख्त सिपाही अवधेश कुमार के रूप में की। अवधेश कुमार मैट्रिक पास है। जेल में जरायम को सुविधा प्रदान करने में अवधेश की भूमिका अव्वल रही है। अवधेश कुमार उर्फ अवधेश सिंह के बारे में कहा जाता है कि उनकी अनुमति के बिना जेल के अंदर कोई मोबाइल नहीं चला सकता, बड़े से बड़े नक्सली, कुख्यात अपराधी को मोबाइल चलाने के लिए इनकी शरण में जाना पड़ता है। जेल से बाहर निकले एक कैदी की मानें तो जेल के अंदर अवधेश कुमार की दुनिया है। बिना अवधेश कुमार के आदेश के पत्ता भी नहीं हिलता है। जेल के अंदर

**अपराधी को देख रेट होता है तय**

अवधेश कुमार का एक माह का रेट

| | |
|---|---|
| एंड्रायड मोबाइल का इस्तेमाल | 1,00,000 से 1,50,000 तक |
| वीडियो कॉल या व्हाट्सअप कॉल | 1,50,000 से 2,00,000 तक |
| नॉर्मल मोबाइल | 10,000 से 25,000 तक |

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से बाहर आनेवाले कुछ कैदियों ने अपनी पीड़ा बतायी है। जेल के अंदर जमादार अवधेश कुमार अपराधी को देख रेट तय करता है। जैसा अपराधी होता है, वैसा रेट वसूला जाता है। अवधेश कुमार को मोबाइल इस्तेमाल करने के लिए हजारों से लेकर लाखों तक पैसा देने को तैयार है। यह पैसा जेलर तक कम, ज्यादा अवधेश कुमार तक रहता है। जेल में अस्पताल से लेकर मेस समेत अन्य जगहों पर अवधेश कुमार द्वारा पैसा वसूला जाता है।

जैसा कैदी वैसा अवधेश कुमार का रेट होता है।

## कौन है रौशन, क्यों चलती थी सीओ और एसी ऑफिस में हनक

**रांची।** इडी की टीम ने बुधवार को सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद, साहेबगंज डीसी रामनिवास यादव, विनोद कुमार, होटवार जेल के कर्मी अवधेश समेत रौशन कुमार के यहां दबिश दी। जिन-जिन लोगों के यहां छापेमारी चल रही है, उसमें ज्यादातर चेहरे चर्चित हैं, लेकिन रौशन अब तक लाइम लाइट से दूर रह कर चुप चाप काम करने वाला नाम है, लेकिन इडी की रेड के बाद रौशन को लेकर चर्चा शुरू हो गई। जानकार बताते हैं कि रौशन सत्ता के संरक्षण में पिछले कुछ वर्षों में अपना अलग साम्राज्य स्थापित कर लिया है। लैंड स्कैम के आरोप में जेल में बंद पूर्व डीसी छवि रंजन के कार्यकाल में जिला प्रशासन और रेवन्यू से जुड़े सभी अफसरों को रौशन का कहा मानना पड़ता था। रौशन की हनक का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि रांची के प्रमुख अंचल जैसे नामकुम, ओरमांझी, रातू, कांके, हेहल, अरगोड़ा और नगड़ी के अलावा एसी कार्यालय में वह बिना किसी रोक टोक के घुसता था।

## इडी की छापेमारी : साहिबगंज अवैध खनन मामले को लेकर कार्रवाई की चर्चा

# पिंटू के घर का लॉकर टूटा, रोस्पा टॉवर में आर्किटेक्ट ऑफिस सील

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** इडी ने सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार पिंटू के घर के लॉकर का ताला तोड़ने वाले लॉकरमैन को बुलाया। मिस्त्री ने आकर ताला तोड़ा। अभिषेक प्रसाद पिंटू के घर से ताला तोड़कर बाहर निकलने पर लॉकरमैन ने बताया कि उन्हें लॉकर तोड़ने के लिए बुलाया गया था। उधर, देवघर में पप्पू यादव के निमार्णाधीन होटल पर छापेमारी की गयी।

देवघर के कास्टर टाउन मुहल्ला निवासी पूर्व विधायक राजकिशोर प्रसाद उर्फ पप्पू यादव के कंचन गोपाल अपार्टमेंट स्थित फ्लैट संख्या 502 में ईडी की टीम बुधवार की अहले सुबह छापेमारी के लिए पहुंची थी। चार सदस्यीय पदाधिकारियों की टीम जहां फ्लैट के अंदर पूर्व विधायक और उनके

पिंटू का आवास।

रौशन सिंह का आवास।

विनोद सिंह का आवास।

साहिबगंज में डीसी आवास।

घरवालों से पूछताछ में जुट गई है। वहीं काफी संख्या में सुरक्षाकर्मी अपार्टमेंट के नीचे सुरक्षा में तैनात किया गया था, जो अपार्टमेंट में आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ के बाद ही उन्हें ऊपर की ओर जाने की इजाजत दे रहे थे। सुबह 7.30 बजे से शुरू हुई छापेमारी का यह अभियान खबर लिखे जाने तक जारी रहा। उल्लेखनीय है कि ईडी की इस छापेमारी को साहिबगंज जिले में 1000 करोड़ रुपये के अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ कर देखा जा रहा है।

**विनोद सिंह के घर मंगाया गया प्रिंटर :** विनोद सिंह के आवास पर भी ईडी की टीम की छापेमारी की गयी। इस बीच विनोद सिंह के घर प्रिंटर मंगवाया गया। देर रात तक विनोद सिंह के घर से मिले दस्तावेजों की जांच की जा रही थी। इडी ने विनोद कुमार सिंह के रोस्पा टॉवर स्थित आर्किटेक्ट ऑफिस को सील कर दिया है।

## सभी जगह तैनात थी सीआरपीएफ

**रांची।** इडी की टीम के साथ बुधवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार पहुंची थी। होटवार जेल पहुंचकर इडी के अधिकारियों ने जांच की। इससे पहले इडी ने तीन नवंबर 2023 को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में छापा मारा था। इडी को सूचना मिली थी कि जेल में बंद सरकारी गवाहों को तोड़ने की कोशिश हो रही है। जिसके बाद इडी ने जेल में छापा मारा था। दिल्ली से ईडी को सीआरपीएफ की विशेष व्यवस्था भी करवायी गयी। इडी के इशारे पर कार्रवाई के लिए सीआरपीएफ की एक टुकड़ी को रिजर्व (संरक्षित) रखा गया है। गृह मंत्रालय ने रिजर्व टुकड़ी की तैनाती के लिए आदेश भी जारी कर दिया है।

# जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार समारोह में 78 खिलाड़ी सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जंयती पर उम्मीद फाउंडेशन ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, कोच और खेल को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को पुरस्कृत किया। बुधवार को सीएमपीडीआइ के मयूरी हॉल में आयोजित जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार 2023 समारोह में कुल 78 खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में सिंह मुंडा खेल रत्न, जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार, गुरू सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरू द्रोणाचार्य पुरस्कार, भगवान बिरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गये। मुख्य अतिथि राज्यसभा डॉ महुआ मांजी ने खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अलग अलग कैटेगरी में उन्हें सम्मानित किया।

मौके पर उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा के योगदान को याद करते हुए कहा कि हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी प्रतिभा को दिखायी। खेल और राजनीति में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सांसद ने कहा कि खिलाड़ी अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इस मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव, प्रदीप मिर्द्या, सोनू खलखो, नंदलाल नायक, राम अवतार केरकेप्ता, मनोज कुमार यादव, सोमनाथ मुंडा, संगीता तिर्की, मुकेश भगत आदि मौजूद थे।

**कटहल मोड़-अरगोड़ा सड़क चौड़ीकरण परियोजना**

## भू-अर्जन पदाधिकारी ने 20 रैयतों के दावा पत्रों का किया निष्पादन

**जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रांची सुनील कुमार चंद्र ने स्थल निरीक्षण किया**

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार बुधवार को जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रांची सुनील कुमार चंद्र ने कटहल मोड-अरगोड़ा सड़क चौड़ीकरण परियोजना अंतर्गत अधिग्रहित की जा रही भूमि का निरीक्षण किया। इस परियोजना अंतर्गत कुल तीन मौजा-अरगोड़ा, पुनदाग और गुटवा की कुल 5.669 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारा अधिग्रहित की जा रही कुल भूमि का निरीक्षण किया गया। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुनील कुमार चंद्र द्वारा मौजा पुनदाग के रैयतों द्वारा समर्पित दावा पत्रों का निष्पादन भी किया गया। उन्होंने वंशावली और भूमि निरीक्षण करते हुए 20 रैयतों द्वारा समर्पित दावा पत्रों का निष्पादन किया।

मौजा पुनदाग के कुल 109 दावा पक्ष (मुआवजा आवेदन) प्राप्त हुए हैं, जिसकी जांच अलग-अलग स्तर पर चल रही है। साथ ही अरगोड़ा एवं गुटवा में भी मुआवजा राशि का भुगतान आरंभ है।

## आइएएस की पत्नी प्रीति कुमार इडी के सामने नहीं हुईं पेश, मांगा समय

**रांची।** झारखंड के गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार की पत्नी प्रीति कुमारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष बुधवार को पेश नहीं हुईं। वह केरल में हैं। उन्होंने अगली तारीख मांगी है। ईडी ने बर्लिन अस्पताल से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए समन भेज कर तीन जनवरी को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया था। ईडी ने फर्जी दस्तावेज की खरीद-फरोख्त की जांच के दौरान बड़गाईं के राजस्व कर्मचारी के घर से जमीन के दस्तावेज जब्त किये थे। इसके बाद सरकार के निर्देश पर राजस्व कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। ईडी ने प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई की। इसके बाद प्रीति कुमारी के नाम पर खरीदी गई जमीन की माप की गई।

## आलू व प्याज बेचने वाली कंपनी एनसीसीएफ चला रही रांची विवि का परीक्षा विभाग : आजसू

**मांग : भ्रष्टाचारी एजेंसी एनसीसीएफ को अविलंब विश्वविद्यालय से हटाये विवि प्रशासन**

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** छात्र आजसू के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बुधवार को कहा की आलू प्याज बेचने वाली कंपनी एनसीसीएफ को रांची विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का परीक्षा विभाग को आउटसोर्स कर एनसीसीएफ को सौंपा जाना चिंतनीय विषय है। उन्होंने कहा कि आरयू के परीक्षा विभाग को आलू प्याज बेचने वाली कंपनी एनसीसीएफ को सौंप कर कुलपति आखिर क्या दर्शाना चाहते हैं। शुक्ला ने कहा कि जिस विश्वविद्यालय ने राज्य, देश एवं दुनिया को एक से बढ़कर एक शिक्षाविद दिया उस विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को आलू प्याज बेचने वाली आउटसोर्स कंपनी एनसीसीएफ के हाथों में सौंप दिया गया है। यह एजेंसी सस्ते दर पर देश को आलू प्याज उपलब्ध कराते कराते विश्वविद्यालय की डिग्री को सस्ते दर पर उपलब्ध करा रही है। जब से इस एजेंसी ने काम संभाला है तब से रोजाना नए-नए करनामे उजागर हो रहे हैं। छात्र परीक्षा लिखते हैं उन्हें उसे परीक्षा में अनुपस्थित दिखाकर फेल कर दिया जाता है। 8 महीने बीत जा रहे हैं परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित नहीं हो रहा है। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) छात्र-छात्राओं के हित में विश्वविद्यालय द्वारा इस एजेंसी को हटाने की मांग की है।

## शिशु पंजीकरण अद्यतन कार्यों की समीक्षा के लिए राज्यस्तरीय टीम गठित

# शिशु पंजीकरण कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों और पदाधिकारियों पर होगी कार्रवाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** समग्र शिक्षा के तहत आउट ऑफ स्कूल एवं ड्रॉप आउट बच्चों के लिए शिशु पंजीकरण अद्यतन कार्यों की समीक्षा के लिए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी के निर्देश पर राज्य के 24 जिलों के लिए राज्यस्तरीय टीम का गठन किया गया है। हर जिले में सात जनवरी, तक भ्रमण कर अनुश्रवण दल के पदाधिकारियों को शिशु पंजीकरण कार्यों की समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इस समीक्षा के दौरान पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों) के क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है। राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक ने अनुश्रवण दलों में शामिल पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा है कि ऐसे शिक्षक, शिक्षा पदाधिकारी या विद्यालय के अधिकारी जो शिशु पंजीकरण कार्यों में लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर विभागीय कार्रवाई के लिए अनुशंसा करें।

उन्होंने प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। साथ ही अनुश्रवण पदाधिकारियों को जिलों के भ्रमण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए पीवीटीजी बहुल गांवों के निरीक्षण का निर्देश भी दिया गया।

### स्कूलों की आधारभूत संरचना की जानकारी लें

किरण कुमारी पासी ने अनुश्रवण दलों के पदाधिकारियों को स्कूलों में भ्रमण कर विद्यालयों के आधारभूत संरचनाओं, स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, स्कूल के आसपास का माहौल, सुरक्षा आदि की जानकारी भी एकत्रित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पदाधिकारियों को जिला मुख्यालय से दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया ताकि स्कूलों द्वारा उपलब्ध जानकारियों की जमीनी हकीकत का पता लगाया जा सके।

### शिशु पंजीकरण मुख्य शैक्षणिक कार्य है...

अनुश्रवण दलों के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक ने कहा कि ऐसे कई विद्यालय हैं जिनके शिक्षक अपने पोषक क्षेत्रों में घर घर जाकर शिशु पंजीकरण कार्यों को गैर शैक्षणिक कार्य मानकर नहीं करते। यह गलत है। शिशु पंजीकरण गैर शैक्षणिक नहीं, बल्कि मुख्य शैक्षणिक कार्य है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए ऐसे स्कूलों के शिक्षकों को चिन्हित कर कार्रवाई की अनुशंसा का निर्देश दिया है। उन्होंने जनवरी को शिशु पंजीकरण माह के रूप में मनाने का लक्ष्य पदाधिकारियों को दिया।

**एक माह से अधिक ड्राप आउट बच्चे को भी आउट ऑफ स्कूल मानें :** राज्य कार्य प्राधिकारी विनीता तिर्की ने अनुश्रवण दल के पदाधिकारियों से कहा कि ऐसे बच्चे जिन्हें ड्रॉप आउट किये हुए एक माह से अधिक हो गया है, उन्हें भी आउट ऑफ स्कूल ही माना जाए। ऐसे बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए विद्यालय के शिक्षक विद्यालय पोषक क्षेत्रों में घर-घर जाकर अभियान चलायें। राज्य पदाधिकारी बादल राज ने अनुश्रवण पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे विद्यालय जो जीरो ड्रॉप आउट का दावा करते है, उनकी पड़ताल करें।

**नवंबर से हो रहा है सर्वेक्षण :** आउट ऑफ स्कूल एवं ड्रॉप आउट बच्चों के लिए शिशु पंजीकरण के सर्वेक्षण का काम नवंबर 2023 से ही जारी है। विभागीय निर्देश के बाद प्रत्येक विद्यालय अपने अपने पोषक क्षेत्रों में इस कार्य को रहे हैं। तीन से 18 आयु वर्ग के बच्चों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्कूली शिक्षा अनिवार्य है। इसमें प्री प्राइमरी, प्राइमरी, एलिमेंट्री और सेकेंडरी स्कूल शामिल हैं। अबतक 56.49 प्रतिशत सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है।

**हाइकोर्ट ने मामले को सक्षम बेंच में किया ट्रांसफर**

## जिमखाना क्लब की भूमि पर न्यूक्लियस मॉल के निर्माण पर लगी रोक बरकरार

खबर मन्त्र संवाददाता

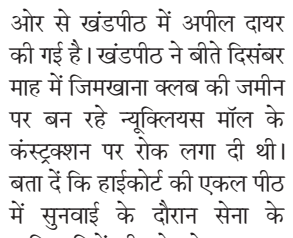

**रांची।** जिमखाना क्लब की जमीन पर बन रहे न्यूक्लियस मॉल को लेकर एकल पीठ के आदेश के खिलाफ यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से कैप्टन सुष्मिता बनर्जी की एलपीए की आंशिक सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को हुई। मामले में प्रतिवादियों की ओर से न्यूक्लियस मॉल के कंस्ट्रक्शन पर लगी रोक हटाने का आग्रह किया। हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले को सुनने से इनकार करते हुए मामले को सक्षम बेंच में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। प्रतिवादी चैलिश रियल स्टेट की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने पक्ष रखा। वहीं अन्य प्रतिवादियों की ओर से अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह ने पैरवी की। जबकि रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन सहदेव ने पैरवी की।

दरअसल, मामले में हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की एकल पीठ ने प्रार्थी सेना के अधिकारियों की याचिका खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ सेना की ओर से खंडपीठ में अपील दायर की गई है। खंडपीठ ने बीते दिसंबर माह में जिमखाना क्लब की जमीन पर बन रहे न्यूक्लियस मॉल के कंस्ट्रक्शन पर रोक लगा दी थी। बता दें कि हाईकोर्ट की एकल पीठ में सुनवाई के दौरान सेना के अधिकारियों की ओर से कहा गया था कि जिमखाना की जमीन पर जो मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बन रही है वह सेना की जमीन के बगल में है। नियमानुसार सुरक्षा के दृष्टिकोण से सेना की जमीन से 50 मीटर की दूरी पर बिल्डिंग का निर्माण कार्य होना चाहिए था। वहीं प्रतिवादियों की ओर से कहा गया था कि सेना की ओर से जिस गाइडलाइन का हवाला दिया जा रहा है वह वर्ष 2022 का है, जो इसमें अप्लाई नहीं होता है। वर्ष 2016 की गाइडलाइन में कहा गया है कि सेना की जमीन से 10 मीटर की दूरी पर किसी बिल्डिंग का निर्माण कार्य हो सकता है, जो बिल्डिंग का निर्माण कार्य हो रहा है वह सेना की जमीन से 45 मीटर से ज्यादा दूरी पर है।

## माता सावित्रीबाई फुले के जन्मदिन पर राष्ट्रीय अवकाश हो : राजेश गुप्ता

**रांची।** समाज में सुधार एवं महिलाओं के हक और अधिकार के लिए जीवन भर आंदोलन करने वाली सावित्रीबाई फुले की तस्वीर और प्रतिमा देश के सभी विद्यालयों में और कार्यालयों में लगाई जानी चाहिए और केन्द्र सरकार को उनके जन्म दिवस पर अवकाश की घोषणा करनी चाहिए। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कही। बुधवार को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में रांची के हरमू स्थित प्रदेश कार्यालय में देश के प्रथम शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की जन्म जयंती मनायी गयी। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि विरोध के बावजूद 1848 में देश में प्रथम बालिका विद्यालय सावित्रीबाई फुले ने खोला। उन्होंने कहा कि नारी शिक्षा की वकालत करने वाली सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के लिए 71 विद्यालयों की स्थापना की। सावित्रीबाई फुले देश की प्रथम शिक्षिका ही नहीं, समाज सुधारिका और क्रांतिकारी एवं कवयित्री भी थीं। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में एसएन सिंह कुशवाहा, संतोष शर्मा, गिरिजेश कुमार, रामअवतार कश्यप, जगदीश साहू, करण कुमार वर्मा, और आरबी सहाय थे।

## आज का राशिफल
**04-01-2024**

विक्रम संवत 2080, शक संवत 1945। ऋतु : हेमंत। सूर्य दक्षिणायन। मास : पौष, पक्ष : कृष्ण, तिथि : अष्टमी 22:05 बजे समाप्त। नक्षत्र : हस्त 17:34 बजे समाप्त। योग : अतिगंड अहोरात्र। करण : बालव 09:00 बजे तक, तदनंतर कौलव 22:05 बजे समाप्त। चंद्रायु 22.0 घंटे। दिशाशूल : दक्षिण।

**मेष :** मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

**वृष :** यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। शुभांक-1-3-5

**मिथुन :** मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। शुभांक-3-5-6

**कर्क :** आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

**सिंह :** 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। शुभांक-2-4-6

**कन्या :** जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। शुभांक-1-3-5

**तुला :** लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

**वृश्चिक :** जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। शुभांक-3-5-6

**धनु :** प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शुभांक-4-6-8

**मकर :** कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। शुभांक-4-6-8

**कुंभ :** राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

**मीन :** व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संताप को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। मातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-1-3-5

# मरांग गोमके के साथ हुआ ऐतिहासिक अन्याय : प्रभाकर नाग

## जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर झारखंड आदिवासी विकास समिति ने दी श्रद्धांजलि

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** झारखंड आदिवासी विकास समिति के तत्वावधान में झारखंड आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष प्रभाकर नाग एवं कार्यकारी अध्यक्ष जगन लिंडा की अगुवाई में बुधवार को राजधानी रांची के कचहरी रोड स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रभाकर नाग ने कहा कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता संविधान सभा सदस्य एवं देश को ओलंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के साथ ऐतिहासिक अन्याय किया गया है। उनकी उपलब्धियों और उनके योगदान को विस्तृत करने का प्रयास कई लोगों ने किया है।

उन्होंने कहा कि मरांग गोमके के विचार निरंतर आगे बढ़ते जा रहे हैं। झारखंड आदिवासी विकास समिति के तत्वाधान में 2020 में कार्यक्रम आयोजित कर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में कार्यक्रम कर स्टेडियम की दयनीय दशा को उजागर करने का काम किया था। रांची नगर निगम के तत्कालीन उप नगर आयुक्त शंकर यादव के सहयोग से चड्ढा व एसोसिएट के साथ मिलकर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के कायाकल्प में प्रमुख भूमिका समिति ने निभायी है। समिति आगे भी आदिवासी समाज के विभिन्न महापुरुषों के धरोहरों को संरक्षित करने एवं उसके संवर्धन-संरक्षण की दिशा में काम करती रहेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष जगन लिंडा ने कहा कि आज मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के विचार कहीं ज्यादा प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्रीय कोर कमेटी सदस्य बिरसा टोप्पो, प्रेम तिर्की, कार्यकारिणी सदस्य मनोज कच्छप, बसराय लिंडा, सुकरा उरांव, प्रदीप कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रांची में मरांग गोमके की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पूरी टीम जयपाल सिंह मुंडा के पैतृक गांव टकरा पहुंची एवं वहां उनकी समाधि स्थल पर माल्यार्पण किया।

विदित हो चार दिन पहले उनकी समाधि स्थल पर ससनदिरि की गयी थी एवं आज विधि विधान से पूजा की गयी। पूरे परिसर की साफ सफाई के लिए झारखंड आदिवासी विकास समिति ने खूंटी बीडीओ का आभार व्यक्त किया। स्थल का विकास एवं सुंदरीकरण की मांग भी की, जिसे खूंटी बीडीओ ने स्वीकार कर लिया। झारखंड आदिवासी विकास समिति की टीम का प्रस्ताव उन्होंने मान लिया है, जल्द ही सोहराय पेंटिंग एवं मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की पूरी वंशावली को पत्थर पर उकेरा जायेगा एवं उनके योगदान से संबंधित संग्रहालय बनाये जायेंगे।

### आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए मुखर होकर बोले थे मरांग गोमके : आशुतोष द्विवेदी

**रांची।** जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर कचहरी रोड स्थित जयपाल सिंह स्टेडियम में स्थापित जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने संविधान सभा के सदस्य के रूप में संविधान सभा में 1946 को आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए मुखर होकर बोले थे। इसलिए हम सभी लोगों को उनके बताये हुए रास्ते पर चलने की जरूरत है, तभी हम उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे।

# श्री महावीर मंडल ने अयोध्या धाम से आये पूजित अक्षत का किया वितरण

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** बुधवार को श्री महावीर मंडल ने अयोध्या धाम से आये हुये पूजित अक्षत को देकर अपने अपने घरों एवं नजदीकी मंदिरो में दीप जलाकर दीपोत्सव मनाने का निमंत्रण विभिन्न क्षेत्रो में सभी राम भक्तो दिया।अभियान में मुख्यरूप से श्री महावीर मंडल राँची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, अशोक पुरोहित, श्री राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह, हिन्दू जागरण मंच के महानगर अध्यक्ष सुजीत सिंह एवं श्री चैती दुर्गापूजा महासामिति के महामंत्री सह विश्व हिन्दू परिषद के महानगर उपाध्यक्ष गोपाल पारीक, संजय सिंह लल्लू जी उपस्थित थे ।

श्री मिश्रा ने बताया अयोध्या से आये पूजित अक्षत को घर घर तक श्री महावीर मंडल की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। श्री मिश्रा ने सभी सनातनी भाइयो एव धर्म प्रमियों से आवाहन किया है कि 22 जनवरी 2024 अपने अपने घर मे दीवाली के तर्ज पर दीप जलाये और भव्य दीपोत्सव मनायें । कार्यक्रम में राजेश अग्रवाल, उपेन्द्र रजक, राम मनोज साहू,साहिल कुमार, सुमित साहू, जयमसीह तिग्गा, दुर्गा साहू, संजीव सोनी, अमित सिंह, इंदर सिंह, रमेश केडिया, टिंकू महतो उपस्थित थे।

# इमारत शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड एक है, इसमें कोई विभाजन नहीं : मौलाना शमशाद

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** इमारत शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड एक है। इसमें कोई विभाजन नहीं है। झारखंड इमारत शरिया अलग नहीं हुआ है। इमारत शरिया कोई संगठन नहीं, यह एक फिक्र और विचार धारा का नाम है। चंद उलेमा के कहने से इमारत शरिया अलग नहीं हो सकती। ये बातें मौलाना मो शमशाद रहमानी नायब अमीर ए शरीयत बिहार, ओडिशा और झारखंड, मुफ्ती सनाउल होदा कासमी नायब नाजिम इमारत शरिया, मुफ्ती वसी अहमद कासमी नायब काजी ए शरीयत पटना, मुफ्ती मो सोहेल अख्तर कासमी नायब काजी पटना, मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी काजी ए शरीयत ने संयुक्त रूप से कहीं।

करबला टैंक रोड स्थित इमारत शरिया के कार्यालय में प्रेस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इमारत शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड के कुल 87 कार्यालय हैं। इसमें झारखंड के 24 जिलों में 16 जिलों में इमारत शरिया का कार्यालय है। उन्होंने कहा कि बदगुमानी जो समाज में फैलाई जा रही है, उसे दूर करने के उद्देश्य से यह प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया गया है।

उन्होंने कहा सुरसा मुडमा रांची के इजलास में गलत तरीके से इमारत शरिया को अलग करने की बात सामने आयी। जबकि, उसी इजलास के संयोजक ने इस फैसले से पूरी तरह से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इमारत शरिया बिहार, झारखंड का हिस्सा था और हिस्सा रहेगा। ऐसा कहना कि बिहार में ज्यादा खर्च और झारखंड में कम खर्च इमारत शरिया द्वारा किया जा रहा है, यह बिलकुल गलत है। झारखंड से आमदनी वार्षिक 76 लाख रुपया है, जबकि इमारत शरिया ने झारखंड में एक करोड़ तीन लाख रुपये खर्च किये हैं।

उन्होंने कहा कि हमने इमारत शरिया बिहार झारखंड और ओडिशा को एक ही नजर के साथ देखा है। इमारत शरिया ने झारखंड में सबसे पहले अपना स्कूल खोला। झारखंड के इरबा, नगड़ी, गोड्डा और गिरिडीह में स्कूल चल रहा है। झारखंड में 175 बेवा को इमारत शरिया लगातार वजीफा दे रही है। इस मौके पर मौलाना शोएब अख्तर साकीबी, मौलाना कारी अंसारुल्लाह कासमी, मौलाना एकरामुल हक आयनी, शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी, मौलाना अब्दुल कय्यूम बालसोकरा, हाफिज तजम्मुल हुसैन बीजू पाड़ा, हाफिज अब्दुल अजीज पंडरी, मुफ्ती अबू दाऊद कासमी, मौलाना नूरुल इस्लाम धनबाद समेत कई लोग मौजूद थे।

# डोरंडा ओल्ड जेवेरियंस ने किया कंबल वितरण

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** संत जेवियर्स स्कूल डोरंडा के पूर्ववर्ती छात्रों की संस्था, डोरंडा ओल्ड जेवेरियंस (डॉक्स) ने बुधवार को बढ़ती ठण्ड से बचाव के लिए सदर अस्पताल में कम्बल बैंक के लिए 210 कम्बल का वितरण किया। सदर अस्पताल स्थित सिविल सर्जन कार्यालय में सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार द्वारा कम्बल ग्रहण किया गया।

इस अवसर पर डॉक्स अध्यक्ष जसमीत सिंह कलसी, सचिव जयेश सिन्हा, कार्यकारी अध्यक्ष आशीष बुधिया, उपाध्याक्ष आलोक मिनोचा, उत्सव पराशर, सह सचिव राहुल भाटिया, सुयश खेमका और कोषध्यक्ष विपुल अग्रवाल मौजूद थे।

# डॉ ममता मंजरी साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित

## राष्ट्रीय पुस्तक मेला : छठा दिन

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** स्थानीय जिला स्कूल मैदान में समय इंडिया, नयी दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेला में बुधवार को दो कार्यक्रम हुए। पहला कार्यक्रम था लेखक से मिलिए। लेखक से मिलिए कार्यक्रम का आयोजन दिन में 3:00 बजे से 4:00 बजे तक हुआ। इसमें प्रो डॉ अशोक प्रियदर्शी, महाकवि डॉ श्रीराम दूबे, सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ ममता बनर्जी मंजरी और सुप्रसिद्ध कहानीकार डॉ पंकज मित्र विशेष रूप से उपस्थिति रहे।

इन लेखकों ने अपनी लेखन यात्रा से पुस्तक प्रेमियों को रूबरू कराया और कहा कि लेखन यात्रा एक कठिन यात्रा है। इसके लिए लेखक में संवेदना का होना अपेक्षित है। अध्यक्षता करते हुए डॉ अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि बिना संवेदना के साहित्य का सृजन नहीं हो सकता। डॉ श्रीराम दूबे ने कहा कि साहित्य समाज का सच्चा दस्तावेज है। डॉ पंकज मित्र ने कहा कि रचना प्रक्रिया अपने आप में शिष्ट और विशिष्ट होती है। डॉ ममता बनर्जी मंजरी ने कहा कि लेखन रचनाकार की आत्मा की अभिव्यक्ति होता है। आगत अतिथियों ने साहित्य मंडल श्रीनाथ द्वारा प्रदत्त साहित्य भूषण सम्मान से डॉ ममता मंजरी को सम्मानित किया। इस सम्मान से सम्मानित होनेवाली वे झारखंड से अकेली महिला रचनाकार हैं। आगत अतिथियों का भव्य स्वागत मेला संयोजक डॉ जंग बहादुर पांडेय ने, संचालन अशोक कुमार प्रमाणिक ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ चंद्र मणि किशोर ने किया ।

पुस्तक मेला में आयोजित दूसरे कार्यक्रम में सायं 4:00 बजे तीन साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन हुआ। इसमें डॉ उर्मिला सिन्हा का समय प्रकाशन से प्रकाशित नवीनतम उपन्यास एक गांव की कहानी, डॉ श्रीराम दूबे की 5 कृतियां - महुआ बाग, जंगल सब जानता है, भज्जो, नाचनी (उपन्यास) व भगवान परशुराम (महाकाव्य) तथा डॉ निर्मला कर्ण का दुख का क्रेता, कथा एक मासूम की (उपन्यास) शामिल हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ नागेश्वर सिंह थे। जबकि, अध्यक्षता डॉ अशोक प्रियदर्शी ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ ममता बनर्जी मंजरी थीं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ जंग बहादुर पांडेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, रांची विश्वविद्यालय थे। कार्यक्रम में लोकार्पित पुस्तकों पर गंभीर बातचीत हुई। डॉ उर्मिला सिन्हा ने एक गांव की कहानी कही। डॉ निर्मला कर्ण ने कथा एक मासूम की और दुःख का क्रेता की व्यथा कही, जबकि डॉ श्रीराम दूबे ने अपनी रचनाओं के कथ्य तथ्य पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ नागेश्वर सिंह ने विमोचित पुस्तकों पर गंभीर चर्चा की।

अध्यक्षता करते हुए डॉ अशोक प्रियदर्शी ने विमोचित पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनेक गण्यमान्य विद्वान उपस्थित रहे।

### आरयू ने 332 पेंशनर्स को किया सूद समेत 7.81 करोड़ एरियर का भुगतान

**रांची।** रांची विश्वविद्यालय (आरयू) की ओर से बुधवार को वर्ष 2006 से 2010 के बीच के पेंशनर्स की एरियर राशि 7.81 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। कुलपति रांची विश्वविद्यालय डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि अदालत के आदेशानुसार 332 पेंशनर्स को उनके बकाया एरियर मद के कुल 7.81 करोड़ की राशि का भुगतान कर दिया गया है। यह एरियर राशि 6 प्रतिशत सूद के साथ दिया गया है। कुलपति रांची विवि डॉ सिन्हा ने कहा कि कुछ पेंशनर्स ने लाइफ सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं कराये हैं और उन्होंने क्लेम भी नहीं किया। वैसे पेंशनर्स का बकाया एरियर फिलहाल लंबित रह गया है। ऐसे पेंशनर्स से रांची विश?वविद्यालय द्वारा समाचारपत्रों, संबंधित वेबसाइट तथा पेंशनर्स ग्रुप के माध्यम से संपर्क स्थापित किया जायेगा और उन्हें बकाया एरियर राशि का भुगतान किया जायेगा।

# शक्तिश्री जीण माता का 14वां वार्षिकोत्सव 6 एवं 7 को

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** आदि शक्ति जीण माता का दो दिवसीय 14वां वार्षिकोत्सव 6 एवं 7 जनवरी को जीण माता प्रचार समिति द्वारा स्थानीय मारवाड़ी भवन हरमू रोड़ में मनाया जाएगा। बुधवार को जीण माता प्रचार समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि 6 जनवरी को आदि शक्ति जीण माता की निशान यात्रा सेवा सदन पथ लक्ष्मी नारायण मंदिर से दोपहर 2 बजे से प्रारम्भ हो कर नगर भ्रमण करते हुए मारवाड़ी भवन पहुंचेगी, जहां सभी निशान आदि शक्ति श्री जीण माता को अर्पित किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि इस निशान यात्रा में 501 निशान उठाये जाएंगे। सभी निशान लक्ष्मी नारायण मंदिर से वितरित किये जायेंगे। इस निशान यात्रा का संचालन मारवाड़ी युवा मंच ,राँची शाखा, द्वारा किया जाएगा जिसका नेतृत्व अमित चौधरी एवं विकास गोयल के द्वारा किया जाएगा। 7 जनवरी को प्रातः 10 बजे जीण माताजी का अभिषेक उत्सव के मुख्य संयोजक विजय पालड़ीवाल एवं सह संयोजक ओम प्रकाश अग्रवाल द्वारा सपरिवार किया जाएगा। अभिषेक के उपरांत भगवान श्रीगणेश का पूजन होगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे से शक्ति मंगल पाठ 751 महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस मंगल पाठ में सभी महिलाएं अपने पारम्परिक वेश भूषा में उपस्थित होंगी। मंगल पाठ के वाचन और भजन गायन हेतु जीणधाम से आनंद जी पाराशर, कोलकाता से प्रकाश बरडिया एवं निकिता शर्मा पधार रहे है। इस मंगल पाठ के आयोजन में जीण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। माता को 51 फिट का गजरा एवं 181 फिट की चुनड़ी अर्पित की जाएगी। शक्ति मंगल पाठ का समापन रात्रि 8 बजे महाआरती से होगा। इस मौक पर उपाध्यक्ष विजय पालरिवाल,सचिव नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष बजरंग सोमानी,सह सचिव प्रदीप शर्मा, आदि मौजदू थे।

# केरला क्रिश्चियन फेलोशिप गठित, रेवरेंड डॉ ऊमान जूनियर बने चेयरमैन

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** राजधानी और इसके आसपास रहने वाले मलयाली ईसाई समुदाय की बैठक बुधवार को सेंट थॉमस स्कूल कैंपस में हुई। इसमें केरला क्रिश्चियन फैलोशिप का गठन किया गया। रेवरेंड डॉ एओ ऊमान जुनियर इस कमेटी के चेयरमैन बनाये गये हैं। वहीं, वाइस चेयरमैन रेवरेंड फादर सुबिन डैनियल एवं रेवरेंज फादर जस्टिन केओसीडी एवं कन्वेनर जेवियर फिलिप एवं कार्यकारी सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

बैठक में शामिल प्रमुख रूप से माथोर्मा, ऑर्थोडॉक्स एवं कैथोलिक समुदाय के लोगों का यह प्रयास लंबे समय से था कि इनके पास अपनी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने और विकसित करने के लिए एक संगठन होना चाहिए। भले ही विभिन्न चर्चों के भीतर इनके अपने संगठन हैं। लेकिन समय की मांग है कि जहां भी जरूरत हो, केरल के ईसाइयों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक एकजुट, मजबूत और बड़ी इकाई हो। यह तब और भी महत्वपूर्ण है जब दुनिया भर के चर्च सार्वभौमवाद के करीब आ रहे हैं। एक मजबूत संगठन जरूरत के समय कई संसाधनों को एक साथ एकत्रित कर सकती है। पारस्परिक लाभ और बड़े पैमाने पर समाज के लाभ के अवसरों का भी पता लगा सकती है। जब इस तरह के विचार अलग-अलग लोगों द्वारा प्रसारित किए गए, तो माथोर्मा, कैथोलिक एवं ऑर्थोडॉक्स चर्चों के लोगों का एक समूह एक साथ बैठे और हफ्तों की बैठकों और विचार- विमर्श के बाद बुधवार को संत थॉमस स्कूल के ऑडिटोरियम में क्रिसमस मनाने को एक जुट हुए और एक संगठन के लिए एक उपनियम लेकर आए। इस दौरान जिसका नाम प्रस्तावित हुआ यह उपनियम उन उद्देश्यों और नियमों को बताता है, जो केसीएफ को नियंत्रित करेंगे। इसकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा या किसी राजनीतिक संगठन से संबंध नहीं होगा। केसीएफ सदस्यों की किसी भी चर्च गतिविधियों के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। लेकिन उन स्तरों का पता लगाएगा, जहां तक विभिन्न चर्च सहयोग कर सकते हैं। संचालन क्षेत्र झारखंड राज्य होगा। रांची जिले के सदस्य नियमित सदस्य होंगे। फिलहाल एक अनौपचारिक समिति का गठन किया गया है।

स्पीड न्यूज

## गरीब परिवार को आजसू पाटी के नेता पारसनाथ उरांव ने किया सहयोग

**अनगड़ा।** राजाडेरा पंचायत कमलाकोचा निवासी महाबीर महतो की पत्नी पागो देवी उम्र 57 साल काफी समय से बीमार चल रही थी। जिसका आकस्मिक निधन बीते दिन हो गया। अत्यंत गरीब और निर्धन परिवार से होने चलते आजसू पार्टी केन्द्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी श्री पारसनाथ उरांव ने ब्राह्मणभोज के लिए सूखा राशन देकर सहयोग किया। मोके पर राजाडेरा आजसू पार्टी पंचायत प्रभारी प्रकाश सिंह ग्राम प्रभारी प्रेमनाथ महतो महाबीर महतो पपपु महतो सिवा महतो आदि लोग उपस्थित थे।

## रातू सेंट्रल बैंक परिसर से बाइक की चोरी

**रांची।** राजधानी से सटे रातू थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थम नहीं रही है। गिरोह की सक्रियता से आम नागरिक भयभीत हैं। अपराधियों ने बुधवार को मांडर के सुरसा निवासी स्व गेंदवा उरांव के पुत्र मुकेश उरांव के काठीटांड़ चौक स्थित सेंट्रल बैंक परिसर में खड़ी मोटर साइकिल जेएच 01 बीएन 0671 को निशाना बनाया। घटना दिन के करीब 2 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, श्री उरांव बैंक आये थे। गाड़ी खड़ी कर अंदर गये। काम निपटा कर आधे घंटे बाद बाहर निकले, तो बाइक को गायब पाकर उनके होश उड़ गये। खोजबीन करने पर कोई पता नहीं चला। इससे विवश होकर वह थाने पहुंचे और अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी। पुलिस जांच में जुट गयी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। ताकि, गुनाहगारों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

## मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

**तमाड़।** सोरलोंगा में बुधवार को झारखंड के महान सपूत मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 121 वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। जयंती पर श्रद्धांजलि देने के साथ ही उपस्थित सभी लोगो ने आदिवासी समाज के उत्थान और उनके विकास के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजा पीटर व उनकी पत्नी आरती जायसवाल, शिशुपाल पातर, अनिता देवी, बसंती देवी, शारदा देवी, जीरामानी मुंडा, पूजा मुंडा आदी उपस्थित थे।

# सावित्रीबाई फुले ने पत्थर खाकर भी जगाई थी महिला शिक्षा की अलख

खबर मन्त्र संवाददाता

**ओरमांझी।** उदय मेमोरियल बीएड कालेज केदल में सावित्रीबाई फुले जयंती कार्यक्रम का आयोजन कर उनकी उपलब्धियों का याद किया गया। निदेषक राजेष कुमार कंडरवार ने सावित्रीबाई फुले की संघर्षपूर्ण जीवनी व उपलब्धियों पर प्रकाष डाला और कहा सावित्रीबाई फुले का जीवन बेहद ही मुश्किलों भरा रहा था। दलित महिलाओं के उत्थान करने में समाज से विरोध भी झेलना पड़ा था। स्कूल जाने पर पत्थर भी खाने पड़े थें। जब लड़कियों की शिक्षा एक अभिशाप मानी जाती थी उस दौरान बालिका

कार्यक्रम में अतिथियों के साथ उपस्थित छात्राएं।

विद्यालय खोल पूरे देश में एक नई पहल की थी। वहीं सचिव संतोष महतो ने कहा सावित्रीबाई ने विधवा विवाह कराना व छुआछूत को मिटाना के उद्देश्य के साथ अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया था। उसने महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। सावित्रीबाई फुले को महिलाओं व दलित समाज को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए भी जाना जाता है। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन कालेज के निदेषक सचिव प्राचार्य डॉ. चन्दन कुमार पंकज, उपप्राचार्या दयामनी कुमारी के द्वारा सावित्रीबाई फुले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में निदेशक के साथ डीएलएड विभागाध्यक्ष स्वाती अंजना टोप्पो, ब्रिजिता कुमारी, अलका कुमारी, निर्मला कुमारी, जन्मजय महतो, संदीप महतो, रेहान फजल, सलमा टुडू, डॉ. मनोज कुमार राणा, डा. कुमारी कुसूम लता, इन्दू कुमारी झा, राखी कुमारी, सुनिता किस्पोट्टा, नित्यानन्द कोईरी, अरूण कुमार पाहन, सुजाता जोजो, रंजू कुमारी, शालिनी कुमारी, मेघा महली सभी व्याख्यातागण प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थें।

## केसीबी कॉलेज बेड़ो के वरीय शिक्षक के निधन पर शोकसभा का आयोजन

**संवाददाता बेड़ो।** करमचंद भगत कॉलेज बेड़ो के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष सह बर्सर के पद पर कार्यरत डा राकेश कुमार का निधन के बाद महाविद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। प्राचार्य, शिक्षकों व कर्मचारियों ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। वहीं मौके पर प्राचार्य डॉ विंध्याचल राम, डॉ डेलोमय हंसदा, डॉ अब्दुल अईयूब, प्रो नितेश पासवान, प्रो रितेश कुमार सिंह, डॉ अरूण नाथ देवघरिया, प्रो ब्रम्हानंद साहु, प्रो पूनम कुमारी व सुकुल मह तो समेत दर्जनों शिक्षक व कर्मचारी मौजूद थे।

# बाल बाड़ी खोलने के नाम पर लाखों रुपयों की ठगी

खबर मन्त्र संवाददाता

न्याय की मांग करतीं महिलाए।

**राहे।** प्रखंड के कई गांवों में बाल बाड़ी खोलने के नाम पर महिलाओं से लाखों रुपए की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले की जानकारी महिलाओं ने राहे ओपी में दिया है।जाराडीह गांव के राधिका देवी,बेला गांव के गीता देवी, पोगड़ा गांव के ममता देवी,पोआदिरी गांव के धरनी देवी ने बताया कि सिल्ली के राजागोडा गांव रविन्द्र महतो ने बाल बाड़ी खोलने के लिये 5 हजार रुपये लिये । दिसम्बर 2022 से उगाही किया है। दिसम्बर 2023 में केंद्र खोलने के की बात कहा गया था। दिसम्बर बीत जाने के बाद सम्पर्क किया तो सम्पर्क नही हो पाया। राहे प्रखंड में 300 केंद्र खोलने के नाम पर राशि की वसूली हुई है। भुक्तभोगीयों प्रशासन से न्याय की मांग किया है।

# बारेंदा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

**सोनाहातू।** प्रखंड के बारेंदा पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्य डॉ राजा राम महतो, बारेंदा मंडल के सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो, सोनाहातू मंडल के सांसद प्रतिनिधि दिलेश्वर कोइरी, बीडीओ खगेश कुमार ने संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन किये।

इस अवसर पर डॉ राजा राम महतो ने कहा कि विकसित भारत की संरचना की नींव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा रखी गई है। यह बहुत ही दूरदर्शी सोच है, प्रधानमंत्री लगातार देश हित मे गरीबो के हित में हमारा देश को विकसित देश बनाने में निरंतर जो प्रयास कर रहे है। हमें 140 करोड़ लोगों को भी कृतसंकल्पित होकर मोदी जी के इस मिशन में शामिल होना चाहिए एंव विश्व गुरु बनने में अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। हम सभी भारत वासी मिलकर ही देश का विकाश की रफ्तार को और आगे ले जा सकते है। वही सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो ने केंद्र सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। सभा का समापन सांसद प्रतिनिधि पश्चिम दिलेश्वर कोइरी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनाहातू बीडीओ खगेश कुमार ने किए।

## जयंती पर याद किये गये जयपाल सिंह मुंडा

कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समाज के लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

**ओरमांझी।** एंजल गार्डन नर्सरी स्कूल सदमा में बुधवार को आदिवासी सरना 22 पड़हा कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष बाबूलाल महली ने नेतृत्व में एक कार्यक्रम आयोजित कर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर उन्हे याद किया गया। झिरगा पाहन द्वारा जयपाल सिंह मुंडा की तस्वीर पर विधिवत पूजा की गई। वहीं उपस्थित समाज के लोगों द्वारा फूल माला पहना अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही उनके सम्मान में जयकारा भी लगाया गया। बाबूलाल महली ने कहा कि आदिवासी समाज को हक, अधिकार व सम्मान दिलाने में जयपाल सिंह मुंडा का बहुत बड़ा योगदान रह है। कार्यक्रम में बिरसा मुंडा स्मारक समिति के अध्यक्ष हरिलाल मुंडा, उपमुखिया रितेश मुंडा, पूर्व मुखिया रमेशचंद्र उरांव, गीता कच्छप, झिरगा पाहन, बुद्धेष्वर मुंडा, लोकण मुंडा, इंदु मुंडा, रवि मुंडा, रामकुमार तिर्की, कमलेश करमाली, रवि उरांव आदि उपस्थित थें।

# तेरह करोड़ की लागत से बनने वाली दो सड़कों का शिलान्यास हुआ

खबर मन्त्र संवाददाता

सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास करते विधायक।

**नामकुम संवाददाता।** खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने प्रखण्ड में पथ निर्माण विभाग द्वारा कुटियातु चैक से मालटी रिंग रोड तक बनने वाले 4.70 किमी के चैड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य एवं ग्रामीण कार्य विभाग से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत स्वीकृत रिंग रोड सरवल से एनएच 33 नकटीघाट भाया चरनाबेड़ा,जामुन टोली तक बनने वाले 5.170 किमी पथ निर्माण कार्य का शिलान्याश किया। मौके पर विधायक श्री, कच्छप ने कहा कि दोनो पथो का निर्माण लगभग 13 करोड़ रुपए है, उक्त दोनों पथ की मांग क्षेत्र के ग्रामीण वर्षों से कर रहे थे। उन्होने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों से चुनाव में सडक बनाने का वादा भी किया था। उन्होने कहा कि इन सडकों के बन जाने से जमशेदपुर से एयरपोर्ट और गुमला सिमडेगा जाने वालों को काऊी सहुलियत होगी विधायक ने ग्रामीणों से संवेदक से गुणवत्तापूर्वक काम करवाने की बात कही। मौके पर प्रखण्ड प्रमुख आशा कच्छप, मुखिया नन्हे कच्छप, निशा उरांव, विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, ग्राम प्रधान लालसिंह मुण्डा, मरियम गाड़ी, महादेव मुण्डा, माधो कच्छप, जिला उपाध्यक्ष सुनील उरांव, सोमरा स्वांसी, विकास पाण्डेय, रंजीत कुमार, सुमन कुमार, जयराम तिर्की, मदन टोप्पो, मंगल मुण्डा, खुदीया कच्छप, विनोद लोहरा, पंचु तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

## लापता युवक का शव नदी से बरामद

**रातू।** पुलिस ने बुधवार की शाम चितरकोटा बड़का टोली निवासी स्व नेलशन खलखो का 34 वर्षीय पुत्र अमित खलखो का शव गांव से सटे नदी से बरामद किया। मानसिक रूप से विक्षिप्त अमित 1 जनवरी से लापता था। उसकी एक बच्ची भी है। पत्नी मायका में रहती है। मां भी अन्यत्र रह रही है। घर में वह अकेले रहता था। ग्रामीणों की मदद से मृतक के शव को बाहर निकाल पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया गया। मामले को लेकर थाने में यूडी केस दर्ज किया गया है। घटना की तफ्तीश की जा रही है।

# निंद्रा बैलगड़ा के घने जंगल से वन विभाग ने दो ट्रैक्टर बोटा जब्त किया

खबर मन्त्र संवाददाता

**खलारी।** मंडार बुढ़मू वन क्षेत्र के मैक्लुस्कीगंज बिट निंद्रा बैलगड़ा बॉर्डर के सिंदूर टिपवा के घने जंगल से वन विभाग के द्वारा दो ट्रैक्टर बोटा जप्त किया गया। जानकारी के अनुसार मैक्लुस्कीगंज रेंज के निंद्रा बॉडर बैलगड़ा अथवा कोंनका ग्राम के सीमांत सिंदूर टिपवा के घने जंगल से वनमाफियाओ के द्वारा अवैध रूप से लकड़ी काट कर तस्करी करना जारी है। लगातार वन से वेशकीमती लकड़ी काट कर ट्रैक्टर व ट्रक के माध्यम से रातों रात अन्यत्र जगह भेज कर बेचा जा रहा है। जंगल से अवैध रूप से लकड़ी काटने की सूचना फॉरेस्ट विभाग को मिली तो उक्त जगह पहुँचकर सखुआ पेड़ का लगभग 18 बोटा जप्त कर मैक्लुस्कीगंज के फॉरेस्ट गार्ड ऑफिस लाया गया। इस संबंध में वनपाल प्रभार के प्रभारी अश्फाक अंसारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सखुआ का 18 बोटा जप्त किया गया। वही बोटा तस्कर सोनू मुंडा पर वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अभियान में वन कर्मी सुनील एक्का,चालक मजलूम अंसारी, वन समिति के अध्यक्ष रामलाल गंझू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

# हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

**मांडर/चान्हो।** विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को मांडर प्रखंड के अम्बा टोली पंचायत और चान्हो के चोरेया पंचायत में कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजर नें अपने सम्बोधन मे कहा की विकसित भारत रथ यात्रा के माध्यम से केंद्र प्रायोजित योजनाओं की जानकारी गरीबों तक पहुंचाना एवं उसका लाभ उनको दिलाना है। साथ ही भारत को 2047 तक विकसित भारत की श्रेणी में लाकर गरीब मुक्त भारत का निर्माण करना है। स्वास्थ विभाग के प्रतिनिधि ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। आयुष्मान कार्ड आदि की जानकारी दी। इस दौरान लाभुकों ने अपना अनुभव भी साझा किए। उज्ज्वला योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग उपस्थित होकर योजनाओ की जानकारी ली। मौके पर चान्हो अंचलाधिकारी संजीव कुमार, मांडर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार, जिला परिषद् सदस्या विनोदित तिग्गा, रामबालक ठाकुर, पंचायत सेवक सैहून कछप, रहमान अंसारी, मुखिया संतोष कच्छप, बिरसा पाहन, मुखिया रेखा सांगा समेत अन्य मौजूद थे।

## चान्हो का ड्राइवर संघ भी हिट एंड रन कानून के विरोध में

**चान्हो।** बुधवार को प्रखंड के ऑटो ड्राइवरों ने नए हिट एंड रन कानून के विरोध में हड़ताल के समर्थन में उतरे। झारखंड ऑटो यूनियनों के द्वारा एक दिवसीय हड़ताल में चान्हो के ऑटो ड्राईवर भी शामिल हुए। ऑटो ड्राइवरों ने मोटर व्हीकल एक्ट 2023 का विरोध किया।

# सावित्री बाई फुले व जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर ज्ञान निकेतन केंद्र का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

**खलारी।** विश्व की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले व आदिवासी चिंतक जयपाल सिंह मुंडा के जयंती के उपलक्ष्य में सम्यक ज्ञान निकेतन केंद्र का उद्घाटन बुकबुका लाला धौड़ा में किया गया। इस समारोह का अध्यक्षता मनोज भुईया व संचालन गणेश भुइंया ने किया। ज्ञान केंद्र उदघाटन समारोह में मुख्यतिथि डॉ अमर चौधरी व विशिष्ठ अतिथि श्याम सुंदर सिंह, बिगन सिंह भोगता, इंदिरा देवी, सरस्वती देवी, सरिता देवी इकबाल हुसैन, प्रेम कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे। ज्ञान केंद्र का उदघाटन में आये मुख्यतिथि श्री चौधरी ने कहा कि खलारी प्रखंड में शैक्षणिक विकास कर खलारी से आईपीएस, डॉक्टर, आईएएस, कलेक्टर जैसे उच्च कोटी का नागरिक बनाना हम सबों की नैतिक जिम्मेवारी है।


**सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड**
एक मिनीरत्न कम्पनी
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी)

**सूचना**

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियो द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in** / संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, **www.centralcoalfields.in**) सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती है।

**कार्यालय उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची**
**(समाज कल्याण शाखा),(जिला बाल संरक्षण इकाई)**

**आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राँची जिले के अन्तर्गत संचालित **"बाल देखरेख संस्थान"** (सम्प्रेक्षण गृह, बालगृह, खुला आश्रय गृह), दत्तक ग्रहण संस्था अथवा अनाथालय जो 18 वर्ष से कम उम्र के बालक/बालिकाओं को संवासित कर उनकी देखरेख करते है तथा उसका संचालन सरकारी/गैर सरकारी संस्था (NGO) अथवा किसी अन्य स्तर से किया जाता है तो ऐसे संस्थान का निबंधन किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा–41(1) के तहत किया जाना अनिवार्य है। जिले में वैसे संस्थान जो बगैर निबंधन के संचालित है सूचना के प्रकाशन से पन्द्रह दिनों के अन्दर संलग्न विहित प्रपत्र में सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, समाहरणालय भवन, ब्लॉक–बी, कमरा संख्या–111, राँची के पते पर संस्थान के निबंधन हेतु आवेदन दे सकते है अन्य किसी प्रकार की जानकारी एवं सूचना हेतु दुरभाष संख्या–6513505516 पर कार्यदिवस के कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

निबंधन हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि के पश्चात् जाँच के क्रम में यदि अनिबंधित **"बाल देखरेख संस्थान"** (सम्प्रेक्षण गृह, बालगृह, खुला आश्रय गृह), दत्तक ग्रहण संस्था अथवा अनाथालय जो 18 वर्ष से कम उम्र के बालक/बालिकाओं को संवासित कर उनकी देखरेख करते है का संचालन सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था (NGO) अथवा किसी अन्य स्तर से होना पाया जाता है तो ऐसे संस्थानों के संचालकों के विरूद्ध किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा–42, भारतीय दण्ड संहिता की सुसंगत धाराओं एवं किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) आदर्श नियमावली में वर्णित प्रावधानों के तहत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

विस्तृत सूचना एवं प्रपत्र जिले के वेबसाईड https://ranchi.nic.in/ पर देखी जा सकती है।

जि०बा०सं०पदा० राँची। | जि०स०क०पदा० राँची। | उप विकास आयुक्त राँची। | उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी राँची।

PR 315023 Social Welfare,Women and Child Development(23-24)#D

**कार्यालय, जिला परिषद्, कोडरमा**

**अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 01/2023–24**

जिला परिषद की स्व–आय से निम्न स्वीकृत क्रमांक– 01 में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में (निविदा की शर्त–1 के अनुसार) निबंधित संवेदकों से $F_2$ प्रपत्र पर मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. विज्ञापन दाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद्, कोडरमा।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–16.01.2024 एवं 17.01.2024 (कार्यालय कार्य दिवस एवं समयावधि तक)
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक–18.01.2024 (अपराह्न 3:00 बजे तक)
4. निविदा खुलने की तिथि :– दिनांक–18.01.2024 (अपराह्न 04:00 बजे)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– जिला परिषद् कार्यालय, डी0आर0डी0ए0 भवन, कोडरमा।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– डी0आर0डी0ए0 सभागार, कोडरमा।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

| क्र0 सं0 | प्रखण्ड का नाम | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रूपये में) | अग्रधन की राशि (रूपये में) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | कोडरमा | **Construction of Boundary Wall at Meghatari** (Under the Scheme of Construction of Bus Stand and Expansion of Civic facilities at Meghatari, Koderma) | 2499403.00 | 50000.00 | 5000 | 3 माह |

निविदा की शर्तें www.koderma.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखें।

PR 314995 Panchayati Raj (23-24)_D

जिला अभियंता, जिला परिषद्, कोडरमा

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची**

**अति अल्पकालीन ई–पर्नुनिविदा आमंत्रण सूचना**
(PR 309611 REO(23-24)D)

पत्रांकः– दिनांकः–

**अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा संख्याः– 12/RE/2023-24/RWD /EE/RANCHI**

| क्रम सं0 | आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में | अक्षर में | कार्य समाप्ति की तिथि/ अवधि | टेण्डर कॉल नं0 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | RWD/RANCHI/ 20/ STPKG/03/ 2023-24 | कथालीजारा से मसारीजारा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–3.200 कि0मी0)<br>जरगा से अम्बाझरिया तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–9.100 कि0मी0)<br>चतरा सताकी से बानपुर तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–3.500 कि0मी0)<br>मंझिलाटोला से तुरूप तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–4.650 कि0मी0) | 13,05,68,000.00 | तेरह करोड़ पाँच लाख अड़सठ हजार रूपये मात्र। | 9 माह | द्वितीय |

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः–**08.01.2024**
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः–**18.01.2024** अपराह्न 5.00 बजेतक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–**20.01.2024** अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2360137

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, राँची

PR 314976 (REO) 23-24 (D)

**रॉंची समाहरणालय, रॉंची**
**(समाज कल्याण शाखा)**
**(जिला बाल संरक्षण इकाई)**

**गुमशुदा बालक की सूचना**
**(बाल कल्याण समिति, रांची के आदेशानुसार)**

. नाम– मनी कुमारी (काल्पनिक नाम)
. लिंग– बालिका
. पिता का नाम– अज्ञात
. माता का नाम– अज्ञात
. पता– अज्ञात
. उम्र – 14 वर्ष (लगभग)
. रंग – सांवला

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाल कल्याण समिति, राँची के आदेशानुसार प्रेमाश्रय (बालिका गृह) राँची में एक बालिका आवासित है। जिसके जैविक एवं विधिक संरक्षक का पता लगाने हेतु राज्य स्तरीय एवं स्थानीय अखबार में विज्ञापन प्रकाशित की गयी है। उक्त बालिका के जैविक एवं विधिक संरक्षक का विज्ञापन प्रकाशन के 120 दिनों (चार माह) तक कोई दावा प्रस्तुत नहीं होने पर दत्तक ग्रहण मार्गदर्शिका 2017 के नियम, 6 के उपनियम, 13 के अन्तर्गत बालिका को दत्तक ग्रहण हेतु बाल कल्याण समिति, राँची द्वारा कानुनी रूप से मुक्त किया जा सकेगा।

दावा प्रस्तुत करने का पता एवं संपर्क नम्बर–
1. बाल कल्याण समिति, राँची
राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी,
कमरा संख्या–110
2. जिला बाल संरक्षण इकाई, राँची।
राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी,
कमरा संख्या–111
सम्पर्क नम्बर–6513505516

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, राँची | जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, राँची

PR 315012 Social Welfare,Women and Child Development(23-24).D

**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MINOR IRRIGATION DIVISION, KODERMA**

**Very Short Tender**
**e-Procurement Tender Notice (3rd Call)**

Tender Reference No: - WRD/MID/KODERMA/F2-26/2023-24 Letter no-Date: - 03.01.2024

**Details of Works:-**

| SL. No. | Scheme Name | Estimated Cost (In Lakh) | Time of Completion |
|---|---|---|---|
| 1. | Construction of Check Dam on Basdharwa Nala, Village-Basdharwa, Panchayat-Lokai, Block-Koderma | 50.178 | 11 Months |

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Date of Publication of e-Tender on Website | 09.01.2024 at 3:00 P.M |
| 2. | Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online | 13.01.2024 up to 5:00 P.M |
| 3. | Last Date for Online Submission of Tender Fee and EMD | 13.01.2024 up to 5:00 P.M |
| 4. | Date of opening of e-Tender | 16.01.2024 at 3:00 P.M |
| 5. | Name & address of office inviting tender | Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Koderma |
| 6. | Contact no. of e-Procurement officer | 9939193214 |
| 7. | E-mail of e-Procurement office | eemidkod-cemr-jhr@nic.in |

**Note: - 1) Only e-Tender will be accepted.**
**2) Published Estimated Cost May be Increased or Decreased.**
**3) Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD Through** http://jharkhandtenders.gov.in

**Executive Engineer, Minor Irrigation Division,Koderma.**

PR 315007 (Minor Irrigation)23-24*D

खबर मन्त्र

रांची. गुरुवार 04 जनवरी 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

# उम्मीद की एनर्जी

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की इकाई अडाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर वन लिमिटेड ने राजस्थान के जैसलमेर में 390 मेगावॉट के पवन एवं सौर हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र का परिचालन शुरू कर दिया है। देश की एनर्जी क्षेत्र में यह एक मील का पत्थर साबित होगा। सबसे बड़ी बात है कि यह एनर्जी कोयला से उत्पन्न एनर्जी से सस्ती है और स्वच्छ भी। आने वाले दिनों में इसी एनर्जी की मांग पूरे देश में होने वाली है। जिस प्रकार के पर्यावरणीय समस्या देश ओर दुनिया में आ रहे हैं ऐसे में इस प्रकार की हाईब्रिड एनर्जी की मांग लगातार बढ़ रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि यह भारत का पहला पवन-सौर हाइब्रिड ऊर्जा उत्पादन संयंत्र है। हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र में सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन का मेल होता है जो इसे नवीकरणीय ऊर्जा का पूरा लाभ उठाने के लायक बनाता है। कंपनी के मुताबिक ऊर्जा की बढ़ती मांग के लिए यह अधिक भरोसेमंद समाधान देगा। एजीईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनीत एस जैन ने कहा, पवन और सौर ऊर्जा का मिश्रण हमारी कारोबारी रणनीति का अहम पहलू है जिसका उद्देश्य हरित ऊर्जा के लिए भारत की बढ़ती जरूरत पूरी करना है। इस हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र का परिचालन शुरू होना भारत के टिकाऊ ऊर्जा लक्ष्यों को पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान के मुताबिक, नए ऊर्जा संयंत्र के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) के साथ 2.69 प्रति किलोवॉट की शुल्क दर से ऊर्जा खरीद समझौता किया गया है जो राष्ट्रीय स्तर पर औसत ऊर्जा खरीद शुल्क (एपीपीसी) से काफी कम है। इस संयंत्र से परिचालन शुरू होने के साथ ही एजीईएल की परिचालन क्षमता बढ़कर 5.8 गीगावॉट हो गई है। निश्चित ही इस प्रकार की एनर्जी से देश को बड़ा लाभ होने वाला है।

# शेयर बाजार में सुधार

यह बात अपनी जगह है कि पिछले 28 वर्षों के दौरान शेयर ब्रोकिंग कारोबार के लिए कायदे-कानून काफी कड़े हो गए हैं मगर गलत सलाह, भरोसे का अभाव, अक्षमता और फजीर्वाड़े की बात आए दिन देखने को मिलती रहती है। शेयर ब्रोकरों को निवेशकों की तरफ से केवल लेनदेन का क्रियान्वयन करना चाहिए मगर इस गतिविधि पर उन्होंने अपना पूरा दबदबा बनाया लिया है। उन्हें निवेशकों को सलाह देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि सेबी ने इसके लिए दो मध्यस्थों के प्रावधान किए हैं। इस कदम से सलाहकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। हालांकि इसके बाद भी यह उलझन दूर नहीं होती है कि खरीदारी या बिकवाली की सलाह के लिहाज से आरए और आईए की भूमिका में अंतर कैसे करें। इसका ऐसे कई मामले सामने आए हैं मगर अफसोस की बात है कि ब्रोकरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। बड़ा प्रश्न है कि क्या किया जा सकता है? अब हम मूल सिद्धांतों की ओर लौटते हैं। निवेशक आम तौर पर खरीद-बिक्री की सलाह की खोज में रहते हैं। ब्रोकर, आरए और आईए में सलाह देने की सबसे अच्छी स्थिति में कौन है? सेबी की स्थापना होने तक बाजार में मध्यस्थ के रूप में केवल शेयर ब्रोकर ही थे और वे कई कार्य किया करते थे। इसके बाद अलग-अलग बाजारों और मध्यस्थों की गतिविधियों के लिए अलग-अलग दिशानिर्देश आए। भी समाधान एक सरल सिद्धांत से पाया जा सकता है। शेयर बाजार 72 हजार के सूचकांक को छूकर एक कीर्तिमान बना चुका है। कंपनियों की स्थिति औरउनकी बाजार में सूचीबद्ध दरों में जिस प्रकार का उतार चढ़ाव दिख रहा है उससे संदेश होना स्वाभाविक है। उनकी भूमिकाओं के बीच में स्पष्ट विभाजन है मगर खुदरा निवेशकों को सलाह देने के कारोबार पर दोबारा विचार करने की जरूरत है।

# मोदी सरकार की सफलता के कारक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता के गलियारे से परिक्रमा संस्कृति खत्म कर परिश्रम और परिणाम को प्रामाणिक बनाया। 9 साल में गलियारे में दशकों से परिक्रमा को ही पराक्रम समझने वाले, परिश्रम और परिणाम की कार्य संस्कृति के चलते हाशिये पर चले गए हैं। इसी परिणामी मंतरह्व ने सत्ता के गलियारे से सत्ता के दलालों को छू-मंतर किया। 2014 से पहले एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री को छोड़ने जाना-लेने जाना, मंत्रिमंडल के सदस्यों का कर्मकांड माना जाता था, दशकों की यह व्यवस्था खत्म हुई, लाल बत्ती सरकार की धमक-धाक का हिस्सा थी, सामंती गुरुर वाली लाल बत्ती इतिहास का हिस्सा बन गई। सांसदों को सब्सिडी जन्मसिद्ध अधिकार लगता था, एक झटके में खत्म हुई। मंत्री-सांसद ना रहने के बावजूद कुछ लोगों को सरकारी बंगलों पर कब्जा रखना संवैधानिक अधिकार लगता था, उसे खत्म किया। मंत्रालयों को मार्च से पहले बजट को उल-जुलूल तरीके से खत्म करना सरकार की प्राथमिकता थी, जिसके चलते उपयुक्त खर्च का प्रयास नहीं होता था, यह काम चलाऊ, दकियानूसी व्यवस्था खत्म हुई। प्रधानमंत्री, मंत्रियों, अधिकारियों के एक दिन के विदेशी दौरे के काम के लिए दस दिन सैर सपाटे और करोड़ों खर्च करने की व्यवस्था को खत्म किया, खुद प्रधानमंत्री स्वयं के दौरों पर, केवल काम की सफर सीमा बांध कर, पूरी सरकार की सोच में व्यापक परिवर्तन लाये।

सरकारें बदलती थीं, मंत्री बदलते थे पर वर्षों से मंत्रियों के निजी स्टाफ वही रहते थे, जिसका नतीजा होता था कि सत्ता के गलियारे में घूमने वाले दलाल और बिचौलिए उस निजी स्टाफ के जरिये बरकरार रहते थे, दस वर्षों से जमे निजी स्टाफ को मंत्रालय में रखने पर रोक लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेशेवर बिचौलियों के पर काट दिए।

पहले प्रधानमंत्री, सचिव और उसके नीचे के अधिकारियों से कभी संपर्क-संवाद नहीं करते थे, ग्राउंड रिपोर्ट की जानकारी से रूबरू नहीं होते थे, जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बदल कर मंत्रियों के साथ-साथ अधिकारियों से संवाद संस्कृति शुरू की, जिसके चलते नौकरशाही की जवाबदेही-जिम्मेदारी बढ़ी है, पदम श्री अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मान जो पहले केवल सियासी सिफारिशों के जरिये दिए जाते थे, आज उन लोगों को यह सम्मान दिया जा रहा है जो वास्तव में इसके हकदार





- मुख्तार नकवी

> लोगों की सेहत, सलामती के लिए 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया गया। 41 करोड़ जरूरतमंदों के बैंक खातों में 90 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा सीधे ट्रांसफर किये गए। 8 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलिंडर, 1 लाख 70 हजार करोड़ का गरीब कल्याण पैकेज, 20 करोड़ महिलाओं के जन धन खाते में 1500 रूपए, किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 19 हजार करोड़ रूपए दिए जाने जैसे प्रभावी कदम उठाये गए

हैं। यह सब बातें हो सकता है छोटी हों पर परिक्रमा के पराक्रम की जगह परिश्रम एवं परिणाम की कार्य संस्कृति को पैदा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं।

प्रत्येक भारतीय को हेल्थ आईडी देने के लिए नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन शुरू किया गया है। दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ योजना मोदी केयर ने लोगों के सेहत की गारंटी दी, हेल्थ केयर क्षेत्र में मोदी सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में कोरोना संकट के बड़े प्रभाव को कम किया जा सका। कोरोना की चुनौतियों के दौरान लोगों की सेहत, सलामती के लिए 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया गया, जो किसी भी लोकतांत्रिक देश की अद्वितीय घटना होगी। 41 करोड़ जरूरतमंदों के बैंक खातों में 90 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा सीधे ट्रांसफर किये गए। 8 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलिंडर, 1 लाख 70 हजार करोड़ का गरीब कल्याण पैकेज, 20 करोड़ महिलाओं के जन धन खाते में 1500 रूपए, किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 19 हजार करोड़ रूपए दिए जाने जैसे प्रभावी कदम उठाये गए जिसके चलते लोग इस संकट के समय विश्वास की डोर से जुड़े रहे।

वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया गया है जिसका लाभ 67 करोड़ जरूरतमंदों को होना शुरू हो गया है। मनरेगा के लिए अतिरिक्त 40 हजार करोड़ रूपए जारी किये गए हैं, किसानों को देश में कहीं भी अपनी उपज को बेचने की आजादी दी गई है, श्रमिक स्पेशल ट्रेन के जरिये 60 लाख से अधिक प्रवासियों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाया गया, स्टेट डिजास्टर रिलीफ फण्ड से प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए राज्यों को 11 हजार करोड़ रूपए दिए गए। भारत के शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली ₹नई शिक्षा नीति₹ लाई गई है जो भारत को विश्व का एजुकेशन हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 40 करोड़ से ज्यादा लोगों को जन धन योजना के तहत आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा गया है। इसी कोरोना काल में तीन दर्जन से ज्यादा बड़े आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, प्रशासनिक, व्यापारिक, श्रमिक, रक्षा, कोयला, नागरिक उड्डयन, ऊर्जा, डिस्ट्रीब्यूशन, अंतरिक्ष, फॉरेस्ट लैंड, कृषि, संचार, बैंकिंग, निवेश एवं डेरी से लेकर फेरी वालों तक की बेहतरी के लिए बड़े और महत्वपूर्ण रिफॉर्म किये गए जिसके चलते देश की अर्थव्यवस्था आपदा के बावजूद अवसर से भरपूर रही।

राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) के गठन का केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला लाखों युवाओं की मदद करने वाला एक संकल्पित कदम है। एनआरए अलग-अलग परीक्षाओं की जगह साझा पात्रता परीक्षा आयोजित करेगी और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा दक्षता लाएगी।

युवाओं को फिलहाल नौकरी के लिये कई अलग-अलग परीक्षाएं देनी पड़ती हैं। ऐसी परीक्षाओं के लिये अभी लगभग 20 भर्ती एजेंसियां हैं और परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को दूसरे स्थानों पर भी जाना पड़ता है। का निर्णय किया है।

मिशन कर्मयोगी - राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (एनपीसीएससीबी) सिविल सर्विसेज में सुधार की दिशा में मोदी सरकार द्वारा उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। इस मिशन से सिविल सेवा ना केवल भारतीय संस्कृति एवं व्यापक सुधार से भरपूर होगी बल्कि विश्वभर की श्रेष्ठ पद्धतियों को सीखते हुए मजबूत प्रशासनिक ढांचा तैयार होगा।

सभी को घर मिशन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण 1 अप्रैल 2016 को लांच की गई थी। अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में 1 करोड़ 14 लाख जरूरतमंदों को पक्का मकान मुहैया करा दिया गया है। पौने 2 लाख परिवारों का गृह-प्रवेश हाल ही में हुआ। मार्च 2022 तक लगभग 3 करोड़ जरूरतमंदों को पक्का मकान उपलब्ध कराया जायेगा।

## खास बात

### नॉर्थ-साउथ का संगम है बेव सीरिज अखाड़ा

बड़े पर्दे की पंजाबी फिल्म रॉकी मेंटल फेम युवा लेखक संजय सैनी अब अखाड़ा के लिए तैयार हैं। दरअसल अब वह पहलवानों की जिंदगी के बारे में अखाड़ा नाम से वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं जो जल्द ही स्टेज एप पर दिखेगी। इस वेब सीरिज में संजय ने हरियाणा के पहलवानों की जिंदगी और उनके संघर्ष के बारे में कहानी लिखी है। जो पहलवानों की जिंदगी के साथ-साथ तमाम पहलुओं को समेटे हुए है। हरियाणा के जिला जींद के किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले संजय ने चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज में विज्ञान संकाय से बीएससी, एमएससी की पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने फिल्म लेखन में हाथ में भी हाथ आजमाया। उन्होंने रॉकी मेंटल फिल्म लिखी जिसे खूब सराहा गया। संजय कहते हैं, ह्यजीवन भी एक अखाड़े की तरह है। हार हो या जीत लेकिन निरंतर आपको कुश्ती जारी रखनी चाहिए।ह्न संजय संजू सैनी अभी भी हरियाणा के जींद की चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर कर रहे हैं। बिरौली गांव के राइटर\डायरेक्टर संजय सैनी ने मनोविज्ञान और शारीरिक विकास का मजबूत संबंध बताते हुए कहा कि खेल में हर दौर आता है जिसमें हार और जीत लगी रहती है जिसके कारण खेल शरीर के साथ-साथ हार और जीत सहन करने की शक्ति भी प्रदान करते हैं। उनकी फिल्म रॉकी मेंटल भी खेल पर ही आधारित थी और पंजाब में फिल्म ने अच्छी खासी लोकप्रियता बटोरी थी। अब उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के विभिन्न गांवों और छोटे कस्बों में इस पर शोध करके कुश्ती पर वेब सीरिज अखाड़ा लिखी है जो रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। आने वाली जून महीने में वेब सीरिज दर्शकों के बीच में आ सकती है। उनका कहना है कि जो सितारे चमक जाते हैं वो सबको दिख जाते हैं लेकिन धुंधले सितारों का भी वजूद होता है ठीक उसी तरह पहलवान जो चमकने से रह जाते हैं उनका क्या होता है उसी पर केंद्रित है ये वेब सीरिज अखाड़ा।

# ज्ञान का अहंकार

## धर्म-प्रवाह

**साध्वी मनीषा**

**अहंकार** चाहे किसी भी चीज का हो पतन का मूल है। इसे एक कहानी के माध्यम से इस प्रकार समझें। एक सज्जन देश-विदेश में अध्ययन कर पूरे संसार की जानकारियों से भरी डिग्रियों की पोटली अपनी खोपड़ी में रखकर अपने देश लौटा। वह सबके पास इस बात की शेखी बघारने लगा कि उससे अधिक ज्ञानी-विद्वान और कोई नहीं। उसके पास कोई भी व्यक्ति जाता, वह उससे प्रश्न किया करता कि क्या उसने उससे बढ़कर कोई ज्ञानी देखा है? बात भगवान बुद्ध के कानों तक जा पहुंची। उन्होंने इस ज्ञानी सज्जन से मिलने का निश्चय किया। ज्ञानी सज्जन ने उन्हें आते देखा तो पूछा : तुम कौन हो तपस्वी? बुद्धदेव ने जवाब दिया: अपनी देह और मन पर जिसका पूर्ण अधिकार है। मैं ऐसा एक तुच्छ मनुष्य हूं। अहंकारी बोला : फिर से भली-भांति स्पष्ट करो। मेरी तो कुछ समझ नहीं आया। बुद्धदेव बोले : जिस तरह कुम्हार घड़े बनाता है, नाविक नौकाएं चलाता है, धनुधारी बाण चलाता है, गायक गीत गाता है, वादक वाद्य बजाता है और विद्वान वाद-विवाद में भाग लेता है, उसी तरह ज्ञानी पुरुष स्वयं पर ही शासन करता है। ज्ञानी पुरुष भला स्वयं पर कैसे शासन करता है? अहंकारी ने पुनः प्रश्न किया। बुद्धदेव शालीनता से बोले : लोगों द्वारा स्तुति-सुमनों की वर्षा किए जाने पर अथवा निंदा के अंगार बरसाने पर भी ज्ञानी पुरुष के भीतर से शांति की खुशबू चारों तरफ फैलती है। उसके हृदय का भाव सदाचार, दया, विश्व-प्रेम और शांति पर ही केंद्रित रहता है।

**हर** शिष्य 'सिख' है। जो भी गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धावनत है, वह अपने आप में एक 'सिख' है...

लेकिन मुगल सल्तनत के हुक्मरानों के घरों में कोई दीपक जलाने वाला नहीं है...

**- आदित्यनाथ योगी**

## रोचक ट्वीट

अरब सागर और लाल सागर में, हाल में हुए हमलों को भारत सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है।

हमें अपने ह्यलहरों के पहरेदारोंह्न की काबिलियत और ताकत पर पूरा भरोसा है।

**- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री**

साल 2047 का विकसित भारत कैसा होगा, उस बड़े कैनवस पर बड़ी तस्वीर हमारे युवाओं को ही बनानी है। सरकार, एक दोस्त के रूप में आपके साथ मजबूती से खड़ी हुई है

**- नरेन्द्र मोदी, पीएम**

# लोकतंत्र के मंदिर में पुन: स्थापित हो संसदीय गरिमा

**राजेश रामचंद्रन**

**संसद** के वर्तमान शीतकालीन सत्र की समाप्ति मुख्य पुजारी की बाहर बैठकर धूप सेंकने, अध्यक्षता करते माननीय अर्थात राज्य सभा अध्यक्ष, जो कि देश के उप-राष्ट्रपति भी हैं, की नकल करने से हुई। जब आप धूप सेंक रहे हों एवं करने को कुछ और न हो, और मोबाइल फोन पास हो, तो सेल्फी लेने या एक-दूजे की चुहलबाजी और अभिनय की रिकॉर्डिंग के अलावा और क्या काम। तथापि, एकल-पार्टी-आधिपत्य वाली सरकार के मानकों के मुताबिक भी, 146 विपक्षी सांसदों की बर्खास्तगी संसदीय बहस की रिवायत को बहुत बड़ा आघात है। यदि संसद का मतलब केवल सरकारी कामकाज चलाना और नए कानून पारित करने के पहले विपक्षियों को निकाल बाहर करना ताकि पीछे बचें, बेंच बजाकर समर्थन करने वाले सत्ता पक्ष के सदस्य, तो क्या यह मंजर हमारे लोकतंत्र के लिए सही है? फिर किस मुंह से विदेशी प्रेस और विदेशी धन प्राप्त टिप्पणीकारों को दोष दे सकते हैं, जब वे मेड इन इंडिया पार्लियामेंट 2.0 को एक ढकोसला करार देते हैं? विपक्ष के कटाक्ष और टोटा-टाकी, शब्द-वाण, वॉक-आउट और कार्रवाई स्थगन, यह सब कानून बनाने की प्रक्रिया को वैधता प्रदान करते हैं। जब कभी कोई कानून तीखी बहसों, एतराजों के बाद अंततः पारित होता है, तो उससे देश की वैधानिक गांभीर्य जुड़ जाता है। बेशक कानून बनाने वाली संसद अब नए भवन में है, लेकिन कानून-निर्माण की नई प्रक्रिया को अधिक दक्ष

## सामयिक

बनाने और वर्तमान चलन के नाम पर इसकी लोकतांत्रिक भावना की भव्यता नहीं छीन सकती, जो कि इसकी काबिलियत है।

वैसे भी हमने देख लिया कि कैसे नए भवन की सुरक्षा व्यवस्था, एक घुसपैठिए को जूते के तले में स्मोक-कैनिस्टर छिपाकर लाने और फिर दर्शकदीर्घा से सदन में छलांग लगाने से रोकने में अक्षम सिद्ध हुई है। यह हमारे लोकतंत्र के गर्भ-गृह पर हमला था। यह लेखक 13 दिसम्बर, 2001 के दिन संसद भवन में मौजूद था, जब आतंकी हमला हुआ। भीषण मुठभेड़ में सभी हमलावरों को मार गिराने के बाद, जिसमें हमारे आठ वीर जवान और एक आम नागरिक शहीद हुए, तत्कालीन गृह मंत्री एलके आडवाणी और कानून मंत्री अरुण जेतली ने स्थिति का जायजा लेने के लिए परिसर का चक्कर लगाया था और तब सुरक्षा में सेंध को लेकर उनसे की गई जवाबतलबी याद आ रही है।

इस पर आडवाणी ने 18 दिसम्बर, 2001 को लोकसभा में वक्तव्य दिया था आडवाणी ने अपने बयान में भारतीय संसद पर हमले का इल्जाम देश के भितरघातियों और पाकिस्तान बैठे योजनाकारों पर लगाया। इस बार भी, विपक्ष ने उसी प्रकार बयान की मांग की थी। बेशक यहां पर दोनों हमलों के बीच सीधी तुलना नहीं हो सकती क्योंकि जहां एक में संसद परिसर के अंदर पांच आतंकी मारे गए थे वहीं दूसरे प्रसंग में घुसपैठिए ने केवल स्मोक कैनिस्टर का उपयोग किया है। यदि इसे पुनरावृत्ति ही कहा जाए तो इतिहास प्रतीक-प्रहसन के रूप में दोहराया गया।

लेकिन फिर यह भी हो सकता है कि स्मोक कैनिस्टर में मारक गैस होती, जिससे देश के शीर्षस्थ नेतृत्व की सुरक्षा को एकमुश्त गंभीर खतरा बन सकता था। यह सोचना भयावह है लेकिन सरकार द्वारा इस विषय पर विश्वास स्थापना विमर्श करवाए बिना, इस कयास को खारिज नहीं किया जा सकता। विपक्ष द्वारा सुरक्षा चूक पर विस्तृत जानकारी और संभावित सुधारक उपायों पर चर्चा की मांग करना जायज है। संसद उनकी भी उतनी ही है। इसकी बजाय, उन सांसदों को एक के बाद एक कर निलंबित कर दिया गया।

## कार्टून वर्ल्ड

**युद्ध में बच्चों की हत्या**




## लेटर टू एडिटर

### हिंदी को जानें

**हिंदी** शब्द संस्कृत के सिंधु शब्द का अपभ्रंश माना जाता है। हिंदी का इतिहास वैसे तो करीब 1 हजार साल पुराना बताया जाता है, लेकिन बदलते वक्त में हिंदी भाषा बाजार की जरूरत बन चुकी है। देश का करीब 60 फीसदी बाजार हिंदी बोलने वालों का है। हर कंपनी के विज्ञापन का आधार सिर्फ और सिर्फ हिंदी है। यह बात हिंदी के महत्व को सिद्ध करती है।

**- अमित, गढ़वा**

### कोरोना में धनवर्षा

**रिलायंस** इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इक्विटी कैपिटल से 33 बिलियन डॉलर की धन राशि जुटाई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने निवेशकों की धनराशि को भी दोगुने से भी अधिक कर दिया है। यह एक ओर चौकाने वाली बात है वहीं दूसरी ओर कोरोना काल में इस आर्थिक विकास से एक उम्मीद की किरण भी जगती है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही है।

**- विवेक, हजारीबाग**

# सुरंग में फंसी जिंदगी पर लापरवाही की रिपोर्ट आयी

**उत्तरकाशी** में सिलक्यारा सुरंग हादसे की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। जिसमें प्रारंभिक तौर पर कई खामियों और कमियों का जिक्र किया गया है। इन गड़बड़ियों के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा, और सजा का निर्धारण कैसे होगा, ये तो बाद के सवाल हैं। लेकिन अभी ये देखकर आश्चर्य हो रहा है कि इस सुरंग में काम फिर से शुरू हो गया है।

23 दिसंबर को प्रकाशित द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार इस बार सुरंग के दूसरे छोर यानी बड़कोट की ओर काम शुरू हुआ है। करीब 40 मजदूरों ने सुरंग पर काम शुरू कर दिया है और बीते 21 दिसंबर की सुबह ऑगर मशीन, स्लरी मशीन और बैकहोज समेत भारी उपकरण काम पर लगाए गए थे। इस खबर से एक बात फिर तय हो गई कि भारतीय समाज की स्मरण शक्ति बेहद कमजोर हो चुकी है। इसके साथ ही एक समाज के तौर पर हम इतने आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं कि हमें न इंसानों की, न पशु-पक्षियों की, न प्रकृति की सुध लेने की फिक्र है।

इसी तरह उत्तराखंड हादसे के बाद भी अफसोस का कोई लक्षण दिखाई नहीं दिया, बल्कि चारधाम यात्रा के लिए ऑल वैदर रोड को विकास की नयी मिसाल के तौर पर पेश किया गया। 41 मजदूरों की जान 17 दिन तक अंधेरी सुरंग में फंसी रही, अब फिर उसी सुरंग पर काम शुरू हो गया है।

गौरतलब है कि पिछले महीने नवंबर में दीपावली के दिन उत्तरकाशी के सिलक्यारा से

## समस्या

बड़कोट के बीच बन रही सुरंग में 41 मजदूरों के फंसने की खबर सामने आई थी। पूरे 17 दिनों तक सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने की कोशिश होती रही। विदेशों से विशेषज्ञ बुलाए गए, मशीनें बुलाई गईं। सुरंग के भीतर जाने के कई तरीके आजमाए गए। बाहर की दुनिया से संपर्क और भोजन की बदौलत फंसे हुए मजदूरों का हौसला बना रहा। फोरमैन गब्बर सिंह नेगी ने 17 दिनों तक अपने साथी मजदूरों को जिस तरह हिम्मत बंधाई, उन्हें निराश नहीं होने दिया, वह एक मिसाल ही है। प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता के गुर किताबों के बाहर असल जीवन के ऐसे उदाहरणों से भी लिए जा सकते हैं। बहरहाल, फंसे हुए मजदूरों को निकालने में पूरी जद्दोजहद के बाद आखिरकार रैट माइनर्स की मदद से सुरंग के भीतर पहुंचने में सफलता मिली। 12 रैट माइनर्स ने जान जोखिम में डालकर हाथों से मलबे को बाहर निकालने का काम किया। जो काम महंगी मशीनों से नहीं हुआ, उसे इंसानी हाथों और हौसलों ने पूरा कर दिखाया। लेकिन इन रैट माइनर्स को 17 लोगों की जान बचाने के एवज में उत्तराखंड सरकार ने 50-50 हजार का इनामी चेक थमा दिया। जिसे रैट माइनर्स ने सरकार को यह कहते हुए वापस कर दिया है कि यह राशि उनके द्वारा उठाए गए जोखिम की भरपाई नहीं करती है।

कायदे से इन्हें समाज और सरकार की ओर से सम्मानित किया जाना चाहिए। मगर गरीबों के लिए शायद यही पैमाना है कि उन्हें छोटा-मोटा इनाम देकर विदा कर दिया जाए। यही पैमाना पीड़ित मजदूरों के लिए भी है, इसलिए जिन लोगों के कारण 41 लोगों की जिंदगी दांव पर लगी रही, उन्हें किस तरह दंडित किया जाएगा, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि शीयर जोन के हिसाब से परियोजना का गलत अलाइनमेंट किया गया। शियर जोन स्थानीय दबाव के कारण बने विकृत, कमजोर और पतली चट्टानों के बारे में बताता है। ऐसे इलाकों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। लेकिन सिलक्यारा में शियर जोन को लेकर लापरवाही हुई।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

# भारतमाला के भू-अर्जन का जल्द करें भुगतान : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

**रामगढ़।** उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में विभिन्न परियोजनाओं में भू अर्जन को लेकर हुई बैठक। उपायुक्त ने भारतमाला परियोजना के तहत भू -अर्जन के जल्द से जल्द मुआवजे का भुगतान करने का निर्देश दिया। डीसी ने मुआवजे के भुगतान में आ रही समस्याओं को लेकर न्यायालय में इंटरप्लेडर शूट फाइल करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संबंधित अंचल अधिकारियों को एनएचएआई के अधिकारियों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा आयोजित कर मुआवजे भुगतान में वंशावली सहित अन्य समस्याओं का समाधान

**एनएचएआइ के अधिकारियों के साथ सीओ करें ग्रामसभा**

सुनिश्चित करने एवं इससे संबंधित प्रतिवेदन जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

पथ निर्माण विभाग द्वारा रामगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ललकी घाटी से मारंगमर्चा एवं ललकी घाटी से छत्तरमांडू तक बनाए जाने वाले सड़क संबंधित कार्यों में अब तक पूर्ण की गई प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त सह अपर समाहर्ता रॉबिन टोप्पो को कार्यों की विस्तृत समीक्षा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एनएचएआई सहित विभिन्न एजेंसियों के महाप्रबंधकों व प्रतिनिधियों को कार्यों में किसी भी

प्रकार की समस्या आने पर तत्काल रूप से इसकी सूचना जिला प्रशासन को देने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बरलांगा कसमार सड़क निर्माण के तहत अब तक हुए कार्यों, विभिन्न परियोजनाओं में एफ आर ए, एनएच 33 चौड़ीकरण परियोजना में भू अर्जन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त सह अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों, विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधकों/ प्रतिनिधियों सहित अन्य उपस्थित थे।

## स्पीड न्यूज

### डीसी ने सुनी जनता की समस्याएं

**रामगढ़।** उपायुक्त चंदन कुमार ने बुधवार को कार्यालय में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि, मुआवजा राशि, रोजगार, विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं के लाभ सहित अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया । जिसके उपरांत उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

### पूर्व प्राचार्य की मां के निधन पर शोक

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. आरके दास की माता के निधन पर बुधवार को जुबिली कॉलेज में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा में कॉलेज के शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी व छात्र-छात्राओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की।प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी ने बताया कि 1 जनवरी को जुबिली कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. आरके दास की माता का निधन हो गया था। दिवंगत माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालो में प्रो. प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी, डॉ. एकेएस झा,सुरेश सिंह, कुंदन झा सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल थे।

### आजसू उपाध्यक्ष ने प्राचार्य को दी बधाई

**कुजू।** डीएवी स्कूल आरा के नव पदास्थापित प्राचार्य आलोक कुमार से आजसू जिला उपाध्यक्ष जयकिशोर महतो ने औपचारिक मुलाकात कर नव वर्ष व प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण पर बधाई दी। मौके पर उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा एवम खेल के बारे में चर्चा की। प्राचार्य ने भी बच्चों के शिक्षा को लेकर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

### मकर संक्रांति को लेकर बैठक

**कुजू।** चरण पहाड़ी चैतन्य महाप्रभु मंदिर परिसर में शुक्रवार को समिति सदस्यों की एक आवश्यक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मंदिर के पुजारी बाबा प्रेमदास और संचालन पन्नालाल मुर्मू ने किया। बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चरण पहाड़ी में मकर संक्रांति एवं भव्य टुसू मेला का आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही 14 जनवरी एवं 15 जनवरी को मकर संक्रांति को लेकर चैतन्य महाप्रभु की पुजा विधि विधान के साथ टुसू मेला लगेगा। बैठक में मेला समिति के अध्यक्ष हेमंत सिंह, सचिव तेजनाथ महतो, कोषाध्यक्ष पन्नालाल मुर्मू, संरक्षक अशोक महतो, श्याम सिंह, सदस्य संजय सिंह, हीरा लाल मुर्मू, मुकेश महतो, प्रदीप सिंह, राजलक्ष्मी देवी, संजय मरांडी, मनोज भुइयां, महेन्द्र बडाईक, कामेश्वर प्रसाद, मुकेश मुर्मू, मनीष कुमार,कैलाश ऋषि,तिवारी बाबा, मुनेश्वर मुंडा आदि मौजूद थे।

### कुंदरू कलां में दिखा दुर्लभ पक्षी

**रजरप्पा।** नया साल पक्षी प्रेमियों के लिए काफी सुखद रहा। झारखंड के बर्डमैन के नाम से विख्यात पन्नालाल महतो ने घर के सामने के वेटलैंड में दो वुल्ली नेक्ड स्टोर्क पक्षी को देखा। बर्डमैन ने बताया कि वह पल काफी उत्साहित और रोमांचित करने वाला था क्योकि इस क्षेत्र मे इन पक्षियों को पहली बार देखा गया था। बर्डमैन ने इस बेहद खास पल को कैमरे मे कैद किया एवं मित्र रमेश स्नेकसेवर, सुनिल कुमार और निरज पाठक जो इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित पर्यावरण संरक्षक एवं वन्यजीव फोटोग्राफर्स हैं उन्हें भी आमंत्रित किया। वुल्ली नेक्ड स्टोर्क पंक्षी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र मे भारत से लेकर दक्षिण पूर्व एशियाई देश इंडोनेशिया, कम्बोडिया तक पाई जाती है।

### अडाणी फॉउंडेशन के स्वास्थ्य शिविर में दो सौ से अधिक ग्रामीणों की जांच

**बड़कागांव।** गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अडाणी फॉउंडेशन की ओर से लगातार नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। अडाणी फॉउंडेशन के बैनर तले पिछले मंगल और बुधवार को सुकुलखपिया और महुगाई कला में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत दो सौ से अधिक ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गयी। डॉक्टर विजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि बड़कागांव प्रखंड के अधिकतर ग्रामीणों में एनीमिया, उच्च रक्तचाप, गठिया, पॉलीआर्थराइटिस, एक्जिमा, बुखार, सामान्य दर्द, सरदर्द, सर्दी और अन्य पोषण संबंधी कमियां लगातार मिल रही हैं। इस दौरान एसपीओ त्रिलोक कुमार झा, एएनएम संगीता देवी और ननकू प्रसाद दांगी मौजूद थे। अदाणी फॉउंडेशन की ओर से चलायी जा रही मेडिकल मोबाइल हेल्थ यूनिट बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांव में लगातार नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगा रही है, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हो रहे है। इस दौरान 39 ग्रामीणों को नि:शुल्क चश्मा प्रदान किया गया। इन सभी में नेत्र दोष पाया गया था।बेहतरी के लिए लगातार प्रयासरत है अडाणी फॉउंडेशन।

# मतदाता सूची में शत प्रतिशत लोगों का नाम जोड़ें बीएलओ

**बूथों के सत्यापन को ले एसडीओ व सीओ ने किया निरीक्षण, दिया निर्देश**

खबर मन्त्र संवाददाता

**बरही।** मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत किए जा रहे डोर टू डोर मतदाता सत्यापन व मतदान केंद्र के भौतिक सत्यापन कार्य का निरीक्षण एसडीओ पूनम कुजूर व अंचलाधिकारी रामनारायण खालको ने संयुक्तरूप से किया।उन्होंने प्रखंड के विभिन्न बूथों पर पहुंचकर जानकारी ली।साथ ही बीएलओ से प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी ली। बूथों के मतदाओं से डोर टू डोर मिलकर मतदाताओं को प्रेरित कर अपना वोटर आईडी बनवाने व आवश्यकता अनुसार संशोधन कराने की प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की। साथ ही मतदाता सूची में किसी मृत व्यक्ति का नाम न रहे, इसका विशेष

ख्याल रखने की बात कही। उन्होने बीएलओ की जिम्मेदारियों के संबंध में बताते हुए कहा कि उनका कार्य देश के प्रति अहम है।जिसके तहत देश के निर्माण में युवावर्ग का शामिल होना एक जरुरी प्रक्रिया है।जिसके तहत युवावर्ग अपने क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के चुनाव के माध्यम से करता है। इसलिए उन्हें अपनी जबाबदेही का निर्वहन ईमानदारी के साथ करने की बात कही। ताकि कोई भी मतदाता का नाम न छुटे। मौके पर संजय दुबे, मनोज घोष सहित अन्य विभिन्न बूथों पर बीएलओ मौजूद थे।

### माली समाज ने मनायी सावित्रीबाई की जयंती

**बरही।** भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती अब्दुल कलाम पार्क में मनाया। माली मालाकार कल्याण समिति के लोगों ने उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष भोला मालाकार एवं संचालन जितेंद्र मालाकार के द्वारा किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से माली समाज के सचिव बसंत माली, कोषाध्यक्ष दयानंद भगत, शम्भू माली, सोनू माली, रंजीत माली, अभिषेक माली, प्रदीप माली, संजय माली, राजन माली, छोटा मुखिया, रवि, दीपक माली, मोनू माली, कुंदन माली, चंदन माली सहित माली समाज के कई लोग उपस्थित थे।

### रेनबो स्कूल में छात्र के निधन पर शोक सभा आयोजित

**बरही।** बरही के रेन्बो स्कूल के छात्र प्रिंस कुमार का सड़क दुर्घटना के कारण निधन हो जाने पर शोक सभा हुआ। शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर उसकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की।विद्यालय के निदेशक सिकन्दर प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि स्कूल में एक होनहार छात्र को खो दिया है। छात्र के निधन से पूरा विद्यालय परिवार दुखी है। ज्ञात हो कि प्रिंस कुमार वर्ग 1 का छात्र था। 29 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में छात्र का निधन हो गया था। शोक सभा में प्राचार्य पंचम पांडेय, शिक्षकों में गौरी शंकर, प्रवीण कुमार, उषा कुमारी, रिंकी कुमारी, सुधा कुमारी, कुमारी स्वेता, सरिता कुमारी, प्रीति कुमारी, रिफ्फत प्रवीण, खुशबू कुमारी, अंशु कुमारी, शिवानी कुमारी सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

# 22 जनवरी को अपने-अपने घरों में जलायें दीये : छोटू वर्मा

खबर मन्त्र संवाददाता

**रामगढ़।** विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ नगर इकाई ने बुधवार को अयोध्या से आए पूजीत अक्षत वितरण का प्रारंभ पतरातु प्रखंड के सिरकंडेर पंचायत पुरानाडीह कंडेर गांव में किया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री सह आमंत्रण पत्र अभियान प्रमुख मंत्री छोटू वर्मा, ज़िला धर्म प्रचार प्रमुख दिनेश कुमार पाठक और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखण्ड प्रदेश सह मंत्री गौतम कुमार महतो मुख्य रूप से शामिल हुए। छोटू वर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को सभी लोग अपने-अपने घर में दीये जलायें।

मौके पर मुख्य रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के

प्रदेश सह मंत्री गौतम कुमार महतो,विद्यार्थी परिषद के कॉलेज अध्यक्ष नितेश कुमार , उमेश महतो सुरेन्द्र बेदिया, दीपक बेदिया, सोहरलाला बेदिया, बिमलेश बेदिया, अशोक बेदिया, जोहार लाला बेदिया , अघणु बेदिया, चंदन कुमार आदि उपस्थित थे।

# भुरकुंडा में मनी सावित्रीबाई फुले की जयंती

## माली मालाकार कल्याण समिति ने फूले के बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

खबर मन्त्र संवाददाता

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** माली मालाकार कल्याण समिति के तत्वावधान में बुधवार को सेंट्रल सौदा आवासीय कार्यालय में देश की पहली महिला शिक्षिका वीर वीरांगना माता सावित्रीबाई फुले की 193वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत समिति के लोगों ने माता सावित्रीबाई फुले के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की।

समाज के रामगढ़ जिला सचिव उदय मालाकार ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाते हुए बालिका विद्यालय का निर्माण करवाया और पहली महिला शिक्षिका होने का भी गौरव पाया। साथ ही शोषित, वंचित व दलितों को एकजुटता का संदेश देते हुए सबों को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि माली मालाकार कल्याण समिति सरकार से मांग की कि सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न मिले। इनके जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की मांग सरकार से की। मालाकार ने सावित्रीबाई फुले के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिला सचिव उदय मालाकार, उपाध्यक्ष रामकृपाल मालाकार, धनंजय कुमार, राकेश कुमार, अनिल मालाकार, जोगेंद्र मालाकार, गौतम कुमार मालाकार, वीरेंद्र भगत, नंदलाल भगत, बसंती देवी, रूपा मालाकार आदि शामिल थे।

## एक नजर में

### एसपी से मिले प्रखंड कांग्रेस के सदस्य

**कटकमसांडी।** कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव अजय राणा व रंजीत यादव के नेतृत्व में कटकमसांडी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के सदस्य एसपी अरविंद कुमार को गुलदस्ता देकर बधाई दी। एसपी से कटकमसांडी समेत कई अन्य क्षेत्रों में अपराध गतिविधियों को लेकर चर्चा भी हुई। एसपी अरविंद सिंह ने आश्वसत किए कि हर हाल में पुलिस प्रशासन लोगों को सहयोग करेगा और अपराध के दुनिया में अंकुश लगेगा। मुलाकात के दौरान कटकमसांडी पूर्व विधायक प्रतिनिधि मनोज मोदी ,राजू सिंह, कटकमसांडी 20 सूत्री अध्यक्ष सरयू यादव,जिला महासचिव अजय राणा,रंजीत यादव, शिशुपाल सिंह,कटकमसांडी कांग्रेस प्रखंड नरसिंग प्रजापाती,अशोक सिंह,नागेश्वर मेहता एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

### खेल पुरस्कार से सम्मानित हुये किशोरी राणा

**हजारीबाग।** उम्मीद फाउंडेशन ने मरांग गोलके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर रांची के सीएमपीडी सभागार में किशोरी राणा को जयपाल सिंह मुंडा खेल प्रोत्साहन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया। यह सम्मान राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी ने दिया। किशोरी राणा ने अपने संस्था के माध्यम से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराते हैं। साथ ही खेल सामग्री का भी वितरण किया जाता है। सचिव निरंजन हजारीबाग नव झारखंड उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव ने कहा कि हमारा संस्था खेल के क्षेत्र में युवाओं को अग्रसर करने का प्रयास करती है।

### जन कल्याण परिषद ने बांटा 105 कंबल

**बरकट्ठा।** जन कल्याण परिषद समिति ने सलैया गांव में बुधवार को समिति के अध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद कि अध्यक्षता में वृद्ध एवं जरुरतमंद लोगों के बीच 105 कंबल वितरण किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष कि तरह इस वर्ष भी समिति ने निर्णय लिया कि अत्यधिक कडाके ठंड को देखते हुए वृद्ध महिला, पुरूष एंव जरूरतमंद को कंबल देने का निर्णय लिया है। समिति के सचिव राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि यह संस्था स्वास्थ्य एंव सामाजिक कार्य में लगातार कार्य कर रही है। भीषण ठंड मे वृद्धों को गर्म कपड़ा की जरूरत रहती है । इसी को ध्यान में रखते हुए कंबल वितरण किया जा रहा है। समिति का उदेश्य है कि प्रत्येक रात्री को मुख्य चौक चौराहों तथा अन्य भीड़ भाड़ वाले स्थान पर रात को कंबल वितरण किया जाजगा ।

### टाटीझरिया जीप सदस्य ने किया कंबल वितरित

**टाटीझरिया।** झरपो पंचायत में गरीब, वृद्ध, विधवा, दिव्यांगों के बीच टाटीझरिया जीप सदस्य रामप्रसाद ने 45 कंबल का वितरण किया। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए ठंड में बेवजह बाहर नहीं निकले । मो .अनिता,सोहरी मो .रामलाल सिंह, मो .देवनती देवी,कबूतरी देवी, रूनवा देवी,फुलेश्वरी मो .गोविंद भुइंया,नागेश्वर राम,लखन पांडेय, जाटों महतो,सूरज भुइंया,यशोदा मो .सुधा देवी,सीता देवी,पार्वती देवी, पनवा मो. , उगनी देवी, समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

### मालाकार समाज ने मनायी सावित्रीबाई की जयंती

**चरही।**चुरचू प्रखंड के तहत सांसद आदर्श ग्राम जरबा में सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गई। मालाकार समिति के अध्यक्ष महेंद्र माली ने कहा कि फूले के पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मी था। सावित्रीबाई फुले शिक्षक होने के साथ भारत के नारी मुक्ति आंदोलन की पहली नेता वा समाज सुधारक और मराठी कवयित्री भी थी। नितेश कुमार माली ने कहा कि सावित्रीबाई फुले को आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। माली मालाकार कल्याण समिति, जरबा के द्वारा फुले दम्पति की तस्वीर भेंट किया गया। इस अवसर पर माली मालाकार समाज के पंचायत अध्यक्ष महेन्द्र माली, हजारीबाग जिला सचिव कामाख्या भगत, वार्ड सदस्या शोभा कुमारी, भुनेश्वर माली, सरयु माली, अर्जुन माली, महेश माली, चन्दर रजक, धनेश्वर ठाकुर, बद्रीराम वर्मा पत्रकार नितेश कुमार माली सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

### कीमो में हाथियों ने जमकर मचाया उत्पात

**चरही।** अंगो थाना क्षेत्र के कीमो के सीसामो गांव टोला मयूरनचवा में मंगलवार रात तीस हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। जंगली हाथियों के आगमन से मयूरनचवा के ग्रामीण रात भर दहशत में रहने को विवश रहे। हाथियों ने आठ घरों को पूरी तरह से तोड़-फोड़ करते हुए घर के अंदर रखे आलू, प्याज, चावल,धान और गेंहू को चट कर गए। इसके अलावे गांव के ग्रामीण रति मांझी पर दीवार टूटकर गिरने से बूरी तरह से घायल हो गए। हाथियों के झंडों ललिता कुमारी, पुसन टुडू, राजेंद्र टुडू, झरी मांझी, सूलेंद्र मांझी,रूपमुनि देवी अघनी टुडू व छुटकी देवी के घर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावे पुसन टुडू तथा लालजी टुडू का मोटरसाइकिल को पटक पटककर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया । घटना की जानकारी मिलते ही कीमो पंचायत के मुखिया लालमुनी देवी, वन पदाधिकारी कुंदन कुमार पंकज कुमार,मुखिया प्रतिनिधि रमेश टुडू, आजसू नेता प्रमोद कुमार महतो, समाजसेवी रमेश महतो,किशोर टुडू, लालजी टुडू,राजू हेम्ब्रोम,विशुन हेम्ब्रोम,राथो करमाली,कैलाश महतो, झमन महतो,महावीर टुडू सहित कई लोगों ने जायजा लिया।

### चरही में सभी हिंदू के घर पहुंचेंगा अक्षत

चरही।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से आए श्रीराम की पूजित अक्षत निमंत्रण स्वरूप हर एक परिवार तक पहुंचाने तक की तैयारी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने पूरी कर ली है। यह जानकारी विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री अरविंद मेहता ने दी। हजारीबाग जिले के भीतर 1246 गांव में रहने वाले हर एक राम भक्त तक कार्यकर्ता अक्षत लेकर निमंत्रण देने जाएंगे। यह कार्यक्रम 1 जनवरी से लेकर 15 जनवरी तक चलेगी। एवं 22 जनवरी को मंदिर केंद्रित कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया है जिसमें सामूहिक आरती भजन संकीर्तन पूजा पाठ इत्यादि बड़े धूमधाम से किए जाएंगे।तथा संध्या बेला घर-घर वा विभिन्न देव मंदिरों में दीप जलाकर दीपावली मनाए जाएंगे। विश्व हिंदू परिषद इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्पित हैं। धर्म प्रसार परियोजना सह प्रमुख निर्मल ठाकुर,गब्बर सिंह,अनिरुद्ध प्रकाश ठाकुर विहिप चुरचू प्रखंड अध्यक्ष बिनोद ठाकुर, विहिप प्रखंड मंत्री सतीश कुमार साहु शिवानंद तिवारी गौतम सोनी उदय दागी, सुरज कुमार, राजन कुमार, रमेश सोरन, परमेश्वर भोक्ता, गनेश मिश्रा, मनोज साव एवं सभी से शांतिपूर्ण एवं भक्ति पूर्ण वातावरण में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आह्वान किया।

### मवि में मनी सावित्रीबाई फुले की जयंती

**टाटीझरिया ।** मध्य विद्यालय झरपो परिसर में सावित्री बाई फुले जयंती समारोह मनाया गया। प्रधानाध्यापक सत्येंद्र कुमार दीपक ने कहा कि 3 जनवरी 1831 को हुआ था। फुले भारत के प्रथम कन्या बालिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका थी । उन्होंने ही सर्व प्रथम किसान प्रशिक्षण विद्यालय की स्थापना किया था। जिसके उपलक्ष्य पर विद्यालय परिसर में सावित्री बाई फुले के तस्वीर पर छात्र -छात्राओं, शिक्षक आए भाजपा के नेता बटेश्वर मेहता सुनील मेहता ने पुष्प अर्पित कर जयंती मनाया । मौके पर महेंद्र इंदिवार,पिंटू रविदास,केदार प्रसाद, टेको राम,मोहन साव,प्रदीप कुमार,राजकुमार प्रसाद,विमला देवी ,पंकज कुमार,घनश्याम राम,उषा कुशवाहा समेत कई छात्र छात्राएं मौजूद थे।

# वर्ष 2024 में शनि बदलेंगे राशि

**साल 2024 में शनि के राशि परिवर्तन को लेकर मतभेद, जनवरी या फरवरी कब शनि बदलेंगे राशि?**

पारंपरिक पंचांग वैदिक ज्योतिष के ग्रंथों पर अधारित होते हैं जबकि आधुनिक पंचांग नॉटिकल अल्मनॉक पर। जिससे ग्रहों की गोचर स्थिति की तिथियों में अंतर आ जाता है। पारंपरिक पंचांग अनुसार शनि का राशि परिवर्तन आमतौर पर ढाई साल बाद होता है।

साल 2024 में शनि के राशि परिवर्तन को लेकर मतभेद, जनवरी या फरवरी कब शनि बदलेंगे राशि?

पारंपरिक पंचांग अनुसार शनि का राशि परिवर्तन आमतौर पर ढाई साल बाद होता है।

साल 2024 में शनि धनु राशि से मकर राशि में चले जायेंगे। लेकिन इनके राशि परिवर्तन की तारीखों को लेकर मतभेद हो रहा है। कंप्यूटराइज्ड पंचांग के अनुसार देखें तो शनि 24 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश कर जायेंगे। तो वहीं पारंपरिक पंचांगों के अनुसार शनि का ये राशि परिवर्तन 17 फरवरी को होगा। इन दोनों तारीखों के बीच 24 दिन का अंतर आ रहा है।

जानिए क्यों उत्पन्न हो रहा है यह मतभेद

क्या है मतभेदः पारंपरिक पंचांग वैदिक ज्योतिष के ग्रंथों पर अधारित होते हैं जबकि आधुनिक पंचांग नॉटिकल अल्मनॉक पर। जिससे ग्रहों की गोचर स्थिति की तिथियों में अंतर आ जाता है। पारंपरिक पंचांग अनुसार शनि का राशि परिवर्तन आमतौर पर ढाई साल बाद होता है। इस तरह से शनि 30 सालों में 12 राशियों का चक्र पूरा करते हैं। पारंपरिक पंचांग के अनुसार शनि 17 फरवरी को अपनी राशि बदलेंगे। जबकि आधुनिक पंचांग से देखें तो शनि का राशि परिवर्तन 24 जनवरी को ही हो रहा है। अब इन तारीखों में आने वाले 24 दिनों के अंतर से इन दिनों पैदा होने वाले बच्चों की कुंडली में शनि की स्थिति भी अलग-अलग होगी। जो लोग कम्प्यूटर से जन्मकुंडली तैयार करेंगे उनकी कुंडली में 24 जनवरी की सुबह 9 बजकर 52 मिनट पर शनि मकर राशि में दिखाई देंगे। वहीं परंपरागत तरीके से जो कुंडली बनेंगी उनमें शनि 17 फरवरी तक धनु राशि में दिखेंगे।

शनि साढ़े साती और ढैय्याः 2024 में शनि के राशि बदलते ही मिथुन और तुला राशि के लोगों पर शनि की ढैय्या शुरू हो जायेगी। वहीं वृषभ और कन्या राशि के लोगों को इससे मुक्ति मिल जायेगी। इसी तरह कुंभ राशि वालों पर शनि साढेसाती का पहला चरण शुरू हो जायेगा धनु वालों पर अंतिम चरण तो वृश्चिक राशि के लोगों को इससे मुक्ति मिल जायेगी।

: साल 2024 में ग्रह गोचर और सभी ग्रहण से संबंधित पूरी डिटेल यहां देखिए

गुरुवार स्पेशल भजनः भगवान विष्णु और शिरडी साईं के इन भजनों को सुनकर करें दिन की शुरुआत

शनि का राशियों पर प्रभावः साल 2024 में शनि के राशि परिवर्तन से कुछ राशियों पर इसका शुभ प्रभाव पड़ेगा तो कुछ पर अशुभ। ये आपके ग्रहों की स्थिति पर आधारित होगा कि शनि आपको कैसें फल देंगे। इस राशि परिवर्तन से मुख्य तौर पर तुला, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मिथुन और कर्क राशि वाले लोग प्रभावित होंगे। आपके जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। तो वहीं मेष, वृषभ, कन्या वालों के लिए शनि अच्छे परिणाम लेकर के आ सकते हैं।

ज्योतिष अनुसार हर ग्रह का राशि परिवर्तन होता रहता है। चंद्रमा हर 2 दिन में, सूर्य एक महीने में इसी तरह अन्य ग्रह भी अलग-अलग अवधि में अपनी राशि बदलते हैं। ग्रहों का राशि परिवर्तन ज्योतिष में एक महत्वपूर्ण घटना मानी गई है क्योंकि इसका सभी राशि के लोगों पर कुछ न कुछ प्रभाव जरूर पड़ता है। जानिए आने वाले नये साल में शनि, शुक्र, राहु, केतु, बुध, गुरु कब और किस समय राशि परिवर्तन करेंगे साथ ही कब पड़ेंगे ग्रहण

शनि राशि परिवर्तन 2024

धनु से मकर राशि में शुक्रवार, 24 जनवरी, 2024 9:53

मकर, वक्री सोमवार, 11 मई, 2024 9:27

मकर, मार्गी बुधवार, 18 सितंबर, 2019

मंगल राशि परिवर्तन 2024

वृश्चिक से धनु राशि में शुक्रवार, 07 फरवरी, 2024 को 3:50 पर

धनु से मकर राशि में रविवार, 22 मार्च, 2024 को 2:39 पीएम पर

मकर से कुम्भ राशि में सोमवार, 04 मई, 2024 को 8:39 पीएम पर

कुम्भ से मीन राशि में गुरुवार, 18 जून, 2024 को 8:15 पीएम पर

मीन से मेष राशि में रविवार, 16 अगस्त, 2024 को 6:31 पीएम पर

मेष राशि, वक्री गुरुवार, 10 सितंबर, 2024 को 3:30 पीएम पर

मीन में, वक्री रविवार, 04 अक्टूबर, 2024 को 10:06 पीएम पर

मीन में, मार्गी शनिवार, 14 नवंबर, 2024 को 6:06 पीएम पर

मेष राशि, वक्री गुरुवार, 24 दिसंबर, 2024 को 10:18 एएम पर

वृष राशि में सोमवार, 22 फरवरी, 2021 को 4:35 एएम पर

वृष से मिथुन राशि में मंगलवार, 13 अप्रैल, 2021 को 1:12 एएम पर

बुध राशि परिवर्तन 2024

तुला से वृश्चिक राशि में गुरुवार, 05 दिसंबर, 2019 10:31 एएम

वृश्चिक से धनु राशि में बुधवार, 25 दिसंबर, 2019 3:44 पीएम

धनु से मकर राशि में सोमवार, 13 जनवरी, 2024 11:34 एएम

मकर से कुम्भ राशि में गुरुवार, 30 जनवरी, 2024 2:53 एएम

कुम्भ, वक्री सोमवार, 17 फरवरी, 2024 06:20 एएम

कुम्भ, मार्गी मंगलवार, 10 मार्च, 2024 9:16 पीएम

कुम्भ से मीन राशि में मंगलवार, 07 अप्रैल, 2024 2:20 एएम

मीन से मेष राशि में शनिवार, 25 अप्रैल, 2024 2:33 एम

मेष से वृष राशि में शनिवार, 05 सितंबर, 2024 9:47 एएम

## वर्ष 2024 का संकल्प हमारा दृष्टिकोण अध्यात्मवादी बनें

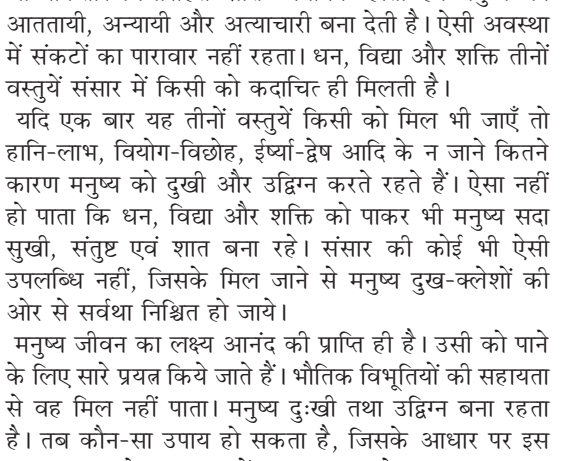

कितना ही धन कमा लिया जाए, कितनी ही विद्या प्राप्त कर ली जाय, कितनी ही शक्ति संचय कर ली जाए तब भी संसार के दुःखों से सर्वथा मुक्ति नहीं पायी जा सकती। धन अभावों, आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। विद्या, बौद्धिक विकास कर सकती है और शक्ति से किन्हीं दूसरों को वश में किया जा सकता है। किंतु इस प्रकार की कोई सफलता दुःखों से मुक्ति नहीं दिला सकती। धनवानों को दुःख होता है, विद्वान् शोक मनाते देखे जाते हैं और शक्तिमानों को पराजित होते देखा गया है।

धन हो और विद्या न हो तो जड़ता से मिलकर धन विनाश का हेतु बन जाता है। विद्या हो पर स्वास्थ्य न हो तो विद्या का कोई समुचित उपयोग संभव नहीं। दिन-रात स्वास्थ्य की चिंता लगी रहेगी। थोड़ा काम किया नहीं कि कभी सिर दर्द है तो कभी अजीर्ण हो गया। कभी सर्दी है तो कभी ज्वर घेर रहा है। इस प्रकार न जाने कितनी बाधायें और व्याधायें लगी रहती हैं। केवल विद्या के बल पर उनसे छुटकारा नहीं मिल पाता। इस प्रकार शक्ति तो हो पर धन और विद्या न हो तब भी पग-पग पर संकट खड़े रहते हैं। धन के अभाव में शक्ति निष्क्रिय रह जाती है और यदि उसके बल पर धन संचय भी कर लिया जाये तो विद्या के अभाव में उसका कोई समुचित उपयोग नहीं किया जा सकता। विद्यारहित शक्ति भयानक होती है। मनुष्य को आततायी, अन्यायी और अत्याचारी बना देती है। ऐसी अवस्था में संकटों का पारावार नहीं रहता। धन, विद्या और शक्ति तीनों वस्तुयें संसार में किसी को कदाचित् ही मिलती है।

यदि एक बार यह तीनों वस्तुयें किसी को मिल भी जाएँ तो हानि-लाभ, वियोग-विछोह, ईर्ष्या-द्वेष आदि के न जाने कितने कारण मनुष्य को दुखी और उद्विग्न करते रहते हैं। ऐसा नहीं हो पाता कि धन, विद्या और शक्ति को पाकर भी मनुष्य सदा सुखी, संतुष्ट एवं शात बना रहे। संसार की कोई भी ऐसी उपलब्धि नहीं, जिसके मिल जाने से मनुष्य दुख-क्लेशों की ओर से सर्वथा निश्चित हो जाये।

मनुष्य जीवन का लक्ष्य आनंद की प्राप्ति ही है। उसी को पाने के लिए सारे प्रयत्न किये जाते हैं। भौतिक विभूतियों की सहायता से वह मिल नहीं पाता। मनुष्य दुःखी तथा उद्विग्न बना रहता है। तब कौन-सा उपाय हो सकता है, जिसके आधार पर इस असफलता को सफलता में बदला जा सके उसका एकमात्र उपाय यदि कोई है तो वह है 'अध्यात्म'। अध्यात्म की महिमा अपार है। उसके द्वारा प्राप्त होने वाले अहेतुक सुख की तुलना संसार की किसी भी विभूति से मिलने वाले क्षणिक सुख से नहीं की जा सकती। मानव- की सर्वोत्कृष्ट विभूति वही है। उसकी सहायता से मनुष्य देवताओं की भाँति सदा आनंदित रह सकता है। देवत्व प्राप्त हो जाने पर दुःख की संभावना ही समाप्त हो जाती है।

## चैतन्य महाप्रभु के विचार

भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभु जी ने कहा, 'एकादशी पालन शुद्ध भक्ति का अंग है, उसको न मानने से भक्ति का सर्वनाश हो जाएगा। एकादशी के दिन प्रसाद को प्रणाम करके, उसको अगले दिन पाओ, जब तिथि सम्पूर्ण हो जाए। एकादशी तिथि के दिन वैष्णव लोग केवल मात्र श्रीकृष्ण नाम रस का ही पान करते हुए तृप्त रहते हैं। वे न तो कोई अन्य रस लेते हैं, न ही अन्य कोई बात बोलते हैं। वैष्णव लोग इस दिन सभी प्रकार के भोगों का त्याग करते हैं।'

'शुद्ध वैष्णव तो सदा प्रसाद का ही सेवन करते हैं, अन्य कोई द्रव्य तो वे चखते भी नहीं हैं। एकादशी के दिन तो वैष्णव जन निराहार रहते हैं व अगले दिन पारण करते हुए प्रसाद भोजन करते हैं। एकादशी के दिन वैष्णवजन केवल अनुकल्प अर्थात् अन्नरहित फलाहार का प्रसाद लेते हैं। जो अवैष्णव हैं वे एकादशी के दिन नाम प्रसाद पर छल से दिन-रात अपना इन्द्रिय तर्पण करते हैं। पापियों के संग अन्नहार करते रहते हैं व हरिवासर व्रत को अर्थात् एकादशी व्रत को नहीं मानते हैं। भक्ति के सभी अंगों को मानने से, भक्ति का सम्मान करने से भक्ति देवी की कृपा प्राप्त होती है। अत? अवैष्णव का संग छोड़, एकादशी का व्रत पालन करना चाहिए।'

प्रसाद सेवन व हरिवासर आपस में विरोधी नहीं हैं, हमें अन्तर समझना चाहिए। भक्ति के एक अंग को मानता और दूसरे से द्वेष करता हो, उस व्यक्ति को बुद्धिहीन जानो। हरिभक्ति के जो भी अंग हों, उसकी जो भी विधि हो, देश-काल नियमानुसार उसको एकान्त भाव से पालन करते हुए भक्ति मार्ग में अग्रसर हो जाओ। सभी भक्ति-अंगों के अधिपति श्रीव्रजेन्द्रनन्दन हैं, जिससे वे सन्तुष्ट होते हों, वही पालन करो।

एकादशी के दिन निद्रा-आहार का वर्जन कर, अन्य दिनों में प्रसाद का निर्मल चित्त से सेवन करना चाहिए। एकादशी का विधान भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभु जी से सुनकर सभी वैष्णव बड़े प्रसन्न हुए तथा आनन्द से 'गोविन्द-गोविन्द' पुकारने लगे। राय रामानन्द जी, स्वरूप दामोदर जी इत्यादि 'उड़िया' 'गौड़िया' सभी भक्तों को बड़ा आनन्द आया। हे भाई ! श्रीगौरांग महाप्रभु हमारे प्राणधन हैं। निष्कपट भाव से उनका भजन करो, वे तुम्हें इस भव-सागर से पार कर देंगे तथा साथ ही साथ तुम्हारे शरीर व मन को भी शीतलता प्रदान करेंगे।

## भगवान शिव से जुड़ा है नाम रुद्र प्रयाग

उत्तराखंड में स्थित रुद्रप्रयाग अलंकनंदा नदी के पांच प्रयाग में से एक है। अलकनंदा और मंदाकिनी नदी यहां मिलती हैं। पवित्र स्थल केदारनाथ की यहां से दूरी महज 86 किलोमीटर है। हरिद्वार और ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से रुद्रप्रयाग पहुंचा जा सकता है।

कहा जाता है कि इसी जगह पर भगवान शिव ने नारद को आशीर्वाद दिया था और रुद्र अवतार में प्रकट हुए थे। हिमालय के नजदीक होने की वजह से यह जगह काफी खूबसूरत दिखाई पड़ती है और पर्यटक भी यहां आते रहते हैं। रुद्रप्रयाग में कई पवित्र मंदिर भी है जिसे देखने के लिए सालों भर भक्त पहुंचते हैं।

इनमें जगदंबा और शिव मंदिर प्रमुख हैं। इसके साथ-साथ अलकनंदा नदी के पास स्थित कोटेश्वर मंदिर भी श्रद्धालुओं के बीच काफी प्रसिद्ध है। दिल्ली के रुद्रप्रयाग की दूरी करीब 357 किलोमीटर है।

केदारनाथ के अलावा बद्रीनाथ जाने के लिए भी रुद्रप्रयाग से रास्ता है। इसलिए यहां काफी संख्या में लोग आते रहते हैं। 2013 में उत्तरखंड में आई बाढ. की वजह से रुद्रप्रयाग को काफी क्षति हुई थी। कई मकान और पुल ढह गए थे।

दुनिया के बेहतरीन स्थलों में हिमालय के इस संगम स्थल का शुमार है जिसके कारण पूरी दुनिया से लोग यहां घूमने आते हैं। निश्चित तौर पर देश दुनिया के लोग के लिए यह स्थल विशेषकर गर्मियों में एक बड़ा भ्रमण का स्थल है।

# योगदा मठ : अध्यात्म को विज्ञान की वेदी पर प्रतिष्ठा

**अलकेश त्यागी**

**सिद्धपुरुष** मानवता को कुछ शाश्वत सत्य दिए बिना संसार से नहीं जाते। प्रत्येक मुक्तात्मा ईश्वर-प्राप्ति का कुछ न कुछ प्रकाश व प्रभाव दूसरों पर छोड़कर जाती है। इसी दायित्व को योगी कथामृत के लेखक, भारत में योगदा सत्संग सोसायटी (वाईएसएस) तथा अमेरिका में सेल्फ-रियलाइजेशन फैलोशिप (एसआरएफ) जैसी संस्थाओं के संस्थापक, श्री श्री परमहंस योगानंदजी ने बड़ी खूबसूरती से निभाया है। उन्होंने गीता की अद्भुत व्याख्या कर आधुनिक विश्व को एक नई दृष्टि दी है।

परमहंस योगानंद जी कृत गॉड टॉक्स विद अर्जुन द भागवत गीता पहली बार 1995 में अंग्रेजी में प्रकाशित हुई लेकिन अल्पकाल में ही इसे 20वीं सदी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक ग्रंथ माना गया। इसका हिंदी संस्करण ह्यकृष्ण-अर्जुन संवाद भगवद् गीता नाम से उपलब्ध है।

योगानंद जी ने गीता की इस टीका पर 1932 में ही काम शुरू कर दिया था, जो 1952 तक पूर्ण हुआ। बोलकर गीता पर टीका लिखवाते समय योगानंद जी की अवस्था के बारे में उनके शिष्य ने लिखा है ह्यवह कुछ समय के लिए अहाते में आए। उनकी आंखों में अपरिमित एकाकीपन था और उन्होंने मुझसे कहा; ह्यतीनों लोक मुझमें बुलबुले की तरह तैर रहे हैं।

अपने लेखन कार्यों की अंतिम परिणति के लिए योगानंद जी अमेरिकी शिष्या तारामाता पर निर्भर करते थे। उन्हें उस समय की सर्वोत्तम संपादक बताते हुए कहते ह्यअपने गुरु स्वामी श्रीयुक्तेश्वर जी के अलावा किसी और के साथ भारतीय दर्शन पर चर्चा में इतना आनंद नहीं मिला जितना लॉरी (तारामाता) के साथ। लेकिन अपने जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने एक अन्य शिष्या मृणालिनी माता को प्रशिक्षित करना आरंभ कर दिया। इस पर मृणालिनी माता ने पूछा, पर गुरुजी कौन इस काम को कर सकता है? योगानंद जी ने कहा ह्यतुम इसे करोगी। और 1952 में योगानंद जी की महासमाधि के 43 वर्ष बाद तथा सेल्फ-रियलाइजेशन फैलोशिप की 75वीं वर्षगांठ पर 1995 में मृणालिनी माता जी की देखरेख में यह कार्य पूरा हुआ। इस ग्रंथ की भूमिका में योगानंद जी ने बताया है कि कैसे उनके गुरु श्रीयुक्तेश्वर जी ने उनके द्वारा, बुद्धि विलास द्वारा नहीं बल्कि श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच हुए वास्तविक संवाद को जैसा व्यासजी ने समझा तथा स्वयं योगानंद जी के समक्ष प्राकट्य के आधार पर, गीता पर टीका लिखने की भविष्यवाणी की थी। इस टीका में परमात्मा (श्रीकृष्ण) और आदर्श शिष्य की जीवात्मा (अर्जुन) के बीच हुए संवाद की आध्यात्मिक विवेचना है। योगानंद जी कहते हैं कि इन पृष्ठों में व्यक्त आध्यात्मिक समझ तक व्यास के साथ समस्वर होकर तथा अर्जुन की आत्मा बनकर परमात्मा के साथ संवाद कर पहुंचे हैं। वह कहते हैं कि परिणाम स्वयं बोलेगा कि यह व्याख्या नहीं है बल्कि परमात्मा द्वारा समस्वर हुई आत्मा में उड़ेले गए ज्ञान का वृत्तांत है।

गहन आध्यात्मिक व मनोवैज्ञानिक सत्यों को खोलती यह पुस्तक मानवीय अस्तित्व के किसी पक्ष को अनछुआ नहीं छोड़ती। आध्यात्मिकता को विज्ञान की वेदी पर प्रतिष्ठित करती यह पुस्तक वर्तमान और आगामी युगों की अमूल्य धरोहर है। योगानंद जी को ईश्वर के दिव्यप्रेम का अवतार मानकर उन्हें प्रेमावतार भी कहा जाता है।

## स्पीड न्यूज

### अकला लोहरा के आकस्मिक निधन पर भाजपाइयों ने जताया शोक

कैरो, लोहरदगा। प्रखंड के कैरो नयाटोली निवासी फकीर लोहरा के पुत्र अकला लोहरा (51) का आकस्मिक निधन हो गया। अकला मृदुभाषी एवं व्यवहार कुशल सामाजिक व्यक्ति थे। साथ ही मतदान केंद्र संख्या 169 में भाजपा के बूथ सदस्य के रूप में भी उनकी पहचान थी। वे लोकसभा और विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी कर जीत के लिए काफी सक्रिय भूमिका निभाने वालों में से एक थे। निधन की सूचना पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष नजीर आलम खान, जिला उपाध्यक्ष सूरज मोहन साहू, पूर्व 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र महतो, जिला भाजपा कार्यसमिति सदस्य विशेश्वर प्रसाद दीन, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष लखन उरांव, विनोद रविदास इत्यादि ने गहरा शोक प्रकट किया।

### श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एसपी को आमंत्रण पत्र और अक्षत

लोहरदगा। जिला वीएचपी ने 1 से 15 जनवरी 2024 तक सभी राम भक्तों के घर तक अक्षत और निमंत्रण पत्र पहुंचा रहा है। विहिप की अगुवाई में गुरुवार को लोहरदगा जिला पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमां को अयोध्या से आये अक्षत और निमंत्रण पत्र दिया गया। इसके अलावा शहर के कई क्षेत्रों में भी निमंत्रण पत्र का वितरण किया गया। मौके पर जिला अभियान प्रमुख सचिन कुमार साहू, जिला कार्यालय प्रमुख सत्यम अग्रवाल, बजरंग दल विद्यार्थी प्रमुख दीक्षांत आर्य, एवं दीपक कुमार, हसमुख रंजन उपस्थित थे।

### बरही में रविवार को ढोल नगाड़ा बाजा के साथ पूजित अक्षत का होगा वितरण

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के सेरेंगहातु पंचायत अन्तर्गत बरही ग्राम के जय मां अंबे दुर्गा पूजा समिति ने समाजसेवी महावीर प्रसाद की अध्यक्षता में बाजार टांड़ बरही डीपा में बैठक की गयी। बैठक में श्री कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी भी थे। अयोध्या से आये अक्षत चावल निमंत्रण पत्र वितरण पर चर्चा करते हुए अक्षत निमंत्रण पत्र वितरण की रूप रेखा तैयार की गयी। रविवार को ढोल नगाड़ा बाजा के साथ गांव और क्षेत्र का भ्रमण कर अयोध्या से आया पूजित अक्षत चावल निमंत्रण का वितरण कर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने के लिये सभी से आग्रह किया जायेगा। मौके पर नरेश महतो, रजनीकांत महतो, अशोक महतो, उदित महतो, सुनील उरांव, सीताराम महतो, रामलाल महतो, नितेश कुमार, सुनील ठाकुर, अरविंद साहू, प्रवेश महतो, अमर महतो के अलावे अन्य समाजसेवी उपस्थित थे।

### सेहल में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

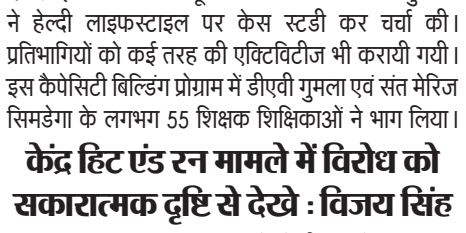

घाघरा। प्रखंड के सेहल में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम बुधवार को किया गया। जिसमें सर्वप्रथम विकसित भारत को लेकर संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित कई स्टॉल लगाकर जानकारी दी। जहां आवश्यकतानुसार ग्रामीणों ने संबंधित स्टॉलों में आवेदन जमा किये। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य जांच कर लोगों को नि:शुल्क दवा दिये। बीडीओ दिनेश कुमार ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना की विस्तृत जानकारी आम ग्रामीणों को दी। मौके पर अंचल निरीक्षक आनंद डुंगडुंग, सोमारी देवी, विनोद कुमार, सीएचओ अर्पणा कुमारी, रोजगार सेवक निर्मल कुमार, ओम प्रसाद, आईटी ऑपरेटर विकास कुमार आदि उपस्थित थे।

### स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस विषय पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

गुमला। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पटना के द्वारा 2 से 3 जनवरी तक आयोजित स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस विषय पर आयोजित दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का समापन हो गया। प्रधानाचार्य डॉ रमाकांत साहू ने कहा कि सेमिनार में सीखी गयी बातों को कक्षाओं में अमल में लायेंगे। साथ ही विद्यार्थियों के भावनात्मक पक्ष को समझ कर उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। रिसोर्स पर्सन एसआर डीएवी पुंदाग की इंदु प्रसाद ने न्यूट्रिशन, हेल्थ एंड सेनिटेशन विषय पर प्रस्तुति दी। उन्होंने 7 सी अर्थात चेक, क्लीन, कवर, क्रास कंटामिनेशन, कुक, कुल एंड चिल, कंज्यूम की जानकारी दी। ब्राइटलैंड पब्लिक स्कूल डाल्टनगंज की रवीना कुमारी ने हेल्दी लाइफस्टाइल पर केस स्टडी कर चर्चा की। प्रतिभागियों को कई तरह की एक्टिविटीज भी करायी गयी। इस कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में डीएवी गुमला एवं संत मेरिज सिमडेगा के लगभग 55 शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

### केंद्र हिट एंड रन मामले में विरोध को सकारात्मक दृष्टि से देखे : विजय सिंह

गुमला। झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने केंद्र सरकार द्वारा लाये गये हिट एंड रन मामले पर मोदी सरकार से कहा है कि विरोध का सम्मान करते हुए सकारात्मक दृष्टि से केंद्र सरकार को देखना चाहिए और कानून पर पुनर्विचार करते हुए हिट एंड रन कानून को व्यावहारिक बनाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा है कि देश में कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को देखते हुए लगता है कि कानून व्यावहारिक नहीं है। ड्राइवर एक मेहनतकश वर्ग है और उन पर भारी भरकम आर्थिक दंड व 10 साल का सजा का प्रावधान अन्याय के समान है। केंद्र सरकार हिट एंड रन कानून को अमल में लाने के पहले इसे गंभीरता से ले और पुनर्विचार कर न्याय संगत कानून देश हित में बनाने की भी मांग झारखंड नवनिर्माण दल ने की है।

### जन मन कार्यक्रम : आदिम जनजाति को लाभ देने के लिए लगा शिविर

घाघरा। प्रखंड के विमरला पंचायत सचिवालय में प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम के तहत आदिम जनजाति परिवारों को केंद्र की योजना का लाभ देने को लेकर एक दिवसीय शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार, मुखिया चांदनी उरांव शामिल हुई। वही आदिम जनजाति परिवार के लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड ,प्रधानमंत्री आवास, जॉब कार्ड सहित केंद्र सरकार की कई योजनाओं से लाभान्वित किया गया। साथ ही कई परिवार ने संबंधित विभाग के स्टाल देखे।

# ग्रामीण की मौत के विरोध में पांच घंटे जाम रही बगड़ू हिल जानेवाली सड़क

- बाइक की चपेट में आने से हो गयी थी ग्रामीण की मौत
- आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम
- काफी मशक्कत से प्रशासन ने पांच घंटे बाद हटाया जाम
- पीड़ित परिवार को मुआवजा, नौकरी और रफ्तार पर लगाम लगाने की मांग पर अड़े ग्रामीण
- प्रशासन ने सकारात्मक कार्रवाई का दिया भरोसा

खबर मन्त्र संवाददाता

सड़क जाम करते ग्रामीण।

**हादसे का जिम्मेदार बाइक सवार गिरफ्तार**

लोहरदगा। तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आकर लोहरदगा में 60 साल के व्यक्ति की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने बगड़ू हिल जाने वाली सड़क को जाम कर दिया है। बुधवार सुबह 9 बजे से निंगनी गांव के सैकड़ों ग्रामीण सड़क जाम कर बैठे हुए हैं। गौरतलब है कि मंगलवार शाम में अंतिम संस्कार से घर लौट के क्रम में निगनी नीचे टोली निवासी देवेंद्र साहू उर्फ टहरु एक बाइक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिनकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गयी। मृतक के पुत्र राजेश साहू ने सदर थाने में लिखित आवेदन में बाइक चालक राहत नगर लोहरदगा निवासी मोहम्मद इरशाद के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित परिवार को मुआवजा एक सदस्य को नौकरी की मांग पर अड़े हुए हैं। साथ ही ग्रामीणों की मांग है कि नगर पालिका क्षेत्र से सटे इस गांव से होकर गुजरने वाली बगड़ू हिल और पेशरार जाने वाली सड़क पर रफ्तार पर अंकुश लगाया जाये। इस सड़क पर गाड़ियां बेहद तेज और खतरनाक तरीके से चलती हैं जिसकी वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं।

पिछले साल इस सड़क पर हादसों में चार जानें गयी हैं। ग्रामीणों ने जरूरी स्थानों पर सीसीटीवी लगाने की भी मांग की है। ताकि घटना को अंजाम देकर आरोपी बच न सकें। लोगों में काफी गुस्सा दिखा। सड़क पर टायर जला कर लोग प्रदर्शन कर रहे थे। लोगों का कहना था कि हादसे के बाद बाइक सवार जब भागने लगे तो लोगों ने उन्हें पकड़ लिया मगर कुछ लोग आये और उनसे उलझ गये और आरोपी बाइक सवार को भगा दिया। सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने और जाम हटाने के लिए सिविल एसडीओ अमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय परमेश्वर प्रसाद, सीओ आशुतोष कुमार, थाना प्रभारी अनिल उरांव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी समझाने के बाद भी ग्रामीण सड़क जाम हटाने को तैयार नहीं थे। आरोपी को गिरफ्तारी और मुआवजा की मांग पर अड़े थे, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया और मुआवजा के लिए सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया गया। तब जाकर 5 घंटे बाद सड़क जाम हटा। सड़क जाम होने से लोहरदगा से पेशरार और बगड़ू से आवागमन प्रभावित हुआ है। सदर सीओ आशुतोष कुमार ने कहा कि इस मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हो गयी है। पीड़ित परिवार को सरकारी नियमानुसार मुआवजा और सहायता देने की कार्रवाई प्रशासन कर रही है।

ग्रामीणों को समझाते अधिकारी।

टकरा में मरांग गोमके की जयंती पर बोले अर्जुन मुंडा

## गांव का खेत हरा रहेगा तभी हमारा पेट भरा रहेगा

खूंटी। झारखंड आंदोलन के पुरोधा और महान हॉकी खिलाड़ी मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती बुधवार को उनके पैतृक गांव टकरा में समारोह पूर्वक गयी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने उनकी समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा ने दीप जला कर किया। इसके पूर्व उन्होंने टकरा ग्राम के मोड़ पर मारंग गोमके की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गांवों का खेत हरा रहेगा, तभी हमारा पेट भरा रहेगा।

उन्होंने ग्रामीण युवाओं को खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारने की बात कही। साथ ही ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित होने की दिशा में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आज हम सभी उज्ज्वल भविष्य का संकल्प

लें। इसी प्रकार हम मरांग गोमके के विकासशील विचारों को सफल बनायेंगे। मंत्री मुंडा ने कहा कि देश के विकास के लिए गांवों का विकास करना होगा और गांवों को विकसित करने के लिए कृषि को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा, मरांग गोमके आदिवासियों और झारखंड आंदोलन के एक सर्वोच्च नेता थे। उन्होंने जल, जंगल व जमीन तथा उनकी परंपरा व संस्कृति को बनाये रखने के लिए आवाज बुलंद की।

### मजदूरों के मसीहा थे रतिलाल : चंपई सोरेन

गम्हरिया। रतिलाल महतो की कुर्बानी को सदियों तक भुला पाना मुश्किल होगा। उनके संघर्ष और बलिदान की गाथाएं आने वाली पीढ़ी भी याद रखेगी। सही मायने में वे मजदूरों के मसीहा थे। मजदूरों के अधिकार हक के लिए रतिलाल लड़ते रहे। कई बार उन्हें जेल भी जाना पड़ा लेकिन उन्होंने अपना आंदोलन जारी रखा। उनके बताए रास्ते पर चलकर गरीब मजदूरों और असहाय लोगों की सेवा व मदद करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शहीद रतिलाल महतो की 75वीं जयंती समारोह के अवसर पर गम्हरिया के ऊपरबेड़ा मैदान में उनके समाधि स्थल पर आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित राज्य के आदिवासी कल्याण सह परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने स्व रतिलाल की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## साउथ एशिया कराटे चैंपियनशिप के लिए जिले के चार खिलाड़ी चयनित

खबर मन्त्र संवाददाता

चयनित खिलाड़ी

लोहरदगा। जापान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में साउथ एशिया कराटे चैंपियनशिप का आयोजन दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 6 से 7 जनवरी तक किया गया है। जिसमें नेपाल, बांग्लादेश, श्री लंका, पाकिस्तान एवं हिंदुस्तान से लगभग 1000 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस कराटे चैंपियनशिप के पहले जापान के ग्रैंडमास्टर केनजी ओहयामा ब्लैक बेल्ट नवीं डॉन के द्वारा सभी प्लेयर को इंटरनेशनल लेवल का काता और कुमिते का ट्रेनिंग भी दिया जाएगा। जिसमें लोहरदगा से चार खिलाड़ी ऐश्वर्या साहू लोहरदगा कराटे क्लब, नैना कुमारी, सृष्टि कुमारी एवं आनंद उराव स्काई अप पब्लिक स्कूल कुम्हारिया का चयन नेशनल टीम इंडिया में हुआ है। जो इंडिया के लिए साउथ एशिया कराटे चैम्पियनशिप में खेलेंगे। ये सभी कराटेकार 4 जनवरी को अपने कोच रेंसी श्रवण साहू के साथ दिल्ली के लिए रवाना होंगे। यह बच्चे कराटेकार पिछले 5 वर्षों से लगातार कराटे का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं तथा अनेक बार राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप एवं राष्ट्रीय लेवल कराटे चैंपियनशिप में अपने सहभागिता दर्ज करके इस मुकाम पर पहुंचे हैं।लोहरदगा जिला करते संघ के संरक्षक अनिल अग्रवाल, संरक्षिका सुषमा सिंह, अध्यक्ष सेंसाई जगनंदन पौराणिक, उपाध्यक्ष सेंसरी क्यूम खान, विद्यालय के निर्देश देवेंद्र गोप, प्रिंसिपल पारस मिश्रा एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी।

## कोडरमा : बिना अनुमति के चल रहा डिज्नीलैंड मेला सील

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। नगर परिषद के द्वारा लगातार लोगों को ट्रेड लाइसेंस को लेकर के जागरूक किया जा रहा था। जिसके बावजूद भी कई ऐसे हठी प्रतिष्ठानों के मालिक हैं जो बिना ट्रेड लाइसेंस के ही अपने व्यापार को संचालित कर रहे हैं। जिसके लिए नप द्वारा नोटिस जारी किया गया था इसके बावजूद मालिकों द्वारा ट्रेड लाइसेंस लेने का प्रयास नहीं किया गया। जिसे लेकर नप द्वारा संयुक्त टीम गठित कर कई प्रतिष्ठानों को सील किया गया। सील किए गए प्रतिष्ठानों में पुर्णिमा टाकीज परिसर में चल रहे डिज्नीलैंड मेला (अनाधिकृत रूप से), चंपारण मीट अड्डा, ओम नमः शिवाय कांप्लेक्स में संचालित दीनदयाल उपाध्याय

कौशल विकास केन्द्र, अल्मुनियम हाउस, हेयर विग, उजाला कांप्लेक्स में अवस्थित अल्फा मोबाइल केयर, बी एंड संस मोबाईल, खुशी इंटरप्राइजेज, रीलोड मेंस वेयर आदि शामिल हैं। वहीं नप प्रशासक हर्ष वर्धन के निर्देश पर नगर प्रबंधक सह नोडल पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार मोदी के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। प्रशासक ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत बिना ट्रेड लाइसेंस लिए व्यापार करना गैर कानूनी है, जिसे लेकर लगातार प्रचार प्रसार एवं पूर्व में नोटिस भी किया गया था, जिसके बावजूद भी लोग ट्रेड लाइसेंस नहीं ले रहे हैं। जिसे लेकर आज कई प्रतिष्ठानों को सील किया गया है।

साथ ही पुर्णिमा टॉकीज परिसर में बिना अनुमति के संचालित हो रहे डिजनी लैंड मेला, जिसने विज्ञापन शुल्क जमा किए बिना ही अवैध रूप से संचालित हो रहा था। जिसे नप ने मौखिक रूप सूचना दी, फिर भी डिजनी लैंड संचालक द्वारा कोई पहल नहीं की गई। फिर नप ने 24 घंटे के अंदर स्ट्रक्चर हटाने के लिए नोटिस जारी किया। पांच दिनों के बाद डिजनी लैंड को नप ने सील कर दिया गया। मौके पर टैक्स दरोगा महादेव यादव, सफाई निरीक्षक राजू राम, सहायक अनिल कुमार, सुदर्शन श्रीवास्तव, लखन सिंह, मिल्टन टंडन, दुलारचंद यादव, भोला कुमार दास, संजय कुमार दास, राजकिरण यादव, नारायण कुमार, नगर परिषद के होमगार्ड, तिलैया थाना एसआई एस एन सिंह समेत थाना के जवान मौजूद थे।

### सैनिक स्कूल में एथलीट प्रतिस्पर्धा शुरू

कोडरमा। सैनिक स्कूल तिलैया में वार्षिक एथलीट प्रतिस्पर्धा 2023-24 का आरंभ हो चुका है। विद्यालय के बारह जाबाज गृहों के बीच प्रतिवर्ष सम्पन्न होने वाली इस एथलीट प्रतिस्पर्धा का उद्घाटन, जय हिन्द आवासीय विद्यालय के पूर्व छात्र, डीडीसी ऋतुराज के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के द्वारा मशाल-प्रज्ज्वलन कर किया गया। सैन्य छात्र- छात्राओं के उत्कृष्ट मार्च पास्ट परेड के द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गयी। जिसमें सारी टीमों ने अपने-अपने गृह-ध्वज के साथ परेड किया तथा खेल-भावना की शपथ ली। इसके साथ ही वार्षिक एथलीट प्रतिस्पर्धा 2023-24 के बैनर तले, आज विद्यालय के बारह गृहों के कुल 408 सैन्य-छात्र, बालक एवं बालिका के विभिन्न वर्गों में अपने शौर्य-प्रदर्शन के लिए मैदान में उतर गए हैं। 03 जनवरी से 06 जनवरी तक चलने वाले इस चार दिवसीय आयोजन में 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस एवं 4ग्100 रीले रेस, 4ग्400 रीले रेस, 800 मीटर रेस के समानांतर गोला-क्षेपण, भाला-क्षेपण, ऊंची कूद व लंबी कूद इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू हो गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने सैन्य-छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वार्षिक एथलेटिक्स प्रतिस्पर्धा के रूप में किया जा रहा यह खेल-उत्सव छात्र-जीवन का एक बहुत बड़ा उत्सव है। छात्र इसमें स्वयं को पहचानने का अवसर पाते हैं। इतने बड़े आयोजन के निहितार्थ यही हैं कि सभी छात्र खेल-भावना से खेलते हुए अपनी मूल प्रतिभा को पहचानें और निखारे। वहीं भारतीय थल सेना के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्राचार्य कर्नल एस. मोहनराव आर. ने अपनी शुभेच्छा प्रेषित कर सैन्य-छात्रों को उत्कृष्ट खेल भावना के साथ खेलने व सर्वोच्च मानदंडों के अनुरूप प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान उप-प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल लालनुन सियामा, प्रशासनिक अधिकारी विंग कमांडर अनंत श्रीवास्तव के साथ अन्य लोग मौजूद थे। यह वार्षिक स्पर्धा सरफराज अख्तर के निर्देशन में जारी है।

### 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के दूसरे दिन हुई यज्ञ मंडप की पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

■ चारों दिशाओं में किया गया कलश स्थापित

गुमला। शांतिकुंज हरिद्वार के गायत्री परिवार महिला मंडल डुमरडीह ने महावीर मंदिर नारी सशक्तिकरण के लिए 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ किया। इसके दूसरे दिन बुधवार को शांतिकुंज हरिद्वार से आये टोली नायक संदीप पांडे, संगीतज्ञ जय सिंह, तबला वादक महेश मार्कन व सहयोगी धर्मेंद्र सोलंकी ने मंत्रोच्चार के साथ प्रातः 09 बजे से यज्ञ मंडप का पूजन, चारों दिशाओं में कलश की स्थापना एवं यज्ञ-हवन करते हुए 33 कोटि देवी-देवताओं का आवाहन किया गया। इसके बाद आरती की गयी और उपस्थित भक्तों के बीच अमृतासन महाप्रसाद बांटे गये। संध्याकालीन कार्यक्रम में संध्या 6 बजे से संगीत व प्रवचन के माध्यम से लोगों को व्यभिचार से दूर रहने को कहा गया।

### नाबालिग को भगाने के आरोपी पर मामला दर्ज

सेन्हा-लोहरदगा। थाना क्षेत्र से नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर भगाने का आरोप लगाते हुए लड़की के परिजनों ने सेन्हा थाना में लिखित शिकायत करते हुए न्याय का गुहार लगाई है। विदित हो कि नाबालिक लड़की बीते दिसम्बर माह में शनिवार को अपने घर से स्कूल के लिए निकली थी जो देर शाम तक घर नही लौटी। जिस पर परिजन चिंतित हो काफी छानबीन किये। उसी दौरान पता चला कि बीफाई उरॉव के पुत्र बबलू उरांव नाबालिग लड़की के साथ जाते देखा गया है।

### चार अधिवक्ताओं को मिलेगा मध्यस्थता का प्रशिक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। जिले के चार अधिवक्ताओं का चयन झालसा रांची द्वारा आयोजित 40 घंटा की गहन मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए हुआ है। इनका प्रशिक्षण 12 से 16 जनवरी तक विश्वा कांके रोड, रांची में होगा। बताया गया कि झालसा रांची ने गहन मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 10 मई 2023 को जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा को निर्देश प्राप्त हुआ था। जिसके निमित 5 जुलाई को अधिवक्ताओं का इंटरव्यू लिया गया था। चयनित अधिवक्ताओं का पैनल झालसा रांची को आगे की कार्रवाई के लिए भेजी गयी थी। जिसमें जिले के चार अधिवक्ता लाल दीपक कुमार, लाल धर्मेंद्र देव, सुरीला देवी और मोमिना खातून प्रशिक्षण को चुने गये। इनका चयन 10 वर्षों के कार्य अनुभव एवं डालसा में बेहतर योगदान पर हुआ।

### परिजनों से मिलीं आजसू नेत्री नीरू शांति भगत

कुडू, लोहरदगा। प्रखंडके सुंदरु गांव निवासी मनीरुद्दीन अंसारी के पुत्र सकीब अंसारी की मृत्यु बीते दिनों हो गयी। मौत की सूचना मिलते ही स्वर्गीय कमल किशोर भगत की धर्म पत्नी आजसू नेत्री नीरू शांति भगत सुंदरू गांव पहुंच मनीरुद्दीन अंसारी से मिले एवं कहा की इस दुख के घड़ी मे आजसू परिवार आपके साथ है जितना हो सकेगा हमसे हम आपके साथ देंगे। मौके पर आजसू प्रखंड अध्यक्ष कलीम खान, उपाध्यक्ष फिरोज अंसारी, मुख्तार राय, अफरोज खान, आरीफ अंसारी, इम्तियाज अंसारी, मौलाना परवेज, हाफीज अखतर अंसारी, महिद अंसारी, रहीम अंसारी, मनीरूद्दीन अंसारी, नसीम अंसारी, तजमुल अंसारी, मुमताज आलम, रसीद अंसारी, सजुल अंसारी, मोगल अंसारी समेत अन्य ग्रामीण एवम पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# टाटा स्टील ने लांच किया वेलनेस पोर्टल और वेलनेस ऐप्स

खबर मन्त्र ब्यूरो

**वेलनेस फॉर लाइफ पोर्टल टाटा स्टील के भीतर वेलनेस को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूत करने के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व करता है**

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने बुधवार को एक व्यापक वेलनेस पोर्टल और वेलनेस ऐप्स के लॉन्च के साथ कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

लॉन्च टाटा स्टील के सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्थिरता के उपाध्यक्ष राजीव मंगल द्वारा टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी, टाटा स्टील के साझा सेवाओं के उपाध्यक्ष प्रबल घोष और टाटा वर्कर्स के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। लॉन्च को देखने के लिए सभी स्थानों से कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी वर्चुअली जुड़े हुए थे। टाटा स्टील के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन और टाटा स्टील के उपाध्यक्ष, एचआरएम अत्रेयी सान्याल के संदेश भी सभी कर्मचारियों के साथ साझा किए गए। वेलनेस फॉर लाइफ पोर्टल टाटा स्टील के भीतर वेलनेस को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूत करने के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इस पहल में पोर्टल के माध्यम से सुलभ दो ऐप, वेलस्प्रिंग और द वेलनेस कॉर्नर की शुरूआत शामिल है।

ये ऐप कर्मचारियों के लिए उनके स्वास्थ्य का आकलन, निगरानी और सुधार करने के लिए एक व्यापक मंच के रूप में काम करते हैं। ट्रूवर्थ वेलनेस द्वारा प्रदान किया गया 'द वेलनेस कॉर्नर' ऐप सभी स्वास्थ्य और कल्याण आवश्यकताओं के लिए एक व्यापक समाधान प्रदान करता है। यह दैनिक कल्याण गतिविधियों, वैयक्तिकृत कोचिंग कार्यक्रमों, कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों, उपचारों, निर्देशित ध्यान और आहार/पोषण कार्यक्रमों की ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है और एक स्वस्थ जीवन शैली की खेती और रखरखाव का समर्थन करने के लिए मूल्यवान सिफारिशें प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, टाटा स्टील का इन-हाउस वेलनेस ऐप, वेलस्प्रिंग, आंतरिक रूप से विकसित किया गया है, जो कई विशेषताओं के साथ स्वास्थ्य और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है।

लॉन्च के दौरान, टाटा स्टील के उपाध्यक्ष, सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्थिरता, राजीव मंगल ने स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए समग्र कल्याण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने किसी के स्वास्थ्य का आकलन करने और समय पर सुधारात्मक उपाय करने के लिए नियमित चिकित्सा जांच करने के महत्व पर भी बात की। टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी ने भी कल्याण के महत्व के बारे में बात की और बताया कि कैसे कर्मचारियों को अपनी दैनिक आदतों की निगरानी करने और संतुलित और खुशहाल जीवन जीने के लिए दिनचर्या में छोटे बदलाव करने के लिए स्वयं प्रेरित होना चाहिए। समग्र कर्मचारी कल्याण के प्रति टाटा स्टील का अटूट समर्पण इसके संगठनात्मक लोकाचार में गहराई से अंतर्निहित है। अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, कंपनी स्वीकार करती है कि कर्मचारी कल्याण सामूहिक सफलता का अभिन्न अंग है। कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य और भलाई को प्राथमिकता देने के लिए सशक्त बनाकर, टाटा स्टील का लक्ष्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां व्यक्ति व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से आगे बढ़ सकें।

# सेंचुरियन टेस्ट के पहले दिन गिरे 23 विकेट, दक्षिण अफ्रीका 62/3, भारत के पास 36 रन की बढ़त

## साउथ अफ्रीका का 23 ओवरों में खेल खत्म, 55 पर ढेर करके भारत ने इतिहास रच दिया, सिराज का सिक्सर

### भारत के खिलाफ किसी भी टीम का न्यूनतम स्कोर

यह भारत के खिलाफ किसी भी टीम का टेस्ट में सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले भारत ने न्यूजीलैंड 2021 में सिर्फ 62 रनों पर ढेर कर दिया था। हालांकि, साउथ अफ्रीका का यह लोएस्ट स्कोर नहीं है। इससे पहले वह 30 रनों पर भी आउट हो चुकी है। देखा जाए तो साउथ अफ्रीका को उसी के मैदान पर 55 रनों पर ढेर करना भारत के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है।

### 9 बल्लेबाज नहीं पार कर सके दहाई का आंकड़ा

भारत की कातिलाना गेंदबाजी का असर यह रहा कि साउथ अफ्रीका के 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। डेविड बेडिंघम 12 और काइल विरेन 15 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले डीन एल्गर 2 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में मोहम्मद सिराज ने भी उपलब्धि हासिल की। वह पहले सत्र में फाइव विकेट हॉल पूरा करने वाले भारत के पहले गेंदबाज बने। यशस्वी जायसवाल ने स्लिप में कामल की फील्डिंग करते हुए 3 कैच लपके।

**एजेंसी**

**सेंचुरयन।** दक्षिण अफ्रीका को 55 रन पर समेटने के बाद भारत बुधवार को यहां दूसरे और आखिरी टेस्ट के शुरूआती दिन पहली पारी में 153 रन पर आउट हो गया जिससे उसने 98 रन की बढ़त हासिल की। भारत के चाय तक चार विकेट पर 111 रन थे लेकिन चाय के बाद उसने 153 रन के स्कोर पर बाकी बचे 6 विकेट गंवा दिए। भारत के लिए तीन बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचे जिसमें विराट कोहली ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और नानड्रे बर्गर ने तीन-तीन विकेट चटकाए। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 17 ओवर में 62 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। मुकेश कुमार ने 2 तो बुमराह ने एक विकेट लिया। अफ्रीका की ओर से आखिरी टेस्ट खेल रहे डीन एल्गर दूसरी पारी में केवल 12 रन ही बना पाए। टोनी डी जॉर्जी 1 तो ट्रिस्टन 1 रन बनाकर आऊट हुए। अभी क्रीज पर ऐडन मार्कराम 36 तो डेविड 7 रन बनाकर नाबाद खड़े हैं। भारत ने मोहम्मद सिराज के करियर के सर्वश्रेष्ठ छह विकेट के प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को यहां दूसरे और आखिरी टेस्ट के शुरूआती दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर समेटने के बाद चाय तक चार विकेट पर 111 रन बनाकर 56 रन की बढ़त हासिल की।

### केपटाउन में बजी राम धुन तो विराट कोहली ने उठा लिया धनुष, दिग्गज भारतीय का वीडियो वायरल

साउथ अफ्रीका में इन दिनों राम नाम चर्चा में है। अफ्रीका के दौरे पर गई टीम इंडिया के मैचों के दौरान स्टेडियम में लगातार राम सिया राम गाना बजाया जाता है। पहले केएल राहुल इसका जिक्र करते हुए दिखाई दिए। वहीं भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली भी मैदान पर छा गए जो कि बीच मैदान में भगवान राम की तरह एक्ट करते नजर आए।

**उठाया धनुष :** साउथ अफ्रीका की पारी का 16वां ओवर चल रहा था। केशव महाराज स्ट्राइक पर थे। उसी समय स्टेडियम में राम सिया राम गाना बजने लगा। विराट कोहली फील्डिंग कर रहे थे। गाना बजते ही वह भगवान राम की तरह हाथों से धनुष बनाकर बाण चलाते हुए नजर आए। वहीं फिर हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया।

**केशव महाराज के लिए बजाया जाता है राम सिया राम :** इससे पहले केएल राहुल ने विकेटकीपिंग करते हुए केशव महाराज से कहा था कि जब भी वह क्रीज पर आते हैं तो यही गाना बजाया जाता है। केशव महाराज ने भी सहमति जताई थी। महाराज हिंदू धर्म को फॉलो करते हैं और भारत के दौरों पर मंदिर में जरूरत जाते हैं।

### भारत ने टेस्ट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड किया अपने नाम, 147 साल में पहले कभी नहीं हुआ ऐसा

साउथ अफ्रीका के मुकाबले ज्यादा रन बनाने के बावजूद टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट इतिहास का एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया जो पहले कभी नहीं हुआ था। 147 साल के टेस्ट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी टीम ने अपने 6 विकेट गंवा दिए और इन बल्लेबाजों ने टीम के खाते में एक भी रन नहीं जोड़ा। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ऐसा दूसरी बार हुआ जब एक पारी में भारत के 6 बल्लेबाज डक पर आउट हो गए। टीम इंडिया इससे पहले 2014 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में अपने 6 बल्लेबाजों को डक पर खो दिया था और इसके बाद यानी 10 साल के बाद फिर से भारत के साथ टेस्ट क्रिकेट में ऐसा हुआ। वैसे टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 8वीं बार ऐसा हुआ जब एक पारी में 6 बल्लेबाद शून्य पर आउट हुए।

## ओलंपिक क्वालीफायर से पहले भारतीय टीम को झटका, वंदना कटारिया बाहर

**रांची।** बहुप्रतीक्षित एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 के लिए बुधवार शाम को रांची पहुंची। उत्साहित भारतीय टीम को उस समय झटका लगा जब उसकी अनुभवी फारवर्ड वंदना कटारिया, जिन्हें उप कप्तान भी नामित किया गया था चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। उनकी जगह युवा खिलाड़ी बलजीत कौर लेंगी जिन्होंने भारत के हालिया दौरों में शानदार प्रदर्शन किया है इस बीच स्थानीय स्टार निक्की प्रधान को उप कप्तान नामित किया गया है। विशेष रूप से निक्की 2016 में ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली झारखंड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी थीं। मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वंदना टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगी। एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान उनके गाल की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। जबकि हमें वंदना के अनुभव की कमी खलेगी, टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाली बलजीत कौर और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। जबकि हमें वंदना के अनुभव की कमी खलेगी, टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाली बलजीत कौर अपने वरिष्ठ हमवतन के स्थान पर कदम रखेंगी और भारत के लिए एक बहुत ही अनुभवी खिलाड़ी निक्की भी उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। गोलकीपर सविता के नेतृत्व में भारतीय टीम 13 जनवरी को अमेरिका के खिलाफ अपना अभियान शुरूआत करेगी। रांची पहुंचने पर कप्तान सविता ने कहा, हम सभी महत्वपूर्ण एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 के लिए रांची में वापस आने के लिए उत्साहित हैं। पिछली बार जब हम महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यहां थे, तो घरेलू दर्शकों ने हमारा बहुत समर्थन किया था और हम यहां खेलने का भरपूर आनंद लिया। हम अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हैं और दिलचस्प बात यह है कि हमारा पहला मैच अमेरिका के खिलाफ है जिसके साथ हमने पिछला ओलंपिक क्वालीफायर खेला था। मुझे यकीन है कि यह एक रोमांचक शुरूआती मैच होगा और हम अपने अभियान की अच्छी शुरूआत की उम्मीद कर रहे हैं।

### इंडियन स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स (इस्मा) के खिलाड़ी लुधियाना रवाना

**रांची।** इंडियन स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स (इस्मा) के कराटे खिलाड़ी एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूल खेल के लिए लुधियाना, पंजाब के लिए बुधवार को रवाना हुई। इंडियन स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स इस्मा के तकनीकी निर्देशक शिहांन विमल आनन्द नाग, सचिव- कमल किशोर कच्छप, नौसद खान, गुलाम जावेद, बेनेट मालिंग्स, अनिल शर्मा, शशी सुमन, कलेवर कर्मकार, गुलाम गौस,अबरार अंसारी, लालचंद लोहार (कोच), पिंटू कुमार, गुमन गाड़ी ने बधाई दी है।

### न्यूजीलैंड ने टी-20 शृंखला के लिए टीम की घोषणा की

**क्राइस्टचर्च।** न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 श्रृंखला के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम में चोटों से उबर चुके मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्युसन, केन विलियमसन और डेवन कॉन्वे की वापसी हुई है। हेनरी राष्ट्रीय दल के साथ जुड़ने से पहले सुपर स्मैश टी-20 मैच में खेलेंगे। वह अगले सप्ताह ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के दल के साथ जुड़ेंगे। हेनरी का चयन पांचों मैच के लिए हुआ है जबकि फर्ग्युसन को अंतिम तीन टी-20 के लिए दल में चुना गया है। विलियमसन चार मैचों में अपनी टीम की कप्तानी करेंगे।

### वाडा ने स्पेनिश एंटी-डोपिंग एजेंसी की जांच की शुरू

**मैड्रिड।** विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने स्पेनिश डोपिंग रोधी एजेंसी सीइएलएडी के खिलाफ जांच शुरू की है और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के लिए एथलीटों को दंडित करने में संगठन की विफलता के लिए तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की है। स्पेनिश खेल समाचार पोर्टल रेलेवो ने बुधवार को यह जानकारी दी।

### ब्रिस्बेन टूर्नामेंट में प्लिस्कोवा ने ओसाका को हराया

**ब्रिस्बेन।** तीन बार चैंपियन कैरोलिना प्लिस्कोवा ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बुधवार को नाओमी ओसाका को 3-6, 7-6(4), 6-4 से हराया। जुलाई 2023 में बेटी शाई को जन्म देने के बाद ओसाका यह पहला टूर्नामेंट है। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने वापसी करते हुए तमारा कोरपात्श के खिलाफ अपना पहला राउंड मैच जीता। प्लिस्कोवा इससे पहले 2017, 2019 और 2020 में तीन बार ब्रिस्बेन टूर्नामेंट जीत चुकी हैं।

## भारत की बेटी विकास राणा ने रचा इतिहास, जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय क्रॉस कंट्री स्कीइंग में जीता गोल्ड

**एजेंसी**

**नयी दिल्ली।** हरियाणा के एक किसान की 31 वर्षीय बेटी विकास राणा ने जर्मनी में क्रॉस कंट्री स्कीइंग चैंपियनशिप में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। हरियाणा में जींद के उचाना क्षेत्र के सुखैन खुर्द गांव के रहने वाली राणा एशियाई खेलों में भी भारत का नेतृत्व कर चुकी हैं। उन्होंने सिर पर 'महाकाल' लिखा स्की बैंड पहनकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मैंने 31 दिसंबर को जर्मनी में आयोजित पांच किलोमीटर क्रॉस कंट्री स्कीइंग में स्वर्ण पदक जीता। यह इस तरह के टूर्नामेंट में पहला पदक था। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की और कश्मीर के गुलमर्ग में प्रशिक्षण लिया। तालियां देखकर मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। मैं भगवान शिव में आस्था रखती हूं और मेरा मानना है कि उन्होंने टूर्नामेंट जीतने में मदद की। इसलिए मैंने महाकाल बैंड पहना। विकास राणा ने राष्ट्रीय खेलों में चार स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते। राणा के पिता ओमपाल एक किसान हैं और उनकी मां एक गृहिणी हैं। उन्होंने छोटी उम्र में ही स्कीइंग का अभ्यास शुरू कर दिया था और ज्यादातर समय गुलमर्ग में अभ्यास करती थीं। उन्होंने कहा, 'एक साधारण वित्तीय पृष्ठभूमि से होने के कारण समस्याएं आईं लेकिन अपने परिवार, दोस्तों, कोचों और खेल मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के समर्थन से मैंने सभी समस्याओं पर काबू पा लिया।

## कमिंस के पंजे से पाक पहली पारी में 313 रन पर ढेर

**एजेंसी**

**सिडनी।** विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (88), पुछल्ले बल्लेबाज आमेर जमाल (82) और आगा सलमान (53) के बेहतरीन अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन अपनी पहली पारी में 313 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 6 रन बना लिये हैं। अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे डेविड वॉर्नर 6 रन और उस्मान ख्वाजा बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद हैं। मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान की शुरूआत खराब रही और केवल 96 रनों के कुल स्कोर पर अब्दुल्ला शफीक (00), सईम अयूब (00), बाबर आजम (26), सऊद शकील (05) और कप्तान शान मसूद (35) पवेलियन लौट गए। यहां से मोहम्मद रिजवान और आगा सलमान ने पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 94 रन जोड़े। इस दौरान रिजवान ने तेज पारी खेली और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि वह 12 रन से शतक से चूक गए। 190 रनों के कुल स्कोर पर उन्हें पैट कमिंस ने पवेलियन भेजा। रिजवान ने 103 गेंदों पर 10 चौके और 2 छक्के की बदौलत 88 रन बनाए। इसके बाद 220 के कुल स्कोर पर साजिद खान 15 रन बनाकर पैट कमिंस की गेंद पर आउट हुए। 226 के कुल स्कोर पर आगा सलमान भी चलते बने, हालांकि उन्होंने 53 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। 229 रनों के स्कोर पर हसन अली बिना खाता खोले पैट कमिंस के पांचवे शिकार बने। इसके बाद मीर हमजा और आमेर जमाल ने आखिरी विकेट के लिए 86 रन जोड़े। इन 86 रनों में जमाल के 82 रन थे। नाथन ल्योन ने जमाल को आउट कर पाकिस्तानी पारी का अंत किया। जमाल ने 82 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 9 चौके व 4 बेहतरीन छक्के लगाए। मीर हमजा 7 रन बनाकर नाबाद रहे, इस दौरान उन्होंने 43 गेंदो का सामना किया और 1 चौका लगाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 5, मिचेल स्टार्क ने 2 व जोश हेजलवुड, नाथन ल्योन और मिचेल मॉर्श ने 1-1 विकेट लिया।

### सूर्यकुमार फिर आइसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर की दौड़ में

**दुबई।** भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को बुधवार को आइसीसी के पुरुष 'टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए चार नामांकन में शामिल किया गया। भारत के इस 33 साल के खिलाड़ी ने 2022 में यह पुरस्कार जीता था। वर्ष 2023 में सूर्यकुमार ने दबदबा बनाते हुए 17 पारियों में 48.86 के औसत और 155.95 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने 2023 की शुरूआत श्रीलंका के खिलाफ महज सात रन से की लेकिन इसके बाद अगले दो मैच में 51 (36 गेंद) और नाबाद 112 (51 गेंद) रन की पारियां खेलीं। सूर्यकुमार की 51 गेंद में नाबाद 112 रन की पारी में नौ छक्के और सात चौके जड़े थे जिससे उन्होंने लगभग तीन गेंद में एक बार बाउंड्री लगाई। इससे वह भारत के लिए पुरुष टी20 मैचों में रोहित शर्मा के बाद दूसरे सबसे तेज शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए।

## जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता का अमर बाउरी ने किया उद्घाटन

**खबर मन्त्र संवाददाता**

- पहले दिन चार मैच खेला गया, बबलू मुंडा व जगलाल पहान ने की अगुवाई

**रांची।** केंद्रीय सरना समिति के तत्वावधान में बुधवार को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जंयती के शुभ अवसर पर तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी एवं केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा व मुख्य पहान जगलाल पहान ने संयुक्त रूप से किया। मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की गयी एवं नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी के द्वारा फुटबॉल मार कर खेल की शुरूआत की गयी। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान, कार्यकारी अध्यक्ष शोभा कच्छप, महासचिव अशोक उरांव, जगरनाथ तिर्की, विसवास उरांव, डब्लू उरांव, किरण तिर्की के द्वारा पुष्पगुच्छ, बैच, अंग वस्त्र एवं मेमोंटो देकर अमर बाउरी को सम्मानित किया गया। पहला मैच में जय मसीह क्लब बरियातू एवं आदिवासी कल्ब पंडरा के बीच खेला गया जिसमें आदिवासी कल्ब पंडरा ने जय मसीह क्लब को 3/0 से हराया। आदिवासी कल्ब पंडरा विजय हुआ। दूसरी मैच में अन्सं कल्ब कांके एवं नाईन बुलेट कल्ब कवली के बीच खेला गया। जिसमें 2/1 से नाईन बुलेट कवली विजय हुआ। तीसरा मैच आदिवासी कल्ब पंडरा एवं खुंटी के बीच खेला गया जिसमें आदिवासी कल्ब पंडरा ने खुंटी टीम को 2/0 से हराया। चौथा मैच नईन बुलेट कल्ब कावली एवं पहान ब्रदर्स कोंगे के बीच खेला गया, जिसमें पहान ब्रदर्स ने नाइन बुलेट कावली 1/0 से हराया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाषण में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा झारखंड अलग राज्य की नींव रखने वाले प्रथम व्यक्ति थे। उन्हीं के सोच से झारखंड अलग राज्य की अंदोलन की शुरूआत हुई।

# जंतर-मंतर पर जूनियर पहलवानों ने किया बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ प्रदर्शन

**एजेंसी**

**नयी दिल्ली।** भारतीय कुश्ती में पिछले एक साल से सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीनियर पहलवानों के प्रदर्शन के बाद भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। उसके बाद चुनाव हुये तो खिलाड़ियों ने नये अध्यक्ष संजय सिंह का विरोध किया। साक्षी मलिक ने संन्यास का एलान कर दिया और बजंरग पूनिया-विनेश फोगाट ने अपने पुरस्कार वापस कर दिए। खेल मंत्रालय ने फिर कुश्ती संघ को ही निलंबित कर दिया। अब बुधवार (तीन जनवरी) को एक बार फिर पहलवान जंतर-मंतर पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस बार यह विरोध कुश्ती संघ या उसके अधिकारियों के खिलाफ नहीं बल्कि बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट के खिलाफ है। भारतीय कुश्ती में चल रहे संकट ने बुधवार को एक नया मोड़ ले लिया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर के एक महत्वपूर्ण वर्ष के नुकसान के विरोध में जंतर-मंतर पर एकत्र हो गए। इस स्थिति के लिए उन्होंने शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश को दोषी ठहराया। बसों में भरकर, जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी।

### बजरंग, साक्षी व विनेश के खिलाफ लगाये नारे

लगभग 300 लोग छपरौली, बागपत में आर्य समाज अखाड़े से आये थे, जबकि कई अन्य नरेला में वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से आए थे। कई लोग अभी भी बसों में भरे हुए हैं। सभी अपने सहयोगियों के साथ प्रदर्शन में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। वह बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथ में बैनर थे जिन पर लिखा था, यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारी कुश्ती को इन तीन पहलवानों से बचाएं।

### क्या है पहलवानों की मांग?

इन तीनों को अब अपने समुदाय के भीतर से विरोध का सामना करना पड़ रहा है और जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए लोगों ने उन पर अपना करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया है। जनवरी 2023 से राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगिताएं रुकी हुई हैं क्योंकि भारतीय कुश्ती संघ को दो बार निलंबित कर दिया गया है। अब एक तदर्थ पैनल खेल का संचालन कर रहा है। बुधवार को विरोध करने वालों ने मांग की कि खेल मंत्रालय द्वारा खेल को चलाने के लिए नियुक्त किए गए तदर्थ पैनल को भंग करके निलंबित भारतीय कुश्ती संघ को बहाल किया जाए।

### जूनियर पहलवानों के विरोध के बाद अंडर-15, अंडर-20 नेशनल का एलान

**नयी दिल्ली।** दिल्ली के जंतर-मंतर में जूनियर पहलवानों के धरने का असर देखने को मिला है। अस्थायी तौर पर भारतीय कुश्ती से जुड़े मामलों का प्रबंधन कर रहे तदर्थ पैनल ने बुधवार को छह सप्ताह के भीतर अंडर 15 और अंडर 20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की घोषणा की। इससे कुछ ही घंटे पहले जूनियर पहलवानों ने जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर तदर्थ पैनल को भंग करने की मांग की थी। पैनल ने उन युवा पहलवानों की चिंताओं को स्वीकार किया जो भारत के शीर्ष पहलवानों के साल भर के विरोध प्रदर्शन से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। जनवरी 2023 के बाद से न तो राष्ट्रीय शिविर और न ही जूनियर नेशनल आयोजित किए गए हैं। सैकड़ों जूनियर पहलवानों का पूरा एक साल बर्बाद हो गया। तीन सदस्यीय पैनल के अध्यक्ष भूपेंदर सिंह बाजवा ने जूनियर पहलवानों को आश्वासन दिया कि वह जल्द ही ग्वालियर में सब जूनियर और जूनियर नेशनल का आयोजन करेंगे। बाजवा ने एक बयान में कहा समिति युवा पहलवानों द्वारा उठाई गई चिंताओं को स्वीकार करती है और मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध है। समिति एलएनआईपीई, ग्वालियर में अगले छह सप्ताह के अंदर अंडर-15 और अंडर-20 श्रेणियों के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने की योजना बना रही है।

स्पीड न्यूज

## बड़कीटांड जोरिया पुल के समीप छठ घाट का शिलान्यास

**बेरमो /खेतको।** पेटरवार प्रखंड अंतर्गत बुधवार को जिला परिषद माला कुमारी द्वारा बड़कीटाड जोरिया पुल के समीप विधिवत पुजा अर्चना उपरांत नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद ने कहा कि 2024 का यह मेरा पहला शिलान्यास है। इसके बावजूद भी मेरे द्वारा अनुशंसा की हुई कार्य आने बाकी है जैसे बहुत जल्द घरवाटाड में नाली का निर्माण, चलकारी उतरी पंचायत में छठ घाट का निर्माण, खेतको में नाली का निर्माण, तेनुघाट में पीसीसी का निर्माण और पतकी में पंचायत भवन का निर्माण धरातल पर उतारा जाएगा। जबकि कांग्रेस के युवा नेता विजय महतो ने कहा कि मैं अपने बेरमो विधायक से कहकर श्याम लता पुल से लेकर बस बोनवा ग्राम तक पुलिया के साथ बहुत जल्द रोड का कार्य करवाऊंगा। इस मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि नारायण प्रजापति परिषद सावित्री कुमारी, सुखलाल मुर्मू, भुनेश्वर महतो, राजकुमार महतो, आनंद प्रजापति, बबलू करमाली, नंदकिशोर महतो, मुकम्मल जी, विभीषण महतो, रूद्रेश शर्मा, शिवपूजन शर्मा, सुनील शर्मा आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

## रामनवमी के अखाड़ा धारी सह होटल के संचालक बुधन वर्मा का निधन

**बेरमो।** कथारा चार नंबर पानी टंकी के निकट रहने वाले बुधन वर्मा का निधन इलाज के क्रम में हो गया। 65 वर्षीय बुधन वर्मा रामनवमी पूजा के अखाड़ा धारी थे 35 वर्षों से लगातार अपने नेतृत्व में रामनवमी का झंडा का नेतृत्व करते थे। पानी टंकी के निकट होटल के संचालन से अपने परिवार जनों का जीविका चलाते थे। व्यवहार के धनी हंसमुख स्वभाव के व्यक्तित्व इनकी पहचान थी। उनकी पत्नी आशा देवी वर्तमान में वार्ड सदस्य है। साथ ही बोकारो जिला महिला कांग्रेस की महासचिव है। वर्मा अपने पीछे पत्नी चार पुत्र पुत्रवधू छोड़ गए। उनके निधन पर समाजसेवी सह श्रमिक नेता अजय कुमार सिंह चंद्रशेखर प्रसाद समाजसेवी पप्पू चौहान मंदिर के पुजारी गुप्तेश्वर पांडे तपेश्वर चौहान देवेंद्र यादव संतोष सिन्हा उमेश चौहान मुकेश गिरी अशोक चौहान संतोष राम गोड लकी सिंह रवि कुमार अंकित कुमार सिकंदर कुमार सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है।

## हर वर्ष रक्तदान करने वाला शुभम मंडल ने आठवीं बार रक्त दान किया

**गोड्डा।** गोड्डा के भूतपूर्व विधायक स्वर्गीय रघुनंदन मंडल के आठवीं पुण्यतिथि पर हर साल की भांति इस साल भी भाजपा किसान मोर्चा के संथाल परगना प्रमंडलीय सह प्रभारी एवं पूर्व जिला परिषद प्रत्याशी शुभम मंडल ने आठवीं बार रक्तदान किया शुभम मंडल ने बताया जबतक जीवित रहूंगा तबतक उनके नाम रक्तदान करूंगा उनके पुण्यतिथि पर शुभम मंडल ने यह भी बताया आज राजनीतिक जीवन में मैं यहां तक का सफर किया हूं उसके पीछे कहीं न कहीं भूतपूर्व विधायक स्वर्गीय श्री रघुनंदन मंडल जी का बहुत बड़ा योगदान है नहीं तो शायद आज मैं कही मजदूरी पर काम करता।

## पटना में सब इंस्पेक्टर ने खुद को मारी गोली, हालत गंभीर

**पटना।** राजधानी पटना में बुधवार (03 जनवरी) की सुबह सब इंस्पेक्टर रश्मि रंजन ने खुद को गोली मार ली। घटना हवाई अड्डा थाना क्षेत्र की है। रश्मि रंजन किराए के मकान में अकेले ही रहते थे। सर्विस पिस्टल से खुद अपने सिर में उन्होंने गोली मार ली। रश्मि रंजन औरंगाबाद के रहने वाले हैं। गोली लगने के बाद लहुलुहान हो गए। आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में सचिवालय एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि रश्मि रंजन 2009 बैच के हैं। बुधवार की सुबह गोली मारने की सूचना मिली थी। उनको बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसकी जानकारी मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक और स्थानीय पुलिस पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि रश्मि रंजन वर्तमान में पटना जिले में ही हैं।

# नीतीश कुमार को लेकर होने वाली बैठक टली

### आइएनडीआइए के संयोजक पद पर होना था फैसला

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**पटना।** बिहार के सीएम नीतीश कुमार को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक टल गई है। ये बैठक आज बुधवार (3 जनवरी) को होने वाली थी। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में इंडिया के संयोजक पद पर फैसला होने था और नीतीश कुमार को इसकी जिम्मेदारी मिलने वाली थी। लेकिन अब ये बैठक किसी और तारीख को होगी। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी बैठक का समय तय नहीं हुआ है। वहीं इसको लेकर अब बीजेपी ने इंडिया गठबंधन और नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। इंडिया गठबंधन की बैठक टलने पर तंज कसते हुए बीजेपी ने कहा कि बैठक टली नहीं टाली गई है। बीजेपी नेता संजय मयूख ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता नीतीश कुमार को सपना दिखा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार को कोई भी नहीं चाहता। नीतीश का बिहार में जनाधार खत्म हो चुका है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार हिंदी बेल्ट का मजबूत फेस माने जाते हैं। उनकी पहचान ओबीसी चेहरों के तौर पर सर्वमान्य है। गठबंधन के गणित में धुरंधर माने जाते हैं। पहले बीजेपी और बाद में आरजेडी और कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन का सूत्रधार भी माना जाता है। उन्होंने विपक्षी दलों को एक साथ मंच पर लाकर अपना लोहा मनवाया। इसके साथ ही अपने राजनीतिक सफर में नीतीश कुमार का दाम बेदाग है। बता दें कि हाल ही में दिल्ली में जेडीयू के राष्ट्रीय परिषद और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। इस बैठक में नीतीश कुमार ने कांग्रेस को निशाने पर ले लिया था। इसके बाद ही नीतीश कुमार को इंडिया का संयोजक बनाने की अटकलें तेज हो गईं। कांग्रेस नहीं चाहती है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार कोई ऐसा फैसला ले लें जिससे नुकसान हो। ऐसे में सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नीतीश कुमार को मनाने में भी जुट गई है। हालांकि, दिलचस्प ये भी है कि नीतीश कुमार कई मौकों पर किसी भी पद की इच्छा से इनकार कर चुके हैं।

### वर्चुअल मीटिंग कैंसिल होने के बाद सीएम के कदम से बढ़ी हलचल

बिहार की राजनीति में इन दिनों खूब उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। चचाओं का बाजार में खूब गर्म है। वहीं, इस बीच बुधवार की शाम सीएम नीतीश कुमारने ललन सिंह के घर जाकर मुलाकात की। बताया जा रहा है कि करीब 15 मिनट तक बंद कमरे में दोनों के बीच बातचीत हुई। मुलाकात के बाद बिहार की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। वहीं, आज सीएम नीतीश कुमार को संयोजक बनने के लिए आइएनडीआइए गठबंधन की वर्चुअल मीटिंग होने वाली थी, लेकिन मीटिंग नहीं हुई और इस चर्चा पर विराम लग गया है। अब नीतीश कुमार और ललन सिंह की गुफ्तगू को लेकर बिहार की राजनीति में बड़े-बड़े मायने निकाले जा रहे हैं। वहीं, आइएनडीआइए गठबंधन में सीएम नीतीश कुमार के संयोजक बनने की चर्चा पर तेजस्वी यादव ने कहा कि मीटिंग होने की बात हमसे हुई है, लेकिन कब मीटिंग होगी? यह अभी नहीं कहा जा सकता है। बता दें कि आइएनडीआइए गठबंधन में इन दिनों सीएम नीतीश कुमार काफी सुर्खियों में हैं। नीतीश की नाराजगी की बात सामने आ रही थी। इस चचाओं के बीच ललन सिंह ने जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया और नीतीश कुमार फिर से जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। आइएनडीआइए गठबंधन में इसत बीच नीतीश कुमार के संयोजक बनाए जाने की चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा था बुधवार को इसको लेकर वर्चुअल बैठक होने वाली थी, लेकिन कैंसिल हो गया। इससे बिहार की राजनीति फिर से एक बार गरमा गया है। वहीं, बीजेपी आरोप लगा रही है कि ललन सिंह तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनना चाहते थे और जेडीयू का विलय आरजेडी में करने वाले थे।

### जीभ काटने वाले पोस्टर पर फतेह बहादुर सिंह की दो टूक

## गीदड़ भभकी से डरने वाला नहीं हूं : फतेह बहादुर सिंह

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**पटना।** आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह के पोस्टर के बाद बिहार की राजनीति में बवाल मचा हुआ है। इस विवाद के बीच राजधानी पटना में फतेह बहादुर सिंह की जीभ काटने को लेकर पोस्टर लगाया गया है। वहीं, इस पर आरजेडी एमएलए ने बुधवार को प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गीदड़ भभकी से डरने वाला नहीं हूं। इन लोगों को जो करना है करें। फतेह बहादुर सिंह बहुजन समाज के लोगों को जगाने का काम करते रहेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में बहुजन समाज के लोग और महिलाओं के लिए काम करता रहूंगा। इतिहास गवाह है कि अच्छा करने वाले को मनुवादियों द्वारा रोकने का काम किया जाता रहा है। फतेह बहादुर सिंह ने कहा कि बहुजन और महिलाओं के हाथ में कलम देने की बात पर जो लोग मेरी जीभ काटने के लिए 10 लाख रुपये देने का पोस्टर लगाए हैं तो मनुवादी विचारधारा वाले लोग सुन ले और समाजवादी लोग समझ लें। शिक्षा विरुद्ध अंधविश्वास के मुद्दे पर हमें शिक्षा की तरफ जाना है या अंधविश्वास की ओर जाना है। नफरत फैलाने वाले लोग, अंधविश्वास फैलाने वाले लोग, देश बांटने वाले लोग और पाखंड फैलाने वाले लोग शिक्षा की बात करने वाले फतेह बहादुर सिंह की जीभ काटने की बात करते हैं। बता दें कि राजधानी पटना में बीजेपी एमएलए फ्लैट के पास एक पोस्टर लगा है और इसके जरिए कहा गया है कि जो फतेह बहादुर सिंह की जीभ काटकर लाएगा उसे दस लाख रुपये दिए जाएंगे।

वहीं, इससे पहले फतेह बहादुर सिंह ने एक पोस्टर लगाया था जिसमें मां सरस्वती को लेकर विवादित बयान था। इसको लेकर बिहार में खूब राजनीति हो रही है।

## अंधेरे के आगोश में लिलोरी स्थान का मुक्तिधाम

### पेट्रोमैक्स के सहारे लोग रात में करते हैं अंतिम संस्कार

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**धनबाद/कतरास।** एक और जहां भारत चांद पर पहुंच गया है रोज नए-नए आविष्कार हो रहे हैं। कतरास जैसा पिछड़ा जगह को नगर निगम में शामिल कर लिया गया है।

वही निगम के द्वारा सुविधा के नाम पर कतरास नगर निगम वार्ड संख्या एक के लोगों को ठगने का काम किया जा रहा है। बताते चले कि कतरास बाजार स्थित लिलौर स्थान मुक्तिधाम में लोग रात को अंधेरे में पेट्रोमैक्स के सहारे अंतिम संस्कार करते हैं। जबकि यहां कतरास के अलावे सिजुआ, तेतुलमारी, अंगारपथरा, भूली, सोनारडीह, सिनीडीह, बेहराकुदर, बारामुडी, ढांगी भटमुरना, मलकेरा आदि जगहों से लोग यहां अंतिम संस्कार करने के लिए पहुंचते हैं।

लाइन नहीं रहने के कारण यहां अंतिम संस्कार करने के लिए आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

**क्या कहते हैं डोम राजा :** वही मामले को लेकर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार में हम भूमिका निभाने वाले डोम राजा ने कहा कि बिजली नहीं रहने के कारण यहां

अंतिम संस्कार करने के लिए आने वाले लोगों को परेशानी तो होती ही है इसके साथ ही रात मे चोर चुहाड लोग भी यहां काफी परेशान करते हैं। इसके साथ यहां पीने की पानी की व्यवस्था नहीं है जिसके कारण यहां आने वाले लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

**निगम के द्वारा मुक्तिधाम विकास और सौंदर्य करण के लिए करोड़ों रुपया किया गया खर्च :** यहां कार्य कर रहे डोम राजा ने बताया कि मुक्तिधाम के विकास के लिए और सौंदर्यीकरण के लिए धनबाद नगर निगम के द्वारा करोड रुपए खर्च करके आधा अधूरा काम किया गया है सेड का निर्माण नदी से काफी दुर किया गया है जिसके कारण बरसात में अंतिम संस्कार करने वाले लोगों को साथ-साथ हम लोगों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नदी के बीचो-बीच पार हुआ 11000 का बिजली का तार दे रहा है खतरा का संकेत-- अंतिम संस्कार करने के लिए पहुंचे हुए लोगों का कहना है की नदी के बीचो-बीच 11000 का तार पर हुआ है जो की काफी नीचे है और उसमें कहीं सपोर्टर भी नहीं लगा हुआ है । जिसके कारण कभी अगर तार गिरता है तो एक बड़ा हादसा होने की संभावना है।

**शोभा की वस्तु बनी निगम के द्वारा लगाई गई हाई मास्ट लाइट :** हालांकि धनबाद नगर निगम के द्वारा यहां पर हाई मास्ट लाइट लगाई गई है लेकिन लाइट काफी दिनों से खराब है और बंद पड़ा हुआ है जिसके कारण पूरा मुक्तिधाम अंधेरे के आगोश में रहता है।

## मारपीट के मामले में पर्यटन मंत्री का बयान दर्ज

### समझौता होने के बाद 22 को अदालत सुनाएगी फैसला

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**दुमका।** मारपीट के एक मामले में बुधवार को राज्य के पर्यटन मंत्री हफीजुल अंसारी एसडीजेएम जितेंद्र राम की अदालत में पेश हुए। अदालत में उनका बयान दर्ज हुआ है। अब 22 जनवरी को अदालत अपना फैसला सुनाएगी। मंत्री के अधिवक्ता एखलाख उर्फ पप्पू खां ने बताया कि मधुपुर की शांति देवी नामक महिला ने 24 नवंबर 13 को मंत्री पर मारपीट करने, घर खाली करने का प्रयास और रंगदारी मांगने का मामला दर्ज कराया था। केस को एमपी एमएलए की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया। गवाही के बाद महिला ने मंत्री पर मारपीट कर मोबाइल छीन लेने की बात कही। बयान होने के बाद दोनों पक्ष में आपस में बात समझौता कर लिया। चूंकि मामला अदालत में पहुंच चुका था, इसलिए अदालत ने आरोपी पक्ष को बुलाकर उनका बयान दर्ज किया। अब मामले में समझौता होना है। इसके लिए 22 जनवरी की तिथि तय हुई है। इस दिन दोनों पक्ष के बीच हुए मामले में समझौता स्वीकार होगा। मंत्री ने कहा कि दस साल पुराना मामला था। इसमें बयान हो गया है। अब अदालत को अपना फैसला सुनाना है।

कोर्ट में पेशी को जाते मंत्री हफीजुल अंसारी

## जरूरतमंदों के बीच कम्बल का वितरण

**कतरास।** बुधवार को बाघमारा अंचल के जमुआटांड पंचायत में मुखिया निरंजन गोप के द्वारा पंचायत के 8 वार्ड के सात गांव के जरुरतमंद लोगों के बीच 120 कम्बल का वितरण झारखंड सरकार की कमल वितरण योजना के तहत जिला परिषद सदस्य मो इसराफिल उर्फ लाल के मुखिया निरंजन गोप पंचायत समिति सदस्य गौतम महतो पंचायत वार्ड सदस्य चंदन महतो के हाथों योगेश्वर मोड दुर्गा मंदिर के समीप किया गया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य गौतम महतो वार्ड समिति सदस्य चंदन महतो, अर्जुन ठाकुर के अलावे आरती देवी, रंजीत रवानी आदि मौजूद थे।

### सामूहिक दुष्कर्म के बाद की थी युवती की हत्या, युवती की मां के बयान पर पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

## आदिवासी युवती की हत्या में शामिल चार युवकों को भेजा गया जेल

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**दुमका।** शहर के बांधपाड़ा में एक जनवरी की रात एक लाज में पिकनिक मनाने के क्रम में 33 साल की आदिवासी युवती की हत्या मामले में नगर थाना पुलिस मुख्य हत्यारोपी समेत चार को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है। पुलिस ने मंगलवार की दोपहर काठीकुंड की रहने वाली युवती का शव बरामद किया था। बुधवार को युवती की मां के बयान पर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज करते हुए मुख्य आरोपी श्रीरामपाड़ा के फूल विक्रेता मो अख्तर उर्फ चीकू, बांधपाड़ा के राजेश केशरी, शिवपहाड़ के अपूर्वा साह और कुमारपाड़ा के कैप्टन प्रभाकर प्रसाद को जेल भेज दिया है। चारों में केवल प्रभाकर ही शादीशुदा है। मेडिकल कालेज अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।दर्ज प्राथमिकी में मां ने बताया कि बेटी ने बताया कि उसकी चार लोगों से दोस्ती है और सभी साथ पढ़ते हैं। एक जनवरी की शाम को जब बेटी को फोन किया तो उसने बताया कि एक लॉज के दोस्तों के साथ पिकनिक मना रही है। बाद में पता चला कि बेटी का शव मिला है। उसने चारों पर सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं मुख्य आरोपी चीकू ने बताया कि एक जनवरी की शाम को युवती ने फोन कर उसे लॉज में बुलाया। जब वह उसके कमरे में गया तो तीनों लड़के युवती के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। गुस्से में आकर युवती को एक थप्पड़ मारा। उसके बाद वह कमरे से चला गया। वहीं अपूर्वा साह ने बताया कि वह चीकू को पहले से नहीं जानता था। तीनों दोस्त मिलकर पिकनिक मना रहे थे। तभी युवती आई और बैठकर पीने लगी। चीकू ने कमरे में घुसते ही उसे पीटा, इसके बाद तीनों लोग वहां से चले गए। सुबह पता चला कि युवती का शव मिला है। उसने कहा कि चीकू ही सारी रात युवती के साथ रहा था। उसने ही उसकी जान ली है। पुलिस ने चारों पर संगीन धारा के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवती की मौत कैसे हुई है। पुलिस केवल इतना ही कहती है कि हत्या और सामूहिक दुष्कर्म में चारों को जेल भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी

### एक नजर में

## बेरमो को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना 29वें दिन भी जारी

**बेरमो /तेनुघाट कोर्ट।** बेरमो जिला मांग को लेकर 29वां दिन भी धरना जारी रहा। वहीं धरने स्थल पर गोमिया प्रखंड पंचायत समिति प्रमुख ने अपने पंचायत के सभी पंचायत समिति सदस्यों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ साथ दर्जनों महिला पुरुषो के साथ पहुंची और बेरमो को जिला बनाने के मांग कर रहे बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक संतोष नायक को समर्थन दिया और कहा की जब तक जिला नहीं बनेगा तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा और हमलोगो का भी समर्थन बरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति को सहयोग मिलता रहेगा। इस संघर्ष के बाद भी सरकार हमारी मांगो को नहीं मानती है तो हम लोग उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर गोमिया प्रमुख प्रमिला चौड़े, उप प्रमुख अनिल कुमार महतो, पंचायत समिति सदस्य निभा देवी, दुलारी देवी, गौसिया नूरी, चांदनी देवी, विष्णु लाल सिंह, अजय कुमार रविदास, पंचायत समिति प्रतिनिधि सर्जन चौधरी, संजय तुरी, मनोज महतो, राजदेव हांसदा, सी पी आई के गणेश प्रसाद महतो, अधिवक्ता आनन्द श्रीवास्तव, शालीग्राम प्रसाद, अधिवक्ता अभिषेक कुमार मिश्रा, प्रहलाद महतो सहित कई लगो समर्थन मे बैठे हुऐ थे।

## धूमधाम से मनी सावित्री बाई फूले की जयंती

**बेरमो।** माली-मालाकार कल्याण समिति फुसरो के तत्वाधान मे फूलमंडी मे गुरुवार को माता सावित्री बाई फूले की जयंती घूम-धाम से मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथियो ने दीप प्रज्वलित कर और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। इस दौरान उन्हें सबसे बड़ा समाज सुधारक बताया गया। झामुमो जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी, जिप सदस्य नीतू सिंह, भाजपा नेत्री डॉक्टर उषा सिंह, बेरमो प्रमुख गिरिजा देवी ने कहा कि माता सावित्रीबाई फूले ने 19वीं शताब्दी में स्त्रियों के अधिकारों, अशिक्षा, छुआछूत, सती प्रथा, बाल/ विधवा विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। अपने पति दलित चितक व समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले से प्रेरित होकर उन्होंने सामाजिक चेतना फैलाई। उन्होंने सबसे पहले बालिकाओं के लिए विद्यालय शुरू किया। इस मौके पर अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल,भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह और पूर्व प्रमुख अनिता गुप्ता आदि ने कहा कि सावित्रीबाई फूले देश में महिला शिक्षा क्रांति की ज्योति थी। जिस दौर में महिलाएं घर तक सीमित थी, उस जमाने में उन्होंने महिलाओं को एकजुट करने का काम किया। एक जनवरी 1848 को नौ बालिकाओं को लेकर पुणे में कन्या पाठशाला की शुरूआत कर अभूतपूर्व कार्य किया। इस मौके पर मजदूर नेता रविंद्र कुमार मिश्रा, भाजपा नेता कृष्ण कुमार,अनिल गुप्ता व ओम शंकर सिंह, झामुमो नेता भोलू खान व दीपक महतो, आदि ने भी संबोधित किया। यहां गुड्डू बरनवाल और सोनू राज की टीम ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन युवा व्यावसायी संघ के पूर्व कोषाध्यक्ष राकेश मालाकार ने किया। इस अवसर कागेसी नेता ललन रवानी और सलीम जावेद उर्फ मोती, निवर्तमान पार्षद भारत वर्मा, पूर्व पार्षद राधा देवी, बिनोद चौरसिया, संतोष भगत, राकेश जैन, बैजू मालाकार, संजीत मालाकार, अमित मालाकार, मुरारी मालाकार, बाबूलाल मालाकार आदि उपस्थित हुए।

## महासचिव सह 20 सूत्री सदस्य ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

**बेरमो /तेनुघाट कोर्ट।** महासचिव सह सदस्य 20 सूत्री गोमिया प्रखंड कांग्रेस पार्टी के रामकिशन रविदास ने एक पत्र मुख्यमंत्री झारखंड सरकार और उपायुक्त बोकारो को देकर जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट में व्याप्त के अनिमिताओ के संबंध में जानकारी देते हुए बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मेनू के अनुसार भोजन नाश्ता इत्यादि नहीं मिलता है और भोजन की गुणवत्ता भी निम्न है। वहीं 2023/24 में कक्षा 6 से 9 में जिन छात्राओं को नामांकन लिया गया है।

### पेज 1 का शेष

## अभिषेक और रामनिवास

**हजारीबाग में डीएसपी घर छापेमारी :** ईडी की टीम हजारीबाग में डीएसपी राजेन्द्र दुबे के शिवपुरी स्थित आवास में सुबह करीब साढ़े छह बजे ही पहुंच गयी। जांच टीम में 15 सदस्य दो वाहनों से छापामारी करने पहुंचे। राजेंद्र दुबे लगभग 3 वर्षों से डीएसपी के पद पर साहिबगंज खनन क्षेत्र में पदस्थापित हैं। वह पंकज मिश्रा के करीबी माने जाते हैं। डीएसपी से इडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है। राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित राजेंद्र दुबे बहुत ही कम समय में डीएसपी के पद पर आसीन हो गये थे। वह खनन क्षेत्र में हमेशा तैनात रहे। वह मूल रूप से इचाक प्रखंड के तिलरा गांव के रहने वाले हैं। शिवपुरी के अलावे गांव में आलीशान मकान है। रांची में करोड़ों रुपये की जमीन है।

### ज्ञानवापी सर्वे पर...

जिला जज न्यायालय में सुनवाई के दौरान एएसआइ के वकील अमित श्रीवास्तव की तरफ से एक एप्लीकेशन देकर रिपोर्ट को चार सप्ताह तक सार्वजनिक न किये जाने की अपील की। उन्होंने दलील दी कि 1991 के लॉर्ड विशेषण मामले में हाई कोर्ट के आदेश पर संबंधित रिपोर्ट न्यायालय में दाखिल होनी है, जिस पर 19 जनवरी को वाराणसी के सीनियर जज सिविल डिवीजन की अदालत में सुनवाई होनी है। वादी पक्ष के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया कि न्यायालय में दोनों पक्षों की तरफ से जबरदस्त बहस हुई। मुस्लिम पक्ष ने रिपोर्ट सार्वजनिक न किये जाने की अपील पहले ही की है, जिस पर वह अड़ा रहा। वहीं, वादी पक्ष की तरफ से रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने की मांग की जा रही है और विष्णु शंकर जैन ने पहले से ही रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने की अपील करते हुए इसे जरूरी बताया है। मुस्लिम पक्ष की तरफ से वजू खाने की सफाई और मछलियों के मरने के मामले में वहां पर उचित कार्रवाई की मांग पर भी कोर्ट गुरुवार को सुनवाई करेगा।

### गांडेय सीट पर...

वहीं पंचम विधानसभा कि तारीख से देखें तो एक साल से अधिक का समय होता है। ऐसे में उपचुनाव कराने को लेकर अंतिम फैसला चुनाव आयोग पर निर्भर करता है। संवैधानिक प्रावधान को ध्यान में रखकर ही चुनाव आयोग इस पर निर्णय लेगा। चुनाव आयोग की पहली प्राथमिकता लोकसभा चुनाव कराना है, जिसको लेकर तैयारियां पूरी की जा रही है। जानकारों के मुताबिक 15 मार्च तक लोकसभा चुनाव की घोषणा होने की संभावना है।

### रामलला के स्वागत...

इस गाने को अब तक 43 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। आये दिन इंस्टाग्राम पर इसके रील्स बनते हैं। **पीएम मोदी ने तारीफ में कही ये बात :** पीएम मोदी ने एक्स पर स्वाति मिश्रा के भजन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, श्री राम लला के स्वागत में गाया गया भक्ति से भरा यह भजन अदभुत है। पीएम ने इसके साथ ही हैशटैग श्रीरामभजन भी लिखाष बता दें कि साल 2023 के मन की बात की आखिरी कड़ी में मोदी ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह और उमंग है और लोग अपनी भावनओं को अलग-अलग तरह से व्यक्त कर रहे हैं। रेडियो कार्यक्रम के जरिये मोदी ने देशवासियों से अपने गीत और भजन हैशटैग श्रीरामभजन के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था, ये संकलन भावों का, भक्ति का, ऐसा प्रवाह बनेगा जिसमें हर कोई राम-मय हो जायेगा। पीएम मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। वह प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दोपहर करीब 12.15 बजे राम मंदिर के गर्भगृह में अनुष्ठान करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अयोध्या में जोरदार तैयारी चल रही है।

# राजस्थान में 15, हरियाणा में 16 स्थानों पर एनआइए का छापा

एजेंसी

**राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी की हत्या मामले में दबिश**

**शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौर से मिली अहम जानकारी के बाद एनआइए ने की छापेमारी**

**जयपुर।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार सुबह राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के मामले में राजस्थान में 15 और हरियाणा में 16 स्थानों पर छापेमारी की। शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौर से मिली अहम जानकारी के बाद जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई की। एनआईए अधिकारियों को इस दौरान महत्वपूर्ण सबूत मिलने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि एनआईए टीम ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड मामले में हरियाणा के महेंद्रगढ़ के दौंगड़ा जाट, गुढ़ा, पाथेड़ा और खुडाना गांव सहित रेवाड़ी के गांव भाडोर में भी छापेमारी की। एनआईए की टीम रेवाड़ी जिले के गांव भाडोर में नीरज के घर और रेवाड़ी के ही सती कॉलोनी में महेश सैनी के घर पहुंचीं। रेवाड़ी जिले का रहने वाला नीरज लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि एनआईए की कई घंटे चली जांच में कुछ पुख्ता सबूत भी मिले हैं।महेश सैनी पर रेवाड़ी और आसपास के जिलों में तीस से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं। कुछ समय पहले ही तत्कालीन एडिशनल सेशल जज डॉ. सुशील कुमार गर्ग की कोर्ट ने उस पर सख्त रुख अख्तियार करते हुए उसकी प्रॉपर्टी अटैच करा दी थी। महेश सैनी लंबे समय से फरार चल रहा है। कोर्ट उसे भगोड़ा घोषित कर चुका है। जयपुर के खातीपुरा स्थित सुंदर नगर में शूटर रोहित राठौड़ के घर भी एनआईए की एक टीम पहुंची और छापेमारी की। दोनों शूटर्स के संपर्कों को भी बारीकी से खंगाला जा रहा है। नितिन फौजी के सहयोगियों के घर भी छापेमारी हुई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि हत्याकांड के पीछे कुछ और लोग भी हैं, जो जांच के दौरान सामने आए हैं। इन दोनों शूटरों का प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से उन लोगों के साथ संपर्क रहा है।

**शूटर राठौड़ का घर सील :** सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में बुधवार सुबह एनआईए की टीम मकराना पहुंची। टीम ने मकराना पुलिस के साथ जूसरी गांव जाकर गोगामेड़ी की हत्या के आरोपित शूटर रोहित राठौड़ के घर की तलाशी ली और फिर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। इसके बाद घर को सील कर दिया।

## लॉरेंस बिश्नोई गैंग का गुर्गा गिरफ्तार

एनआईए, डीएसटी, चेन्नई और दिल्ली पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों की सप्लाई में लिप्त लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक गुर्गे को राजस्थान के पिलानी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम अशोक मेघवाल है, जिसे उसके गांव झेरली से पकड़ा गया है। आरोपित के पास से आठ हथियार जब्त किए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार तीस से ज्यादा हथियार आरोपित सप्लाई कर चुका है। पुलिस अशोक से मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

# हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

**शीष कोर्ट ने कहा-एसआइटी या सीबीआइ से जांच नहीं होगी, सेबी के कामकाज में दखल नहीं दे सकता**

**नयी दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अडानी-हिंडनबर्ग मामले की एसआईटी या सीबीआई से जांच कराने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि सेबी की जांच को लेकर संदेह का कोई कारण नहीं है। कोर्ट नियामक संस्था सेबी के कामकाज में दखल नहीं दे सकता। कोर्ट ने सेबी से बाकी दो मामलों की जांच तीन महीने में करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में किसी तीसरे पक्ष की जांच को सत्यापित किए बिना उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। केंद्र सरकार भारतीय निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए कोर्ट की ओर से गठित कमेटी के सुझावों पर विचार करे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सेबी से कहा कि दोनों हिंडनबर्ग रिपोर्ट में शॉर्ट सेलिंग के आरोपों की जांच कर यह पता लगाएं कि किसी कानून का उल्लंघन तो नहीं हुआ। देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ किया है प्रेस की खोजी खबरों या किसी संगठन की रिपोर्ट को सेबी के लिए भरोसेमंद साक्ष्य के रूप में नहीं माना जा सकता । कोर्ट ने यह भी कहा कि जनहित याचिका का उद्भव आम नागरिकों की समस्याओं के लिए किया गया था लेकिन गैरभरोसेमंद खबर को आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने 24 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज फैसला सुनाने वाली बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल रहे।

# महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए वादे पूरी कर रही सरकार

एजेंसी

**नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी : मोदी**

- **पूर्व की सरकारों ने लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण लटकाए रखा था**
- **सरकार ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से आजादी की दी गारंटी**

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि देश की नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार देश में महिलाओं को सशक्त बनाने के वादे पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को केरल के त्रिशूर में महिला संगम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस, वाम दलों पर संसद और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण की मांग को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से आजादी की गारंटी दी और उसे ईमानदारी से पूरा किया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद लेफ्ट, कांग्रेस की सरकारों ने, एलडीएफ, यूडीएफ की सरकारों ने नारी शक्ति को कमजोर माना। लेफ्ट और कांग्रेस की सरकारों ने लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण देने वाले कानून को वर्षों तक लटकाए रखा। मोदी ने आप सभी बहनों को आपका हक देने की गारंटी दी थी और उस गारंटी को पूरा करके दिखाया। नारीशक्ति वंदन अधिनियम अब कानून बन चुका है। उन्होंने कहा कि केरल में लंबे समय तक लेफ्ट और कांग्रेस सत्ता और विपक्ष का ढोंग रचते रहे हैं जबकि ये हमेशा से एक ही थे। ये सिर्फ नाम के लिए दो पार्टियां हैं। केरल में करप्शन हो, क्राइम हो या परिवारवाद, ये दोनों सब कुछ मिलकर करते हैं। अब इंडी अलायंस बनाकर इन्होंने घोषणा कर दी है कि इनकी विचारधारा और नीतियों में कोई अंतर नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल जानता है कि अगर कोई पार्टी है, जो उसके विकास को गति दे सकती है तो वह भाजपा है, कोई वामपंथी पार्टी या गठबंधन नहीं। भाजपा केरल में इंडी गठबंधन को हरा देगी। भारत गतिशील विकास के साथ आगे बढ़ रहा है लेकिन केवल मोदी के प्रति उनकी नफरत के कारण इंडी गठबंधन केरल के विकास और प्रगति में बाधा बन रहा है।

# ईरान में विस्फोट, 100 से अधिक की मौत

एजेंसी

**रिवोल्यूशनरी गार्ड के पूर्व प्रमुख काशिम सुलेमानी की कब्रगाह के बाहर धमाका, 150 घायल**

**तेहरान ।** ईरान के करमान शहर में बुधवार को विस्फोट की दो घटनाओं में सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई और करीब डेढ सौ लोग घायल हुए। ईरान की संवाद समिति और अन्य मीडिया चैनलों की रिपोर्ट के अनुसार ये ताकतवर विस्फोट ईरान के चर्चित सुरक्षा बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के पूर्व प्रमुख काशिम सुलेमानी की कब्रगाह के बाहर कुछ अंतराल पर हुए। यह जगह राजधानी तेहरान से 820 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में है। ईरान की प्रमुख संवाद समिति ने केरमान प्रांत के डिप्टी गवर्नर रहमान जलाली के हवाले से कहा है कि यह हमला आतंकवाद की कार्रवाई है। मीडिया चैनलों की रिपोर्टों के अनुसार सुलेमानी की बुधवार को बरसी थी और इस अवसर पर कब्रगाह के पास लोगों की भीड़ थी। विस्फोटों में103 लोगों के मरने और 141 के घायल होने की रिपोर्ट हैं। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

सुलैमानी को अमेरिका ने जनवरी 2020 में इराक में ड्रोन मार दिया था। उनके जनाजे में उस समय भारी भीड़ जमा हुई थी और भगदड़ में 53 लोग मारे गए थे और दो सौ से अधिक घायल हो गए थे।

# पेट्रोल और डीजल के दाम में कटौती का प्रस्ताव नहीं : पुरी

**नयी दिल्ली।** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ईंधन की कीमत में कटौती के बारे में मीडिया रिपोर्टों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता ऊर्जा की उपलब्धता बनाए रखना है। उन्होंने बुधवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती का कोई प्रस्ताव नहीं है। पुरी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें अभी बहुत ज्यादा अस्थिर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में जब कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही थीं तो तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान हुआ था।

## केजरीवाल ने तीसरी बार इडी के समक्ष पेश होने से किया इनकार

**नयी दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को तीसरी बार दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में इडी के सामने पेश होने से इनकार किया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ईडी के समन राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, केजरीवाल को प्रचार करने से रोकने के लिए ईडी का इस्तेमाल कर रही है भाप्जपा।

# सरकारी अधिकारियों को कोर्ट में तलब करने पर राहत

एजेंसी

- **पहले अधिकारियों को कोर्ट की कार्यवाही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़ने का निर्देश दें : सुप्रीम कोर्ट**

**नयी दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी अधिकारियों को कोर्ट में तलब किए जाने के मामले में बड़ी राहत दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सबसे पहले तो अधिकारियों को कोर्ट की कार्यवाही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़ने का निर्देश दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट को अधिकारियों की कोर्ट में पेशी का आदेश जारी करते समय उसकी पर्याप्त वजह बतानी चाहिए कि उस अधिकारी की उपस्थिति क्यों जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि अवमानना कार्यवाही को छोड़कर अधिकारियों को कोर्ट के समक्ष पेश होने का आदेश नहीं देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट में पेश हुए अधिकारी की ड्रेस पर तब तक कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए जब तक अधिकारी अपने दफ्तर के ड्रेस कोड का उल्लंघन नहीं करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारियों को समन जारी करने के पहले अग्रिम रूप से नोटिस भेजा जाना चाहिए ताकि अधिकारी तैयारी कर कोर्ट में पेश हो सकें। पिछले साल 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वो इसे लेकर दिशा-निर्देश तय करेगा। केंद्र ने सुझाव दिया था कि जरूरी हो तभी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहना चाहिए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वह कोर्ट में पेश होने के दौरान अधिकारी की वेशभूषा पर भी निर्देश जारी कर सकते। इससे पहले केंद्र सरकार ने अदालती कार्यवाही में सरकारी अधिकारियों की पेशी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक ड्राफ्ट स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) सौंपा था । केंद्र ने कहा था कि कोर्ट को अधिकारियों को अपवाद स्वरूप ही समन करना चाहिए। ये कोई रूटीन प्रकिया नहीं होनी चाहिए। केंद्र ने एसओपी कोर्ट के सामने रखते हुए कहा था कि इसका लक्ष्य न्यायपालिका और सरकार संबंधों में सुधार लाना है। इस एसओपी में कहा गया था कि पेशी के लिए उचित वक्त मिले और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेशी हो तो ज्यादा बेहतर है। एसओपी के मुताबिक कोर्ट पेशी के दौरान सरकारी अधिकारियों की ड्रेस/उनके सामाजिक, शैक्षणिक पृष्ठभूमि पर टिप्पणी न करे। सरकार के रुख से अलग कोर्ट में दिये बयान के लिए सरकारी वकील पर अवमानना की कार्रवाई न हो। एसओपी में यह भी कहा गया था कि सरकार को अमल के लिए वाजिब वक्त मिले ।

# मां की बर्थडे पार्टी में रौतेला ने किया जबरदस्त डांस

**मुंबई।** बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपनी मां की बर्थडे पार्टी में जबरदस्त डांस किया। रौतेला ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की बर्थडे पार्टी के तीन वीडियो शेयर किए हैं। इन वीडियो में वह शिमरी आउटफिट में नजर आ रही हैं और बेहतरीन डांस करती नजर आ रही हैं। उर्वशी के इस जबरदस्त डांस को देखकर कई लोग हैरान हो गए हैं। उर्वशी के डांस वीडियो पर नेटिजेंस ने खूब रिएक्शन दिए हैं। एक नेटिजन ने लिखा कि क्या आप एक छोटी लड़की हैं। एक अन्य ने लिखा कि अरे क्या हुआ? क्या कोई करंट लगा है। एक तीसरे ने भी लिखा कि तुम्हें कौन सी बीमारी है भाई। उर्वशी के काम के बारे में बात करें तो कुछ महीने पहले उन्होंने बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एल्विश यादव के साथ एक म्यूजिक वीडियो शूट था। उस गाने का नाम हम तो दीवाने हैं और इस गाने में हमें दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री देखने को मिली थी।

## 200 करोड़ क्लब में शामिल हुयी फिल्म डंकी

**मुंबई।** बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की फिल्म डंकी ने 200 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी ।पठान और जवान के बाद डंकी इस साल की शाहरुख खान की तीसरी फिल्म है। फिल्म डंकी को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। डंकी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 400 करोड़ का कारोबार कर लिया है ।फिल्म डंकी में शाहरुख खान के अलावा तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में है।

## एक नजर में

### पाकिस्तान में आतंकियों के निशाने पर मौलाना असद महमूद, पुलिस ने चेताया

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान पुलिस ने आशंका जताई है कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बेटे और पूर्व संघीय मंत्री मौलाना असद महमूद को आतंकवादी कभी भी निशाना बना सकते हैं। पुलिस ने उन्हें इसके सतर्क करते हुए आंदोलन और यात्रा के समय अधिक एहतियात बरतने की सलाह दी है। डेरा इस्माइल खान सदर सर्कल के एसडीपीओ डीआई खान और सलीम खान के मुताबिक यात्रा के दौरान या उनके आवास पर आतंकवादी उन्हें निशाना बना सकते हैं। इन परिस्थितियों में उन्हें अनावश्यक यात्रा और सभा में शामिल होने से बचने के साथ अपनी गतिविधियों को गुप्त रखने की सलाह दी गई है। इन अधिकारियों ने कहा है कि मौलाना असद को अपनी सुरक्षा और कड़ी करनी चाहिए।

### जापान में भूकंप से अब तक 57 की मौत

**टोक्यो।** जापान में सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वाले की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। सबसे ज्यादा तबाही इशिकावा प्रांत में हुई है। सोमवार को इशिकावा प्रांत और आसपास आए भूकंप के करीब 100 झटकों में सर्वाधिक 7.6 तीव्रता का भूकंप भी शामिल है। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने 48 मौतों की पुष्टि की है लेकिन मरने वालों का आंकड़ा कहीं इससे अधिक है। तटवर्ती शहर कीचड़ में घिर गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों से आई सूचना के अनुसार भूकंप से अब तक कम से कम 57 लोगों की जान गई है। सरकारी प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में पानी, बिजली और मोबाइल फोन सेवा अभी भी बंद है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि जापान की सेना ने बचाव प्रयासों में शामिल होने के लिए 1,000 सैनिकों को आपदा क्षेत्रों में भेजा है। सरकार नुकसान का आकलन कर रही है। मलबे में दबे लोगों को तलाश की जा रही है।

### इजराइल जायेंगे यूपी से दस हजार श्रमिक

**आजमगढ़।** हमास के साथ युद्ध के बीच इजराइल में निर्माण समेत अन्य कार्यों के लिए श्रमिकों की जरूरत है। इसके लिए उत्तर प्रदेश से 10 हजार श्रमिकों को वहां भेजने की योजना बनी है। आजमगढ़ जिले के श्रम विभाग में जिले के 150 श्रमिकों ने अब तक अपना रजिस्ट्रेशन कराया है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। उप श्रम आयुक्त राजेश कुमार ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि इजराइल में काम करने वाले फिलिस्तीनी मजदूरों के वापस फिलिस्तीन चले जाने के चलते वहां पर मजदूरों की कमी हो गई है। इसके चलते इजराइल ने भारत सरकार से श्रमिकों की मांग की है। श्रमिकों को वहां की करेंसी में पेमेंट किया जाएगा। इस संबंध में उत्तर प्रदेश से 10 हजार श्रमिकों को भेजा जाना है। इसको लेकर आजमगढ़ में भी श्रम विभाग के कार्यालय में रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है।

### असम में सड़क हादसा, 12 लोगों की मौत

**गुवाहाटी।** असम में गोलाघाट जिले के बलिजान गांव में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब बस पिकनिक के लिए गोलाघाट बाचागांव से तिनसुकिया जा रही थी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। गोलाघाट जिला आयुक्त पी. उदय प्रबीन ने कहा कि बस में 49 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की जांच की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि असम के गोलाघाट में सड़क दुर्घटना के कारण लोगों की मौत से दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये की और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि दी जायेगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भीषण बस दुर्घटना से गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन घड़ी में प्रशासन घायलों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना है।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

VERMA PRESS

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

| Class - X | | Class - IX | |
|---|---|---|---|
| Hindi | ₹ 140 | Hindi | ₹ 140 |
| English | ₹ 140 | English | ₹ 140 |
| Mathematics | ₹ 140 | Mathematics | ₹ 140 |
| Science | ₹ 140 | Science | ₹ 140 |
| Social Science | ₹ 140 | Social Science | ₹ 140 |
| Sanskrit | ₹ 120 | Sanskrit | ₹ 120 |
| Hindi – B | ₹ 140 | Hindi – B | ₹ 80 |
| Hindi Vyakaran– II | ₹ 120 | Hindi Vyakaran– II | ₹ 120 |
| English Grammar II | ₹ 120 | English Grammar II | ₹ 120 |
| Sanskrit Vyakaran–II | ₹ 100 | Sanskrit Vyakaran–II | ₹ 100 |
| Hindi Practical | ₹ 55 | Hindi Practical | ₹ 55 |
| English Practical | ₹ 55 | English Practical | ₹ 55 |
| Maths. Practical | ₹ 65 | Maths. Practical | ₹ 55 |
| Science Practical | ₹ 65 | Science Practical | ₹ 70 |
| S. Science Practical | ₹ 65 | S. Science Practical | ₹ 65 |
| Sanskrit Practical | ₹ 55 | Sanskrit Practical | ₹ 55 |
| Maths. Practical (Combined) | ₹ 90 | Maths. Practical (Combined) | ₹ 75 |
| Science Practical (Combined) | ₹ 90 | Science Practical (Combined) | ₹ 75 |
| English Medium | | English Medium | |
| Mathematics | ₹ 200 | Mathematics | ₹ 130 |
| Science | ₹ 200 | Science | ₹ 200 |
| Social Science | ₹ 200 | Social Science | ₹ 130 |
| Maths. Practical | ₹ 80 | Maths. Practical | ₹ 80 |
| Science Practical | ₹ 80 | Science Practical | ₹ 80 |
| S. Science Practical | ₹ 80 | S. Science Practical | ₹ 80 |

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

आठवीं पुण्यतिथि

न जायते म्रियते वा कदाचि, नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो, न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

स्व0 कौशल किशोर सिंह

जन्म : 28 जून1947 । स्वर्गवास : 4 जनवरी 2016

पंचभूत में विलीन हुए, त्याग दिया यह नश्वर शरीर।
यादें ही हैं अब शेष मन में, नमन करें हम धारण धरें धीर।।

आज ही के दिन आठ वर्ष पूर्व आप हम सबों से सदा के लिए विदा हो गए। जीवन के हर पल हम आपकी कमी महसूस करते हैं। हम सभी अश्रुपूरित नयनों से आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

विनीत : विकाश सिंह
के0 के0 बिल्डर्स प्रा0 लि0
के0 के0 आवास प्रा0 लि0
27, न्यु काली माटी रोड
साकची, जमशेदपुर

श्रद्धावनत् :
उर्मिला सिंह (पत्नी), रश्मि सिंह (पुत्र वधु)
आर्या वत्स (पौत्र), अग्रिमा वत्स (पौत्री)
उषा सिंह एवं चन्द्र रश्मि रंजन
निशा सिंह एवं संतोष कुमार
अनिता सिंह एवं आर. के. कुँवर
रेखा सिंह एवं अविनाश कुमार
श्वेता सिंह एवं शत्रुघ्न सिन्हा
अंकिता सिंह एवं कौशल शुभांक
एवं समस्त सिंह परिवार सह कर्मचारीगण